ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बीटीसी दो साल में परिसर खाली कर कुनिगल स्टड फार्म में जाए: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 28 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-294

बिहार के चुनावी माहौल से राहुल गांधी लापता

कांग्रेस के पप्पू अब कहां चला रहे चप्पू?

बिहार में विधानसभा चुनाव का माहौल गरमाया हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत तमाम नेता बिहार में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां कर रहे हैं, लेकिन बिहार के चुनावी सीन से कांग्रेस के नायब राहुल गांधी गायब हैं। बिहार के मतदाताओं के बीच यह सवाल तेजी से उछल रहा कि कांग्रेस के पप्पू अभी कहां चप्पू चला रहे हैं? उनकी बिहार से गुमशुदगी कहीं उनके पलायन का संकेत तो नहीं है? चुनाव में होने वाली बुरी गत के फीडबैक से राहुल गांधी ने कहीं सरेंडर तो नहीं कर दिया?

बिहार पर चुनावी रंग चढ़ा हुआ है। 6 नवंबर को पहले फेज का मतदान होने वाला है। पहले फेज के लिए चुनाव प्रचार 4 नवंबर तक चलेगा। बस एक ही हफ्ता बाकी है। महागठबंधन खेमे में बहस और सवालों का

कांग्रेस के 'नायब' बिहार से गायब!

घमासान मचा हुआ है। सब पूछ रहे हैं कि एक तरफ एनडीए के लिए पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान समेत कई अन्य नेता रोज रैलियां कर रहे हैं, लेकिन इंडी गठबंधन के लिए राहुल गांधी सीन से बिल्कुल सफाचट हैं। दो महीने से बिहार आए ही नहीं। न रैली की, न सड़क पर उतरे, न संविधान का वास्ता देते नजर आए। विदेश में भारत विरोधी बयान देते जरूर दिखे। राहुल गांधी का पिछला बिहार आगमन एक सितंबर को हुआ था, जब वे वोटर अधिकार यात्रा का समापन करने पटना आए थे। बिहार के लोग पूछते हैं कि क्या राहुल गांधी अब बिहार के वोट समापन के बाद ही अवतरित होंगे? दूसरी तरफ बिहार के लोगों में यह आम चर्चा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो बिहार को अपना दूसरा घर ही बना लिया है। हर दूसरे दिन रैली, हर रैली में विपक्ष पर जोरदार हमला। ▶10 पर

चुनाव आयोग ने देशव्यापी एसआईआर का ऐलान किया

12 राज्यों में शुरू हो गई एसआईआर की प्रक्रिया

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दूसरे चरण में 12 राज्यों में प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। इसमें मतदाता सूची में सुधार, नए मतदाताओं का समावेश और सूची में त्रुटियों का निवारण किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एसआईआर का फेज-1 खत्म हो गया है। अब इसका दूसरा चरण शुरू होने वाला है। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण सफल तरीके से किया गया। ज्ञानेश कुमार ने घोषणा की कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे फेज में देश के 12 राज्यों में यह अभियान चलाया जाएगा।

चुनाव आयुक्त ने कहा कि जिन राज्यों में एसआईआर क्रिया पूरी की जाएगी, उन सभी राज्यों की मतदाता सूचियां आज रात 12 बजे फ्रीज कर दी जाएंगी। उस सूची के सभी मतदाताओं को बीएलओ द्वारा विशिष्ट गणना प्रपत्र दिए जाएंगे। इन गणना प्रपत्रों में वर्तमान मतदाता सूची के सभी आवश्यक विवरण होंगे। बीएलओ द्वारा मौजूदा मतदाताओं को प्रपत्र वितरित करने के बाद, जिन सभी के नाम गणना प्रपत्रों में हैं, वे यह मिलान करने का प्रयास ▶10 पर

बिहार में सफल एसआईआर के बाद

12 राज्यों में चुनावों से पहले एसआईआर किया जाना सबसे ज्यादा जरूरी

असम में एनआरसी के मुताबिक होगा एसआईआर

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि अभी असम में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि असम में नागरिकता से जुड़े नियम थोड़े अलग है, इसलिए वहां एसआईआर से प्रक्रिया अलग तरीके से चलेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि असम में नागरिकता को लेकर अलग कानून हैं। वहां एनआरसी लागू है। यह भी असम में एसआईआर को फिलहाल के लिए टालने का एक कारण है। असम में मतदाता सूचियों के विशेष गन पुनरीक्षण के लिए थोड़ी अलग ▶10 पर

आसियान सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की वर्चुअल मौजदूगी

भारत और आसियान की होगी 21वीं सदी: मोदी

आसियान-भारत साझेदारी मजबूत करने की जरूरत: वियतनाम

क्वालालम्पुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मलेशिया में हो रहे आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम को आसियान के सफल अध्यक्षता की बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और आसियान मिलकर दुनिया की एक चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम सिर्फ पड़ोसी नहीं, बल्कि गहरे इतिहास, संस्कृति और मूल्यों से जुड़े हैं। व्यापार के साथ-साथ सांस्कृतिक पार्टनर भी हैं। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का मुख्य हिस्सा है। भारत हमेशा आसियान की केंद्रियता और इंडो-पैसिफिक विजन का पूरा समर्थन करता रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि अनिश्चित समय में भी भारत-आसियान स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप मजबूत हो रही है। ये वैश्विक शांति और विकास का आधार बनेगी। समिट की थीम इनक्लूसिविटी और सस्टेनेबिलिटी है, जो हमारे काम में दिखती है। डिजिटल शामिल करना, खाने की सुरक्षा या सप्लाई चेन मजबूत करना, सबमें भारत साथ है। हर मुसीबत में आसियान दोस्तों के साथ खड़े रहे। सहयोग हर क्षेत्र में बढ़ रहा है। इसलिए 2026 को आसियान-इंडिया मैरिटाइम कोऑपरेशन ईयर घोषित किया। पीएम मोदी ने कहा कि आसियान देश शिक्षा, टूरिज्म, साइंस, खेल, ग्रीन एनर्जी, साइबर ▶10 पर

बीएसएफ-बीजीबी की फ्लैग मीटिंग के बाद हुई कार्रवाई

भारत ने 60 बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा

नदिया, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 60 बांग्लादेशी नागरिकों को बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) को सौंप दिया। इनमें 6 ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। ये लोग पश्चिम बंगाल के नदिया जिले और बांग्लादेश के मेहर्पुर जिले के बीच जीरो लाइन पर अलग-अलग फ्लैग मीटिंग में वापस भेजे गए। सौंपने की कार्रवाई गंगनी उपजिला के काजीपुर और कथुली बॉर्डर पॉइंट पर हुई।

बीएसएफ ने बताया कि काजीपुर बॉर्डर पर अंतरराष्ट्रीय पिलर नंबर 147 के पास 30 लोग वापस भेजे गए, जिनमें 6 ट्रांसजेंडर थे। बाकी 30 को कथुली बॉर्डर के पिलर 133/3-एस से लौटाया गया। ये लोग ज्यादातर ठाकुरगांव और कुरीग्राम जिले के थे। नौकरी की तलाश में भारत आए थे। दलालों की मदद से अलग-अलग समय पर अवैध तरीके से भारत में घुसे थे और मुंबई, दिल्ली, असम जैसे जगहों पर मजदूरी करते थे। लेकिन हाल में भारतीय अधिकारियों ने इन्हें पकड़ लिया और हिरासत में रखा। भारत ने बांग्लादेश से निर्वासन की बात की, फिर राज्य पुलिस ने इन्हें बीएसएफ को सौंपा और कल औपचारिक रूप से बांग्लादेश भेज दिया। गंगनी उपजिला के गंगनी आउटपोस्ट पर हुई सौंपाई में बीएसएफ कंपनी ▶10 पर

साइबर क्राइम को लेकर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

डिजिटल अरेस्ट मामलों की सीबीआई करेगी जांच

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशभर में बढ़ते डिजिटल अरेस्ट स्कैम को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं की सीबीआई से जांच कराने की बात कही है। उसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी करते हुए साइबर अरेस्ट मामलों की पूरी जानकारी मांगी है। इस मामले की अगली सुनवाई 3 नवंबर को होगी।

देशभर में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट घोटालों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसे मामलों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी जा सकती है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस तरह के मामलों में दर्ज एफआईआर की जानकारी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन अपराधों की व्यापकता और देशव्यापी नेटवर्क को देखते हुए अब जांच का दायरा सीबीआई के स्तर पर बढ़ाया जाना जरूरी है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि इन साइबर अपराधों की जड़ें म्यांमार और ▶10 पर

मुख्य सचिवों को सुप्रीम कोर्ट में पेश होने का आदेश

आवारा कुत्तों पर अधिकतर राज्य गंभीर नहीं

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दौरान कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को होने वाली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि आवारा कुत्तों की समस्या पर नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अधिकतर राज्यों ने अब तक हलफनामे नहीं दाखिल किए हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य सचिवों को पेश होने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की विशेष बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि अब तक सिर्फ दिल्ली महानगपालिका (एमसीडी), पश्चिम बंगाल और तेलंगाना ने ही आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर हलफनामे दाखिल किए हैं। 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने जब इस मामले पर सुनवाई की थी, तब सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हलफनामे दाखिल करने के लिए कहा गया था। अपने आदेश के बावजूद हलफनामे न मिलने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई और मुख्य सचिवों को पेशी का निर्देश जारी कर दिया।सर्वोच्च न्यायालय ने 22 अगस्त को आवारा कुत्तों के मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी ▶10 पर

इंडिया मैरीटाइम वीक पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा

एक दशक में समुद्री क्षेत्र की ताकत बना भारत

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 का उद्घाटन किया। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, गोवा के सीएम प्रमोद सावंत और ओड़ीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि गेटवे ऑफ इंडिया की जगह यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में मंथन के बाद जो विचार सामने आएंगे, उनसे गेटवे ऑफ इंडिया, गेटवे ऑफ वर्ल्ड में बदल जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बीते एक दशक में मेरीटाइम इकॉनोमी में जो सुधार किए गए हैं, उनके चलते भारत वैश्विक समुद्री नक्शे पर एक उभरती हुई ताकत बनकर खड़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत की मेरीटाइम स्थिति, लोकतांत्रिक स्थिरता और नौसैन्य क्षमताएं हिंद प्रशांत और वैश्विक दक्षिण क्षेत्र में विकास, सुरक्षा और पर्यावरण को बढ़ावा दे रही हैं। शाह ने कहा कि भारत का समुद्री इतिहास 5000 साल पुराना है और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश नया समुद्री इतिहास लिख रहा है।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मुंबई में नए कार्यालय के भूमि पूजन पर अमित शाह ने कहा

महाराष्ट्र में भाजपा अपने बल पर चलती है

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा को बैसाखियों की जरूरत नहीं है और वह अपने बल पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का सफाया सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि जनसंघ की स्थापना के बाद से हमने हमेशा संगठन की अवधारणा के आधार पर अपनी पार्टी के कामकाज को स्वीकार किया है। हमने हमेशा सिद्धांतों के आधार पर अपनी नीतियां बनाई हैं। हमने देश और इसके लोगों के सर्वोत्तम हित में सबसे कठिन लड़ाई लड़ी है।मुंबई में नए कार्यालय के भूमि पूजन के मौके पर अमित शाह ने कहा कि

जनसंघ की स्थापना के बाद से हमने हमेशा संगठन की अवधारणा के आधार पर अपनी पार्टी के कामकाज को स्वीकार किया है। हमने हमेशा सिद्धांतों के आधार पर अपनी नीतियां बनाई हैं। हमने देश और इसके लोगों के सर्वोत्तम हित में सबसे कठिन लड़ाई लड़ी है।

दक्षिण मुंबई में चर्चगेट स्टेशन के पास महाराष्ट्र भाजपा के नए कार्यालय भवन की आधारशिला रखने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, हमने साबित कर दिया है कि परिवार द्वारा संचालित पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी। काम की राजनीति ही देश को आगे ले जाएगी। मोदी जी इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। एक साधारण चायवाले के घर में जन्मा एक बच्चा अपने समर्पण, त्याग और कड़ी ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,24,090/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,48,260/- (प्रति किलोग्राम)

गुरु गणेशीलाल महाराज की 146वीं जन्म जयंती मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के तत्वावधान में गुरु गणेशीलाल महाराज की 146वीं जन्म जयंती का पावन आयोजन भक्ति, श्रद्धा और भावनाओं के वातावरण में संपन्न हुआ। प्रवचन में साध्वी नंदिनी ने कहा चरित्र निर्माण जीवन की नींव है। जैसे किसी भवन की मजबूती उसकी नींव पर टिकी होती है, वैसे ही जीवन की स्थिरता हमारे चरित्र पर निर्भर करती है।

आहार हमारे विचारों का आधार है,'जैसा खाओ अन्न, वैसा होवे मन। हमारा मन और हमारे विचार उसी प्रकार निर्मित होते हैं जैसा हम आहार ग्रहण करते हैं। इसलिए व्यक्ति को अपने आहार और आचरण दोनों को शुद्ध रखना चाहिए, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से चरित्र का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में जो भी प्राप्त हुआ है सुख, साधन, प्रतिष्ठा या पद यह सब धर्म और जिनशासन की कृपा से प्राप्त हुआ है।

हमें यह सोचना चाहिए कि बचे हुए धन और जीवन का हम उपयोग कैसे करें। यदि हम अपने शेष जीवन और धन को धर्म, सेवा और सद्कर्मों में लगाएँगे तो जीवन सार्थक बन जाएगा। साध्वी नंदिनी ने कहा कि बचे हुए जीवन को पाप कार्यों में मत लगाओ, वरन् उसे सद्पथ में लगाकर जीवन का उद्धार करो। साध्वी नंदिनी ने अपने प्रवचन में गुरु गणेशीलाल महाराज के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन तप, त्याग और साधना से ओतप्रोत था। वे संयम के कठोर साधक, आत्मानुशासन के मूर्तिमान स्वरूप और अनंत जीवों के कल्याणकर्ता थे। गुरु गणेश ने खादी वस्त्र धारण करने की प्रेरणा दी, लोक में संयम का संदेश फैलाया और जन-जन को मिथ्यात्व से सम्यकत्व की ओर अग्रसर किया। उनका सम्पूर्ण जीवन आत्मसाधना और लोककल्याण की भावना से परिपूर्ण रहा। दक्षिण भारत में उनके अनंत उपकार आज भी लोक स्मृति में जीवित हैं। जालना की पावन भूमि उनके तप और उपदेशों से आज भी श्रद्धा का केंद्र बनी हुई है। साध्वी नंदिनी ने मेवाड़ परंपरा के आचार्य मानमल महाराज के योगदान का भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि आचार्य मानमलजी न केवल एक ओजस्वी प्रवचनकार थे, बल्कि एक प्रतिभाशाली कवि भी थे। उन्होंने राजस्थानी भाषा में अनेक काव्य रचनाएँ कीं और सात दशकों तक संयम जीवन का आदर्श पालन किया। उनका जीवन साहित्य, साधना और सम्यक प्रवचन का अनुपम संगम था। उनका जन्म दीक्षा और देवलोक तीनो कार्तिक शुक्ल पंचमी के दिन हुआ। इस अवसर पर देशनोक गुरुकुल के प्रधान अध्यापक मोहनलाल लूणिया ने गुरु गणेशीलाल महाराज के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश देते हुए कहा कि उनका तपस्वी जीवन आज भी साधक जनों के लिए दिशा-प्रदर्शक है। कार्यक्रम के आभार ज्ञापन की प्रस्तुति राकेश दलाल ने की, जबकि धर्मसभा का संचालन नेमीचंद दलाल ने महापुरुषों के गुणगान सहित किया।

धर्म आराधना के बिना यह जीवन बांझ समान: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि धन, परिवार, राज सुख और पद प्रतिष्ठा सत्ता पाना सरल है, किंतु सत्य ज्ञान का पाना इस जगत में अत्यंत दुर्लभ है। प्रभु महावीर ने अपने उपदेश में बार बार बोध पाने की प्रेरणा दी है और पूछा कि संसार के दुखों को देखते हुए और अनुभव करते हुए भी हम क्यों जाग नहीं रहे हैं। आज भक्ति में दिखावा बढ़ गया है। भक्ति में शब्दों का शोर ऐसा होता है कि पड़ोसी भी जाग जाए किंतु स्वयं की आत्मा को जगाने का सम्यक पुरुषार्थ नहीं हो रहा है। धर्म आराधना के बिना यह जीवन बांझ समान है। हम माल की चिंता कर रहे हैं किंतु आगे सिर्फ माला काम आने वाली है। समय की बाढ़ में मजबूरी में बहने से पहले हम आत्मा की सुरक्षा कर लेवें। अपने प्रवचन में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि बंधन को जब तक हम बंधन नहीं समझेंगे, संसार के मोह में जकड़े बंधनों को तोड़ नहीं पाएंगे। आत्मा में जब मुक्ति की तड़फ उठेगी तब मोक्ष मार्ग की हम नींव तैयार करेंगे। आत्मा के अलावा अपना कोई था नहीं, है नहीं और रहेगा भी नहीं। इस वास्तविकता को पहचाने और संसार में आसक्ति को कम करें। जब तक हमे बंधन आभूषण लगेंगे, तब तक बंधनों को तोड़ने का हमारा प्रयास मात्र स्वयं को छलावा होगा। प्रवचन सभा में जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण गोटावत, कोषाध्यक्ष गौतम कोठारी, पूर्व अध्यक्ष रिखबचंद बोहरा, वीर भ्राता मगराज सेठिया सहित डोड्डबल्लापुर, चेन्नई, कोयम्बत्तूर, सूरत, ब्यावर आदि स्थानों से दर्शनार्थी उपस्थित थे। शांतिलाल कांकरिया ने अतिथियों का स्वागत किया। अलसूर संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि मंगलवार को मुनि गणेशीलाल जी की जन्म जयंती गुणानुवाद के साथ मनाई जाएगी। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री संयमलता जी के पावन सानिध्य में अभातेयुप अध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन हुआ। साध्वी श्री द्वारा मंगल मंत्रोचार से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। तेयुप अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सभी का स्वागत किया।

साध्वी श्री संयमलता जी ने कहा जीवन एक पुरस्कार है, उपहार है, अवसर है, बच्चों का जीवन सफेद कागज है उस पर चाहे जैसा चित्र उकेरा जा सकता है, बच्चों की कीमत ही जीवन को संस्कारित करें। साध्वी श्री ने स्वयं के वैराग्य जीवन की घटनाओं को बताते हुए बच्चों को प्रेरित किया, साथ ही बच्चों को 1 घंटे से अधिक मोबाइल उपयोग करने का त्याग करवाया गया। उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने भी साध्वी श्री की प्रेरणा से डिजिटल डिटॉक्स का त्याग किया।

पवन मांडोत ने अपने प्रभावशाली व्यक्तव्य में बच्चों को त्याग एवं संकल्प करने हेतु प्रेरित किया एवं अभिभावकों को संकल्प करवाया कि अगर उनके परिवार में बच्चे दीक्षा लेने हेतु तैयार होते हैं तो वह उन्हें मना नहीं करेंगे। साध्वी मार्दव जी ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि पदार्थ जगत से आध्यात्मिक जगत की ओर जाने का मार्ग है वीतराग पथ, बच्चे कलियों से फूल बनकर इस नंदनवन में सुवासित करें। सभी बच्चो को प्रायोजक मनोहरलाल, राकेश, मुकेश बाबेल द्वारा उपहार दिए गये। इस अवसर पर सभा ट्रस्ट से पुखराज श्रीश्रीमाल, अभातेयुप से विनोद मुथा, गौतम खाब्या, कमलेश चोपडा, अणुव्रत समिति अध्यक्ष महेंद्र टेबा, तेयुप प्रबंध मंडल से प्रदीप बाबेल, पवन बैद, अमित नाहटा, मनीष चावत, पीयूष ललवानी, विजयनगर ज्ञानशाला संयोजीका ममता मांडोत सहित ज्ञानशाला बच्चे एवं श्रावक समाज की उपस्थिति रही।

पारिवारिक शांति एवं सद्भाव की नींव जीवन की सार्थकता की प्रथम शर्त: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि पारिवारिक शांति एवं सद्भाव की नींव जीवन की सार्थकता की प्रथम शर्त है। पारिवारिक शांति एवं पारस्परिक सौहार्द्र भाव। परिवार में कलह, असमन्वय और अशांति हो, तो व्यक्ति का चित्त साधना में एकाग्र नहीं हो सकता। वह मंदिर में परमात्मा की पूजा करेगा या दर्शन-वंदन करेगा तो भी मन भटकता रहेगा। उपाश्रय में जाकर 48 मिनट तक समता भावों में रमण करने का प्रत्याख्यान भले ही ले लेगा पर मन तो पारिवारिक तनाव की परिक्रमा लगाता रहेगा। प्रवचन श्रवण की बात हो या तत्व चर्चा की। स्वाध्याय की बात हो,

चाहे जाप की। किसी भी आराधना में उसका चित्त एकाग्र नहीं हो सकेगा। अतः चातुर्मास की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार पारिवारिक शांति और सामंजस्य है। परिवार की शांति को बनाये रखने के लिए प्रतिदिन सामूहिक प्रार्थना का नियम होना चाहिये। इससे मन के साथ-साथ घर का पर्यावरण शुद्ध एवं सात्विक बनता है। सप्ताह में किसी भी एक दिन सामूहिक वार्तालाप होना चाहिये, जिसमें हर व्यक्ति अपनी परेशानियों को बताकर हल्का हो सकता है और साधना में आनंद से प्रवृत्त हो सकता है। वस्तुतः चिंता से मुक्त बनकर ही चिंतन के धरातल पर उपस्थित हुआ जा सकता है। ज्येष्ठ सदस्यों को कनिष्ठ प्रणाम करें। प्रणाम एवं आशीर्वाद में शक्ति भरी है। प्रणाम के द्वारा शरीर में शक्ति का प्रवाह होता है, जिससे पूरा दिन शांति और सुख से बीतता है। रविवार को होटल या सिनेमा हॉल जाने की बजाय सामूहिक पूजा, प्रभु-दर्शन का कार्यक्रम रखें। शाम के समय सामूहिक रूप से मंदिर, गुरुदेव दर्शन के लिये पैदल जाना चाहिये, जिससे समय का उपयोग होता है और भ्रमण से स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। इसके साथ अच्छी किताबें पढ़ें, जिससे शुभ विचारों का पोषण हो। सभी साथ बैठकर ब्रह्मकाल में सामूहिक ओंकार का उच्च स्वर से उच्चारण करें। अनुकूलतानुसार तीन बार या इससे अधिक बार भी किया जा सकता है। ओंकार के उच्चारण से हृदय में ऊर्जा का घनत्व बढता है। शक्तियों का उद्घाटन होता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि सामूहिक योगासन करें। इससे शरीर लोचदार एवं स्वस्थ बनता है। सामूहिक प्राणायाम करें, जिससे मन शुद्ध बनता है। रक्त संतुलन का वरदान प्राप्त होने से अस्थमा, अस्थिरता, रक्तचाप आदि कई बीमारियाँ शांत हो जाती हैं। आत्म-शुद्धि के लिये ध्यान करें। सामूहिक रूप से अपने अपने इष्ट देव का जाप करें। इससे बाह्य उपद्रव, शारीरिक रोग दुम दबाकर भाग जाते हैं। एक दूसरे का सम्मान करें। किसी की गलती को किसी के भी सामने न बताये। भंवरलाल जैन ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक शांतिधारा स्तोत्र अभिषेक का लाभ तरुणा योगेश जैन ने लिया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती का लाभ किशोरमल बंदामुथा ने लिया।

समाज बंधुओं के लिए दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
माहेश्वरी सभा ने अपने समाज बंधुओं के लिए दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन पैलेस ग्राउंड स्थिति प्रिंसेस श्राइन में शनिवार को शाम 6 बजे से आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी, माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्षा श्वेता बियानी, माहेश्वरी युवा संघ सचिव निखिल सोनी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन गोपालदास इन्नानी, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, सभा के कार्यकारिणी सदस्य शैलेश असावा, सेंट्रल जोन सचिव शिरीष सारडा एवं सभा के सम्माननिय वरिष्ठ सदस्य शोभाचंद बिहानी ने भगवान महेश का पूजन कर दीप प्रज्वलन कर किया। भक्तिमय भाव मधुर वाणी में सुंदर महेश वंदना की प्रस्तुति साउथ जोन कमेटी की महिलाओं ने की। अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी ने अपने स्वागत उदबोधन में सभागार में उपस्थित सभी का तहे दिल से दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित कर स्वागत किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि नए कार्यकाल में वे माहेश्वरी सभा को और ऊंचाइयों तक पहुंच कर उसे और समृद्ध और सशक्त बनाने का पूरा प्रयास करेंगे।

महिला संगठन और युवा संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए पुराने अनुभव और नई सोच के साथ मिलकर काम करेंगे। अपने परिवार के युवाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का भी उन्होंने निवेदन किया। अंत मैं तन, मन और धन से सहयोग देने वाले बंधुओं का धन्यवाद किया और निवेदन किया कि आनेवाले आयोजनों में ऐसा ही सहयोग मिलता रहेगा। कक्षा 12 वीं में विज्ञान में टॉपर शौर्य राठी तथा वाणिज्य में टॉपर वृंदा चांडक को माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट की ओर से चेयरमैन गोपाल दास इनान्नी एवं मैनेजिंग ट्रस्टी भगवान बलदवा द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। ग्रेजुएट एवं उच्च शिक्षा के लिए छात्र छात्राओं को सरस्वती पुरस्कार प्रदान किया गया। समाज की प्रतिभाओं को हर वर्ष की तरह सम्मानित किया गया। शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम सभा के पांचो जोन के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें गणेश वंदना, चारों युग की प्रस्तुति, संक्षिप्त में रामायण की प्रस्तुति और बच्चों के लिए गैजेट्स से दूर करने के लिए नृत्य नाटिका की प्रस्तुति शामिल थी। अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित नेक्स्ट जेन सुपरस्टार कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर विजेता होकर प्रदेश स्तर पर भी विजेता रहे एवं राष्ट्रीय स्तर हैदराबाद में हिस्सा लेने वाले प्रतियोगियों का माहेश्वरी सभा बेंगलूरु द्वारा स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित किया गया। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय सीताराम मारू के जन्मशताब्दी के उपलक्ष में भारत सरकार द्वारा उनकी सेवाओं की स्मृति में डाक टिकट जारी किया गया, जिसकी झलकियां सभागार में प्रस्तुत की गई एवं स्व मारु को नमन करते हुए उनकी सेवाओं को याद किया गया।

सदस्यों के लिए लकी ड्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मोना बिरला ने किया। सचिव सत्यनारायण मालाणी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

हर्षोल्लास के साथ दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्वांचल परिवार ने शहर के हरियाणा भवन में हर्षोल्लास के साथ दिवाली स्नेह मिलन मनाया।सदस्यों ने लकी ड्रॉ और विभिन्न मनोरंजक खेलों जैसे हा-उज़ी, सॉन्ग प्रॉप हंट, म्यूजिकल चेयर और कई अन्य मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूर्वांचल परिवार के प्रत्येक परिवार को समिति की ओर से प्रेम और एकजुटता के प्रतीक के रूप में एक विशेष उपहार मिला। इस समारोह में नए सदस्यों का भी स्वागत किया गया, जिन्होंने दिवाली उत्सव का भरपूर आनंद लिया। स्वादिष्ट चाट और एक शानदार रात्रिभोज ने शाम को और भी आनंदमय बना दिया, जिसका सभी ने आनंद लिया।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ सदस्यों शंकर जीतानी, नंदलाल गोयल, रमेश टिबरेवाला, प्रभु दयाल पोद्दार, सुरेश मोदी, पवन अग्रवाल, सावन गोयल, रवि माहेश्वरी सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे। दीपक गोयल ने कहा पूर्वांचल परिवार के सभी सदस्यों का मै दिल से अभिनंदन करता हूं। दीपावली मिलन का मजा तभी आता है जब परिवार के सभी सदस्य आए और एक साथ मिल कर मिलन का आनंद लें। अध्यक्ष संदीप टिबरेवाल, सचिव राजेश जिंदल और कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्साहपूर्वक भागीदारी और सहयोग के लिए सभी सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद किया।

हमलावरों ने ग्राम पंचायत सदस्य पर गोलियां चलाईं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के बाहरी इलाके में छह बाइक सवार हमलावरों के एक गिरोह ने पुरानी दुश्मनी को लेकर एक ग्राम पंचायत सदस्य को मारने की कोशिश में कथित तौर पर गोलियां चलाईं। पीड़ित की पहचान 50 वर्षीय सलीम पाशा के रूप में हुई, जो इस्लामपुर का निवासी था और कन्नेगौडनहल्ली ग्राम पंचायत का सदस्य था। उनके दाहिने हाथ पर गोली लगी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि फिलहाल वह खतरे से बाहर हैं। घटना रविवार शाम करीब 6.30 बजे की है, जब पाशा इस्लामपुरा में 7वें क्रॉस पर एक दुकान के बाहर स्थानीय लोगों के साथ बातचीत कर रहा था। नेलमंगला ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हमलावरों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस को संदेह है कि यह हमला राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण किया गया है। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने हमले में देशी बंदूकों का इस्तेमाल किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा हमने कुछ सुराग जुटाए हैं और आरोपियों का पता लगाने के लिए उस पर काम कर रहे हैं।

गणेशलालजी के 146वें जन्मोत्सव पर अन्नदानम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक गजकेसरी, घोर तपस्वी, खद्दरधारी गुरुदेव संतश्री गणेशलालजी म.सा. के 146वें जन्मोत्सव पर दिव्य आयोजन 94वें महिने अन्नदानम महाप्रसादी की गई। समिति के अध्यक्ष किरणचंद बोहरा ने बताया कि स्थानीय मैसूरु बैंक सर्कल स्थित श्री हनुमानजी मंदिर के समीप हुए अन्नदान के लाभार्थी स्व भवरीबाई स्व हीराचन्द गुगलिया परिवार श्रीरामपुरम तथा समिति के मासिक सदस्यों का रहा। संघ के

पूर्व अध्यक्ष अशोक गुगलिया का इस दौरान अनुमोदना स्वरुप एवं धन्यवाद सत्कार भी किया गया।

बोहरा ने बताया कि इस मौके पर हजारों लोगों ने प्रसाद पाया। समिति के मंत्री उगमराज चोपड़ा, अनिल पोकरना, उपाध्यक्ष अनिल बाफना, उत्तम मुथा, अशोक समदरिया, प्रदीप गुलेचा, मानक गुलेचा, यशवंत सालेचा, रितु संचेती, श्रृति जैन, मंजू राव व कृष्ण ने सेवा सहयोग में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बीटीसी दो साल में परिसर खाली कर कुनिगल स्टड फार्म में जाए: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जबकि राज्य सरकार ने 1 नवंबर से शुरू होने वाले सीजन के लिए रेसिंग लाइसेंस जारी नहीं किया है, बेंगलूरु टर्फ क्लब ने कुनिगल स्टड फार्म में रेसिंग गतिविधियों को स्थानांतरित करने से पहले अपने क्लब संचालन को चलाने के लिए वर्तमान स्थान पर 6.5 एकड़ जमीन की मांग दोहराई है। राज्य सरकार ने अभी तक इस पर प्रतिबद्धता नहीं जताई है। रविवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपने कानूनी सलाहकार ए.एस. पोन्नन्ना, ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज और कई अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए क्लब परिसर का अचानक दौरा किया,

जिनमें से कई मैसूरु रेस कोर्स में डर्बी देखने के लिए मैसूरु में थे। बीटीसी अध्यक्ष एल. शिवशंकर, जो अभी-अभी मैसूरु पहुंचे थे, उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने के लिए वापस जाना पड़ा, जो बिना किसी पूर्व सूचना के आये थे। बीटीसी सूत्रों ने कहा कि बैठक सौहार्दपूर्ण रही और सिद्धरामैया ने क्लब अधिकारियों से जल्द से जल्द कुनिगल स्टड फार्म में जाने और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर याचिका वापस लेने का आग्रह किया। सूत्रों ने कहा हालांकि हमने मौजूदा स्थान पर क्लब के लिए 6.5 एकड़ जमीन बरकरार रखने के लिए कहा है, लेकिन सरकार ने इस बात के लिए कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है कि वह हमें कितनी जमीन दे सकती है। हमने स्पष्ट स्वामित्व वाली जमीन भी मांगी है और इसमें कोई कानूनी परेशानी नहीं है, जिस पर वह सहमत हो गए। उन्होंने हमें दो साल में बेंगलूरु परिसर खाली करने और कुनिगल चले जाने के लिए कहा। 80 एकड़ का टर्फ क्लब शहर के केंद्र में सबसे बड़े खुले स्थानों में से एक है, और एक सदी से भी अधिक पुराने बीटीसी पर मैसूरु महाराजाओं द्वारा दी गई जमीन को खाली करने के लिए दशकों से सरकारों का दबाव रहा है। कई मौकों पर, क्लब को सदस्यता बढ़ाने के लिए कथित तौर पर हाथ-पैर मारे गए हैं, जो मौजूदा परिस्थितियों में हासिल करना मुश्किल है। सूत्रों ने बताया कि हालांकि एक अच्छा रेस ट्रैक बनाने में करीब तीन से चार साल का समय लगेगा, लेकिन मुख्यमंत्री इस पर सहमत नहीं हुए। सूत्रों ने कहा हम मुकदमेबाजी-मुक्त भूमि सौंपने के समय से दो साल में नए स्थान पर जाने पर सहमत हुए हैं। हम सुप्रीम कोर्ट में याचिका वापस लेने पर भी सहमत हुए हैं। क्लब की असाधारण आम सभा की बैठक ने रेसिंग गतिविधियों को वर्तमान स्थान से बाहर ले जाने को मंजूरी दे दी है।

भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क खराब
महिलाओं ने पत्थर फेंककर किया विरोध प्रदर्शन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
महिलाओं ने सड़क पर पत्थर रखकर विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि लॉरी और टिपर गाड़ियों के ट्रैफिक से सड़क और मैनहोल खराब हो रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन शहर के केएसआरटीसी के पीछे भुवनेश्वरी नगर की 6वीं टर्न रोड पर हुआ। विरोध प्रदर्शन में शामिल पार्वतीम्मा, चैत्रा, लक्ष्मम्मा, सरस्वती, मंजुला, राम्या और सौभाग्यम्मा ने कहा कि गुंडन्ना लेआउट में नए बने घरों के लिए सामान ले जाने वाले भारी टिपर और लॉरियों की आवाजाही से सड़क खराब हो गई है। पत्थर, रेत और ईंटों से भरे टिपरों की अवैध आवाजाही से नालियां और मैनहोल टूट गए हैं। उन्होंने शिकायत की कि नगर परिषद से इसे ठीक करने के लिए कई बार रिक्वेस्ट करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

दूसरे इलाकों के लोग भी इस सड़क का इस्तेमाल करने से मना नहीं कर रहे हैं। हालांकि, हल्की गाड़ियों के लिए इस्तेमाल होने वाली सड़क पर बड़े ट्रक और टिपर चल रहे हैं। इससे सड़कें खराब हो रही हैं। उन्होंने शिकायत की कि नगर निगम खराब सड़कों की मरम्मत नहीं कर रहा है। इसी बीच रविवार को शहर में महिलाओं ने सड़क पर पत्थर फेंककर विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि लॉरी और टिपर गाड़ियों के ट्रैफिक से सड़क और उसके मैनहोल खराब हो रहे हैं। उन्होंने शहर के केएसआरटीसी के पीछे भुवनेश्वरी नगर में 6वीं टर्न रोड को पत्थर रखकर और लॉरी और टिपर गाड़ियों को रोककर ब्लॉक कर दिया।

कंटेनर लॉरी के खाई में गिरने से ड्राइवर समेत दो लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उरुगनदोड्डी के पास एक कंटेनर लॉरी के खाई में गिरने से ड्राइवर समेत दो लोगों की मौत हो गई और चार मजदूर घायल हो गए। मरने वालों में आंध्र प्रदेश के ड्राइवर श्रीनिवास (26) और झारखंड के लॉरी क्लीनर श्रीमान (25) शामिल हैं। बोम्मसंद्रा से हारोहल्ली जा रहा कंटेनर, ढलान वाली सड़क पर ड्राइवर के कंट्रोल खो देने के बाद खाई में गिर गया। श्रीनिवास और श्रीमान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार घायल मजदूरों को जिगानी के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। कंटेनर के नीचे फंसी लाशों को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। जिगानी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

धर्मस्थल मामला: एसआईटी को अक्टूबर के अंत तक जाँच रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है : गृह मंत्री परमेश्वर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि धर्मस्थल में कथित रहस्यमयी मौतों और दफ़नाने की जाँच कर रहे विशेष जाँच दल (एसआईटी) को जल्द से जल्द अंतिम रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

गृह मंत्री ने यहाँ संवाददाताओं से कहा, 'एसआईटी ने कहा है कि वह अक्टूबर में अंतिम रिपोर्ट सौंप देगी। वे 31 अक्टूबर से पहले रिपोर्ट सौंप सकते हैं या इसमें एक-दो दिन की देरी भी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि एसआईटी ने बताया है कि अंतिम रिपोर्ट में खुदाई के दौरान मिली हड्डियों का

फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा विश्लेषण और एक रासायनिक विश्लेषण रिपोर्ट शामिल होगी।

क्योंकि एकत्रित की गई हड्डियों का रासायनिक विश्लेषण किया जाना है और निष्कर्ष निकाला जाना है। यह सब पूरा करने के बाद वे रिपोर्ट सौंपेंगे।

उन्होंने आगे कहा, संभवतः इस महीने के अंत तक रिपोर्ट आने की उम्मीद है।

एक शिकायतकर्ता, जिसकी बाद में पहचान सी.एन. चिन्नैया के रूप में हुई और जिसे झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया, ने पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कई शवों को दफनाने का दावा किया, जिनमें यौन उत्पीड़न के निशान वाली महिलाओं के शव भी शामिल थे। इस दावे के पीछे स्थानीय मंदिर के प्रशासकों की संलिप्तता का आरोप लगाया गया।

राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी), जो आरोपों की जाँच कर रही है, ने धर्मस्थल में नेत्रवती नदी के किनारे वन क्षेत्रों में शिकायतकर्ता द्वारा चिन्हित कई स्थानों पर खुदाई की है, जहाँ दो स्थानों पर कुछ कंकाल मिले हैं।

हाल ही में, विशेष जांच दल ने नेत्रवती स्नान घाट के पास बंगलेगुड्डे वन क्षेत्र में एक तलाशी अभियान के दौरान फिर से कुछ कंकाल बरामद किए।

कर्नाटक सरकार राशन कार्डों के लिए पात्रता मानदंडों पर पुनर्विचार करेगी: मंत्री केएच मुनियप्पा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार राशन कार्डों के लिए पात्रता मानदंडों में संशोधन पर विचार कर रही है।

यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार बीपीएल कार्डों के लिए वार्षिक आय सीमा, जो वर्तमान में 1.2 लाख रुपये निर्धारित है, को संशोधित करने और इसे मुद्रास्फीति के अनुरूप समायोजित करने की योजना बना रही है, मुनियप्पा ने कहा, 'केंद्र राशन कार्ड वितरण के लिए दिशानिर्देश जारी करता है। पात्रता मानदंडों में संशोधन करना सरकार के विचाराधीन है। हम इस मामले में जो भी आवश्यक होगा, करेंगे।'

शिवमोग्गा में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, मुनियप्पा ने कहा कि मौजूदा 5 किलो चावल के अलावा, पीडीएस के तहत दालें, खाना पकाने का तेल, चीनी और नमक वितरित करने के लिए दो महीने के भीतर निविदा जारी की जाएगी। मंत्री ने कहा, 'मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने कहा, 'इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए, सरकार ने चावल के साथ दालें और खाना पकाने का तेल वितरित करने का निर्णय लिया है। राशन कार्ड धारकों के बीच किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि लगभग 90% ने दालें और खाद्य तेल को भी शामिल करने की माँग की है।'

उन्होंने कहा, 'एक भी बीपीएल या एपीएल कार्ड रद्द नहीं किया जाएगा, जबकि अपात्र बीपीएल कार्ड धारकों को एपीएल कार्ड जारी किए जाएँगे।' उन्होंने कहा कि अपात्र बीपीएल लाभार्थियों को हटाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए राशन कार्ड के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएँगे। उन्होंने यह भी कहा कि 'एक राष्ट्र एक राशन कार्ड' योजना के अंतर्गत आने वाले लाभार्थियों को राशन कार्ड देने से इनकार नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर नफरत भरे पोस्टों के खिलाफ निगरानी बढ़ा दी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सोशल मीडिया पर नफरत भरी या सांप्रदायिक सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ बार-बार चेतावनी और कड़ी कानूनी कार्रवाई के बावजूद, कुछ लोग ऐसी गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। पुलिस ने अब इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी तेज कर दी है।

अप्रैल और मई के दौरान जिले में एक हत्या की घटना के बाद, सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने वाली कई पोस्ट और कहानियां सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुईं। हालांकि पुलिस की त्वरित और सख्त कार्रवाई के बाद स्थिति में काफी सुधार हुआ, लेकिन हाल के दिनों में फर्जी अकाउंट के जरिए नए पोस्ट सामने आने लगे हैं। परिणामस्वरूप, नए मामले दर्ज किए गए हैं, जिससे पुलिस को एक बार फिर अपनी सतर्कता

बढ़ानी पड़ी है। हर थाने के पुलिस कर्मियों और अधिकारियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे नियमित रूप से अपने खाली समय के दौरान प्लेटफार्मों की जांच करते हैं, और जब भी कोई नफरत भरी पोस्ट का पता चलता है, तो स्वत: संज्ञान लेकर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। साइबर क्राइम पुलिस जांच कर रही है और इसमें शामिल अपराधियों की पहचान कर रही है।

सोशल मीडिया जानकारी साझा करने का एक शक्तिशाली मंच है, लेकिन नफरत या गलत सूचना फैलाने के लिए इसका दुरुपयोग एक दंडनीय अपराध है। पुलिस ने जनता से सोशल मीडिया का इस्तेमाल जिम्मेदारी से और सावधानी से करने का आग्रह किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि फर्जी आईडी के जरिए उत्तेजक वीडियो या सामग्री पोस्ट करने या साझा करने वालों का भी आसानी से पता लगाया जा सकता है।

मेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने कहा नफरत भरी सामग्री पोस्ट करने या साझा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज किए गए हैं। हर स्टेशन के पुलिसकर्मी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नियमित जांच कर रहे हैं। सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने, सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने, नफरत फैलाने या व्यक्तियों को बदनाम करने वाले किसी भी पोस्ट पर स्वत: संज्ञान लेकर मामले दर्ज किए जाएंगे।

बलात्कार के आरोप में पुलिस इंस्पेक्टर निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक पुलिस विभाग ने एक पुलिस इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है, जिस पर अल्पसंख्यक समुदाय की एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाया है। इस मामले में नामजद एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) को भी निलंबित कर दिया गया है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए निलंबन की पुष्टि की और बताया कि दोनों अधिकारियों के खिलाफ जाँच चल रही है। एक 36 वर्षीय महिला ने पिछले बुधवार को डी.जे. हल्ली पुलिस इंस्पेक्टर एच.बी. सुनील के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई थी और कर्नाटक के डीजीपी और आईजीपी एम.ए. सलीम से कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। अल्पसंख्यक

समुदाय की महिला ने आरोप लगाया है कि इंस्पेक्टर सुनील ने उससे शादी का वादा करके यह अपराध किया।

शिकायतकर्ता ने यह भी कहा है कि आरोपी उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है और निजी वीडियो लीक करके ब्लैकमेल कर रहा है। मीडिया से बात करते हुए, पीड़िता ने कहा, 'मैं डेढ़ साल पहले बेंगलुरु के डी.जे. हल्ली पुलिस स्टेशन गई थी। इंस्पेक्टर सुनील ने मेरी शिकायत सुनी और मुझे आश्वासन दिया कि मुझे जल्द ही मेरे पैसे वापस मिल जाएँगे। उन्होंने सहायक उप-निरीक्षक प्रकाश को भी मामले की जानकारी दी। अधिकारी प्रकाश के साथ मेरी बनती नहीं थी, इसलिए मैंने इंस्पेक्टर से किसी और अधिकारी को नियुक्त करने का अनुरोध किया। आरोपी मान गया और बाद में हम करीब आ गए।'

हमने संदेशों और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान शुरू कर दिया, और उसने मेरी पृष्ठभूमि के बारे में पूछा। मैंने उसे बताया कि कई साल पहले मैं किसी से प्यार करती थी, और उस ब्रेकअप के बाद, मैंने शादी के बारे में नहीं सोचा था,' उसने कहा।

पीड़िता ने आगे बताया, 'उसने मुझसे रजिस्टर्ड मैरिज के ज़रिए शादी करने का वादा किया और मुझे थाने के इलाके में हमारे लिए एक घर ढूँढ़ने को भी कहा। हमारी जान-पहचान के एक महीने बाद, उसने मुझे बताया कि उसकी पत्नी घर पर नहीं है और मुझे अपने घर बुलाया। उसने मुझे लोकेशन भेजी, और जब मैं वहाँ गई, तो उसने शराब और एक छोटी सी पार्टी का इंतज़ाम किया था। उसने मुझे किसी और पार्टनर की तलाश न करने को कहा और कहा कि हम साथ रहेंगे और मुझे धोखा दिया।

अपनी शिकायत में, पीड़िता ने कहा, 'हमारी पहली मुलाक़ात के दौरान, उसने मेरा पर्सनल नंबर ले लिया। अगले दिन, उसने मेरे फ़ोन का स्टेटस देखा और मुझे एक अच्छा मैसेज भेजा। मैंने थैंक यू' लिखकर जवाब दिया। उसके बाद, वह मुझे लगातार मैसेज करता रहा। हालाँकि मैं हिचकिचा रही थी, फिर भी मैंने उसके मैसेज का जवाब दिया। वह मुझे शराब पीने और पार्टी करने के लिए बुलाने लगा। उसने मुझे फिर से अपने घर की लोकेशन भेजी, यह कहते हुए कि उसकी पत्नी 10 दिनों के लिए बाहर गई है। मैं एक टैक्सी लेकर उसके घर चली गई।

धूमधाम से दिवाली स्नेह मिलन मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक मारवाड़ी समाज द्वारा होटल द ग्रांड कृष्णा में शनिवार को दिवाली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के अध्यक्ष प्रवीण तुलस्यान एवं पूर्व अध्यक्षों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया।

तत्पश्चात अध्यक्ष प्रवीण तुलस्यान ने सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी। महिला विंग की अध्यक्ष सुषमा चांडगोटिया एवं उपाध्यक्ष वंदना तुलस्यान ने कार्यक्रम का संचालन किया। नए सदस्यों का स्वागत किया गया तथा समाज के

प्रतिभावान बच्चों को उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया। मुख्य आकर्षण रिदम एन नंबर्स द्वारा प्रस्तुत ड्रम जैमर्स का विशेष प्रदर्शन रहा, जिन्होंने ड्रम बीट्स के साथ अनोखे अंदाज में तंबोला गेम्स का भरपूर आनन्द लिया। पूर्व अध्यक्ष बिमल सरावगी और आनंद अग्रवाल ने भी अपने विचारों से सभी को प्रेरित किया। इस मौके पर राकेश जिंदल, पिंटू अग्रवाल, विकास खोरिया, रिंकेश बैरोलिया, आनंद पोद्दार, तरुण चांडगोटिया, विकास बलोदिया, मनोज पोद्दार, अभिमन्यु छापोलिया, प्रभात यादुका सहित बड़ी संख्या में गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सचिव मोहित तुलस्यान ने सभी का धन्यवाद किया।

विकसित भारत के निर्माण में भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल की बड़ी भूमिका: मुर्मू

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निवेश और विकास के लिए प्रभावशाली पुलिस व्यवस्था के महत्व पर बल देते हुए उम्मीद जताई है कि युवा अधिकारियों के नेतृत्व में भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल 'विकसित भारत' के निर्माण में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोमवार को यहां बताया कि भारतीय पुलिस सेवा के 77 आरआर (2024 बैच) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मु से मुलाकात की।

श्रीमती मुर्मू ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था है। अपनी आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने और उसमें तेज़ी लाने के लिए सार्वजनिक और निजी निवेश की इस गति को बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि किसी भी राज्य या क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कानून-व्यवस्था आवश्यक पूर्व-शर्त है। उन्होंने कहा, निवेश और विकास को बढ़ावा देने में प्रभावी पुलिसिंग आर्थिक प्रोत्साहन जितनी ही महत्वपूर्ण है। युवा अधिकारियों के नेतृत्व में एक भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल 'विकसित भारत' के निर्माण में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि युवा अधिकारी शक्ति और अधिकार वाले पदों पर आसीन होते हैं। उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि अधिकार के साथ जवाबदेही भी आती है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों और आचरण की हमेशा सार्वजनिक जांच होगी। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि वे, जो नैतिक है उसे चुनें, न कि जो सुविधाजनक है उसे। आपात स्थितियों से निपटने के दौरान भी न्यायसंगत और निष्पक्ष प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि हालांकि अधिकारियों को कानूनों और प्रणालियों के माध्यम से बहुत सारी शक्तियां प्राप्त होती हैं, लेकिन वास्तविक अधिकार उनकी व्यक्तिगत और व्यावसायिक ईमानदारी से आएगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नैतिक अधिकार उन्हें सभी का सम्मान और विश्वास दिलाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस अधिकारी लगभग हर समय अपराध और अपराधियों से निपटता है। इससे उन पर संवेदनहीनता का प्रभाव पड़ सकता है और उनकी मानवीयता कुंद हो सकती है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि प्रभावशाली अधिकारी बनने की प्रक्रिया में उन्हें अपने भीतर करुणा के मूल को अक्षुण्ण रखने का विशेष प्रयास करना चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि प्रौद्योगिकी ने पुलिसिंग के क्षेत्र को काफ़ी हद तक बदल दिया है। लगभग दस साल पहले 'डिजिटल गिरफ़्तारी' अभिव्यक्ति को समझना असंभव होता। अभी यह नागरिकों के लिए सबसे भयानक ख़तरों में से एक है। भारत में सबसे बड़ा और सबसे तेज़ी से बढ़ता एआई उपयोगकर्ता आधार है। इसका असर पुलिसिंग पर भी पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि आईपीएस अधिकारियों को एआई सहित नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने में उन लोगों की तुलना में कई कदम आगे रहना चाहिए जो इन प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल ग़लत इरादे से करेंगे।

केंद्र सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए 6 आधुनिक बीज प्रोसेसिंग प्लांट लॉन्च किए

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार पूसा परिसर, नई दिल्ली में राष्ट्रीय बीज निगम (एनएससी) के नए अत्याधुनिक सब्जी एवं फूल बीज प्रोसेसिंग प्लांट और पैकिंग यूनिट का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने बरेली, धारवाड़, हसन, सूरतगढ़ और रायचूर स्थित एनएससी के पांच बीज प्रोसेसिंग प्लांट्स का वर्चुअल उद्घाटन भी किया।

पूसा, नई दिल्ली स्थित बीज भवन में स्थापित सब्जी बीज प्रोसेसिंग प्लांट की क्षमता 1 टन प्रति घंटा है, जबकि एनएससी के अन्य पांचों प्लांट्स की क्षमता 4 टन प्रति घंटा रखी गई है। ये प्लांट अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित हैं, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और बीज उत्पादन की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने किसानों के लिए 'बीज प्रबंधन 2.0' प्रणाली और ऑनलाइन बीज बुकिंग प्लेटफॉर्म का भी शुभारंभ किया। इस प्रणाली के माध्यम से किसान अब अपनी बीज आवश्यकताओं की बुकिंग ऑनलाइन कर सकेंगे, जिससे पारदर्शिता और उपलब्धता दोनों में सुधार होगा। छोटे किसानों तक अच्छी क्वालिटी के बीज पहुंचना जरूरी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन प्लांट्स से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। ये नए प्लांट किसानों की जरूरतें पूरी करेंगे, जो कि बहुत महत्वपूर्ण है। पिछले दिनों चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान सबसे ज्यादा शिकायतें नकली और घटिया बीज के संबंध में आई थी, ऐसे में गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध होना आवश्यक है, जिसमें एनएससी की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार अपने स्तर पर इस मामले में कड़ी कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने राष्ट्रीय बीज निगम की टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल आत्मनिर्भर कृषि प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निगम का काम केवल आजीविका चलाना नहीं, बल्कि देश के अन्न के भंडार भरना है।

शिवराज सिंह ने कहा कि निगम को किसानों की सुविधा के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में भी काम करते हुए इनोवेशन करना चाहिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों तक लाभ पहुंच सके और निजी कंपनियों की मनमानी पर भी अंकुश लगाया जा सके। निजी कंपनियां अपनी जगह हैं, लेकिन सार्वजनिक निगमों का अपना अलग महत्व है। राज्यों के बीज विकास निगमों का काम भी और सुधारना जरूरी है। सभी बातों के मद्देनजर एनएससी रोडमैप बनाकर काम करें।

द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे भारत और संयुक्त अरब अमीरात

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की दो दिन की यात्रा पर आए संयुक्त अरब अमीरात की सेना के कमांडर मेजर जनरल यूसुफ़ मायूफ़ सईद अल हल्लामी ने सोमवार को यहां सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी से मुलाकात की। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि इस उच्च-स्तरीय यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ाना और विशेष रूप से प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्धन के क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशना है। यह यात्रा दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक रक्षा साझेदारी को और मज़बूत तथा गहन बनाने के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है। यहां पहुंचने पर मेजर जनरल अल हल्लामी का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें महानिदेशक सूचना प्रणाली और सेना डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा भारत की रक्षा क्षमताओं और भारतीय सेना के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रोडमैप के बारे में भी जानकारी दी गई।

मेजर जनरल अल हल्लामी मंगलवार को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। बाद में वह डीआरडीओ का दौरा करेंगे जहां उन्हें विभिन्न स्वदेशी हथियारों और उपकरण तथा प्लेटफार्मों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी। वह रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत से भी बातचीत करेंगे। कमांडर आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भारतीय रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे।

मेजर जनरल अल हल्लामी की यह यात्रा संयुक्त अरब अमीरात और भारत के बीच रक्षा सहयोग में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह पहले से ही मज़बूत रक्षा संबंधों को और मज़बूत करेगी जिससे सैन्य जुड़ाव और क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग में एक मज़बूत, भविष्य-तैयार साझेदारी का मार्ग प्रशस्त होगा।

सात नए इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोजेक्ट्स को सरकार की मंजूरी

पांच हजार से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने 7 नए प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दिखाई। 5,532 करोड़ निवेश से 5,000 से अधिक रोजगार के अवसर बनेंगे। जानिए इस योजना से देश को कैसे मिलेगा फायदा।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के तहत सात नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि सरकार को इस योजना के तहत कुल 249 प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से प्रारंभिक चरण में 7 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है। इन प्रोजेक्ट्स में प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) यानि मदरबोर्ड बेस, कैमरा मॉड्यूल, कॉपर लैमिनेट और पॉलिप्रोपाइलीन फिल्म्स (जो कैपेसिटर और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग होती हैं) के निर्माण से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सचिव एस कृष्णन ने बताया कि इन सात प्रोजेक्ट्स में कुल 5,532 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इससे लगभग 5,195 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब तक 1.15 लाख करोड़ मूल्य के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं, जो देश में बढ़ती इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षमताओं का संकेत है। सरकार की यह पहल मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों को और बल देगी। इस योजना के तहत देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स का घरेलू उत्पादन बढ़ाने, आयात पर निर्भरता घटाने, और भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया जा रहा है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन हब बनता जा रहा है। मोबाइल फोन से लेकर सेमीकंडक्टर और अब कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग तक, भारत का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाई जाए। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के पहले चरण की आवेदन प्रक्रिया 30 सितंबर को समाप्त हो चुकी है, जबकि कैपिटल इक्विपमेंट्स के लिए आवेदन की विंडो अभी खुली हुई है। सरकार का कहना है कि इस स्कीम के दूसरे चरण में और कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिलने की संभावना है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में देश की भागीदारी और भी मजबूत होगी।

बीते दस वर्षों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन करीब चार गुना बढ़ चुका है। यह 2014 के 2.4 लाख करोड़ से बढ़कर 2024 में 9.8 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग अकेले 4.4 लाख करोड़ के स्तर तक पहुंच चुकी है, जिसमें 1.5 लाख करोड़ का निर्यात शामिल है। सरकार का कहना है कि आने वाले वर्षों में भारत न सिर्फ मोबाइल, बल्कि चिप्स, कंपोनेंट्स और हाई-टेक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उत्पादन में भी दुनिया का एक प्रमुख केंद्र बनेगा।

बदायूं में गंगा एक्सप्रेस-वे पर बनेगा औद्योगिक गलियारा

लगेंगी 200 फैक्टरियां रोजगार की खुलेगी राह

बदायूं, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बदायूं जिले में गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे बिनावर और दातागंज क्षेत्र में जमीन अधिगृहीत की गई है। यहां औद्योगिक गलियारा बनाया जा रहा है। विभागीय अफसरों के मुताबिक अब तक 40 कंपनियों ने फैक्टरी लगाने के लिए आवेदन किया है। बदायूं जिले में गंगा एक्सप्रेस-वे के पास में दातागंज व बिनावर इलाके में औद्योगिक गलियारा बनाया जा रहा है। हालांकि निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। इसके लिए बिनावर में 16 सौ बीघा और दातागंज में एक हजार बीघा जमीन अधिगृहीत कर ली गई है। बताया जा रहा है कि यहां 200 से अधिक कंपनियां स्थापित की जाएंगी। इसके लिए 40 आवेदन आ चुके हैं। इससे जहां जिले का कारोबार बढ़ेगा, वहीं करीब 50 हजार लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। बिनावर के घटपुरी में गंगा एक्सप्रेस-वे का जंक्शन बनने से भी काफी लाभ मिलेगा।

औद्योगिक गलियारा गांव बिनावर व दातागंज में बनाया जा रहा है। दोनों स्थानों पर भूमि अधिग्रहण का काम करीब-करीब पूरा हो चुका है। बिनावर के घटपुरी के पास व दातागंज में पापड़ गांव में भूमि क्रय कर ली गई है। अब तक बिनावर में 16 सौ बीघा और दातागंज में एक हजार बीघा जमीन अधिगृहीत की गई है।

जिले में हस्तशिल्प और मेंथा का बड़ा कारोबार होता है। औद्योगिक गलियारा बनने से देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने प्लांट यहां लगाएंगी। बिनावर के घटपुरी में गंगा एक्सप्रेस-वे का जंक्शन बन रहा है। इसका भी लाभ मिलेगा। इससे क्षेत्र की तरक्की होने के साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। बता दें कि यूपीडा की ऑनलाइन वेबसाइट पर विज्ञापन निकलने के बाद अब तक 40 कंपनियों ने यहां उद्योग स्थापित करने के लिए आवेदन किया है। इस तरह से 200 कंपनियों को स्थापित किया जाना है। इसके लिए यूपीडा काम कर रहा है।

40 गांवों के लोगों को फायदा मिलेगा। क्षेत्र की 50 हजार की आबादी को इसका सीधा लाभ मिलेगा। बिनावर क्षेत्र के घटपुरी के पास बन रहे औद्योगिक गलियारे से क्षेत्र के 40 गांवों में रहने वाली 50 हजार की आबादी को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

यहां लोग चाय की दुकान, भोजनालय समेत अन्य कारोबार कर सकेंगे। औद्योगिक गलियारा बनाए जाने से पहले क्षेत्र की जमीन दो लाख रुपए बीघा तक में मिल जाती थी। गलियारे की मंजूरी के बाद यहां जमीन की कीमत आठ लाख रुपए प्रति बीघा तक पहुंच गई है। यहां जिन लोगों की जमीन अधिग्रहण से बच गई है उन लोगों की चांदी हो गई है। वह खुद ही अपना कारोबार स्थापित कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग जमीन को महंगे दामों में बेच रहे हैं।

उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि जिले में बन रहे औद्योगिक गलियारे में जिलेभर के उद्यमियों को प्राथमिकता मिलेगी। हालांकि प्राथमिकता में जिले के उद्यमी रहेंगे। पहले प्रयास रहेगा कि जिले के उद्यमियों के उद्योग ही स्थापित कराए जाएं। इसके बाद दूसरे जिलों के उद्यमियों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिले में पहला उद्योग क्षेत्र बिनावर में बनने जा रहा है। दूसरा औद्योगिक गलियारा दातागंज में बनने जा रहा है। इससे जिले का विकास तेजी से होगा।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में 70 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

भारी मात्रा में असलहों का जखीरा जमा किया गया

कांकेर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में 21 माओवादी कैडर के 70 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें 4 डिवीजन वाइस कमेटी मेंबर (डीवीसीएम), 9 एरिया कमेटी मेंबर (एसीएम) और 8 सदस्य शामिल हैं। इसके अलावा 50 नक्सलियों ने बीएसएफ कैंप में सरेंडर किया है।

इन 21 माओवादी कैडर ने 18 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया, इनमें 13 महिला कैडर और 8 पुरुष कैडर हैं। नक्सलियों ने 3 एके-47 राइफलें, 2 एसएलआर राइफलें, 6 संख्या .303 राइफलें, 2 सिंगल शॉट राइफलें और 1 बीजीएल हथियार भी जमा किए हैं। उधर, कांकेर के कामतेड़ के बीएसएफ कैंप में भी करीब 50 नक्सलियों ने सरेंडर किया, जिनमें बटालियन कमांडर स्तर के नक्सली भी शामिल बहैं। अधिकारियों ने बताया कि इन नक्सलियों को पुनर्वास दिलाने के लिए जगदलपुर ले जाया जाएगा। केंद्र सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास का वादा किया है।

नौसेना को अगले महीने मिलेगा स्वदेशी सर्वेक्षण पोत इक्षक

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में ही निर्मित सर्वेक्षण पोत इक्षक को अगले महीने कोच्चि नौसैनिक बेस में नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा। नौसेना के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि इस पोत को 6 नवम्बर को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में नौसेना में शामिल किया जायेगा।

इक्षक नौसेना में शामिल किये जाने वाला अपनी श्रेणी का तीसरा पोत है और यह उन्नत, अत्याधुनिक प्लेटफार्मों के निर्माण के प्रति नौसेना की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

साथ ही इससे क्षमता संवर्धन और आत्मनिर्भरता की गति को आगे बढ़ाते हुए स्वदेशी जल सर्वेक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्टता में एक नया मार्ग प्रशस्त हुआ है।

कांग्रेस का बड़ा आरोप, 12 राज्यों में चुनाव आयोग, मोदी सरकार मिलकर कर रहे वोट चोरी का खेल

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने सोमवार को चुनाव आयोग पर मोदी सरकार के साथ मिलकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 12 राज्यों में वोट चोरी का खेल चलाने का आरोप लगाया। पार्टी ने आरोप लगाया कि बिहार में हुए पुनरीक्षण अभियान, जिसके तहत 69 लाख नाम हटाए जाने का दावा किया गया था, के बाद अब मतदाताओं के साथ छेड़छाड़ का यही खेल पूरे देश में चलाया जा रहा है। कांग्रेस ने एक्स पर एक तीखी पोस्ट में कहा चुनाव आयोग अब 12 राज्यों में वोट चोरी का खेल खेलने जा रहा है। एसआईआर के तहत बिहार में 69 लाख वोट काटे गए और अब 12 राज्यों में करोड़ों वोट काटे जाएंगे। यह खुलेआम वोट चोरी है, जिसे नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग मिलकर अंजाम दे रहे हैं।

यह टिप्पणी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु और केरल सहित - में एसआईआर के अगले चरण के

शुभारंभ की घोषणा के तुरंत बाद आई, जबकि उन्होंने कहा कि बिहार चरण शून्य अपील के साथ समाप्त हो गया था। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि पार्टी को चुनाव आयोग के इस कदम पर तीन मुख्य आपत्तियां हैं। उन्होंने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया के कुछ पहलुओं को चुनौती देने वाली याचिकाओं का हवाला देते हुए पूछा, जब मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, तो चुनाव आयोग देशव्यापी एसआईआर लागू करने के लिए इतना उत्सुक क्यों है? उन्होंने कथित अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर पारदर्शिता के अभाव पर भी सवाल उठाया। तिवारी ने कहा कि चुनाव आयोग ने अवैध प्रवासियों के बारे में कोई जानकारी क्यों नहीं साझा की, जबकि बिहार में भाजपा ने इस विषय का राजनीतिक इस्तेमाल किया था? चुनिंदा क्रियान्वयन का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि असम के लिए SIR क्यों नहीं? यह सत्तारूढ़ सरकार पर एक तमाचा है और मोदी-शाह की पूरी तरह से विफलता है, क्योंकि उनके बार-बार दावों के बावजूद किसी भी अवैध प्रवासी का पता नहीं चला है।

छठ महापर्व पर गोमती तट पहुंचे सीएम योगी

भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर की प्रार्थना

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

छठ महापर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार शाम को गोमती के तट पर पहुंचे और भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में छठ महापर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार शाम को व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर पूजन किया।

लखनऊ में छठ पर्व के लिए खास तैयारियां की गई हैं। लक्ष्मण मेला मैदान में गोमती नदी के तट को सजाया गया है। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और महापौर सुषमा खर्कवाल लक्ष्मण मेला मैदान पहुंचे और भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर उन्हें प्रणाम किया।

इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी। वहीं, गोमती तट पर सीएम को देखकर वहां मौजूद लोगों ने भी जय श्रीराम के नारे लगाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा न केवल आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम है, बल्कि सामाजिक एकता, प्राचीन भारतीय विरासत और प्रकृति से संवाद का प्रतीक भी है।

गोमती तट के किनारे लक्ष्मण मेला मैदान में छठ घाट पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने छठ गीतों का आनंद लिया और भोजपुरिया सनेश स्मारिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने भोजपुरी में संबोधन देकर श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ का कोई ड्रेनेज या सीवर गोमती में नहीं गिरेगा, पीलीभीत से गाजीपुर तक गोमती निर्मल व अविरल होगी।

सीएम योगी ने कहा कि छठ महापर्व विश्वभर में बसे भोजपुरी समाज को आत्मशुद्धि और लोक कल्याण के मार्ग से जोड़ता है। उन्होंने भोजपुरी में शुभकामनाएं देते हुए कहा, छठ मईया के कृपा सबके ऊपर बनल रहे सभन लोगन के परिवार में शुख समृद्धि और खुशहाली रहे एकरे खातिन हम छठी माई से आशीर्वाद माँगत आनी जितना लोग व्रत बाटें उहें खातिर हम छठी माई से आशीर्वाद मांगत बानी की सबके भगवती उनके सपने के पूरा करें।

सीएम योगी ने कहा कि यह पर्व भारत की प्राचीन विरासत को दर्शाता है और प्रकृति से संवाद सिखाता है। चार दिनों की कठिन साधना में बहनों की तपस्या को विशेष रूप से सराहते हुए उन्होंने कहा कि यह परिवार की सुख-समृद्धि के साथ लोकमंगल की कामना से जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पौराणिक काल से चली आ रही यह परंपरा अब पूरे भारत में फैल चुकी है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिमी इलाकों तक लाखों श्रद्धालु जुड़ रहे हैं। उन्होंने गाजियाबाद और नोएडा का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां 50 हजार से एक लाख तक भक्त छठ मना रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कोई मंदिर, सरोवर या तालाब ऐसा नहीं जहां श्रद्धालु न जुड़े हों। यह एकता न केवल सांस्कृतिक है, बल्कि राष्ट्रीय एकजुटता का भी संदेश देती है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें एक-दूसरे के साथ जोड़ता है और सामाजिक बंधन मजबूत करता है।

सीएम योगी ने कहा कि कोई देश तब तक विकसित नहीं हो सकता, जब तक उसके नागरिक राष्ट्रीय कर्तव्य से नहीं जुड़ते। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान को छठ से जोड़ते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से चल रहा यह अभियान पर्यावरण संरक्षण का आधार है। सीएम योगी ने सिंगल-यूज प्लास्टिक, पॉलीथिन और कूड़े के अंधाधुंध उपयोग पर रोक लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गंदगी के कारकों को हटाएं, उसे नदी-नालों में न फेंकें। अगर हर व्यक्ति इसका पालन करे, तो आधे से अधिक समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है। नागरिकों के राष्ट्रीय कर्तव्य से जुड़े बिना राष्ट्र विकसित नहीं हो सकता। विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में यह प्रयास मदद करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले दो वर्षों में गोमती में जल स्तर कम होने और बदबू की शिकायतें आईं, लेकिन इस बार प्रशासन, सिंचाई विभाग, नगर निगम और स्वयंसेवी संगठनों की मेहनत से सुधार हुआ। उन्होंने बताया कि एक महीने पहले बैठकें हुईं और अखिल भारतीय भोजपुरी समाज ने स्वच्छता अभियान चलाया।

परिणामस्वरूप, गोमती का जल शुद्ध और पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि जल का अर्घ्य अगर शुद्ध न हो, तो भगवान कैसे स्वीकार करेंगे? पूजा स्थल की तरह नदी भी साफ-सुथरी होनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि एक से डेढ़ वर्ष में लखनऊ का कोई ड्रेनेज या सीवर गोमती में नहीं गिरेगा। पीलीभीत से गाजीपुर तक गोमती अविरल और निर्मल बनेगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि कल प्रातः आयोजन समाप्त होने के बाद स्वच्छता अभियान चलाएं। यह राष्ट्रीय कर्तव्य है, हर लखनऊवासी और प्रदेशवासी की जिम्मेदारी।

श्रीराम जन्मभूमि में सप्त मंडप समेत सभी मंदिरों का निर्माण पूरा

अयोध्या, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य मंदिर समेत परकोटे के छह मंदिरों शिव, गणेश, हनुमान, सूर्य, मां भगवती, मां अन्नपूर्णा और शेषावतार मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है। साथ ही इन सभी पर ध्वजदंड और कलश भी स्थापित कर दिया गया है। यह जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय ने दी।

इसके अलावा सप्त मंडप (महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य, निषाद राज, शबरी, ऋषि पत्नी अहिल्या) का निर्माण भी पूरा हो गया है। संत तुलसीदास का मंदिर भी पूरा हो गया है। गिद्ध राज जटायु और गिलहरी भी स्थापित हो गई है। इसके साथ ही दर्शनार्थियों की सुविधा और व्यवस्था से सीधे जुड़े सभी कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

इस बारे में सोमवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़कें और फ्लोरिंग पर पत्थर लगाने, भूमि सौंदर्य, हरियाली और 10 एकड़ में पंचवटी का कार्य तीव्रता से चल रहा है। इसके अलावा साढ़े तीन किलोमीटर घेराव की चारदीवारी (बाउंड्रीवॉल), ट्रस्ट कार्यालय, अतिथि गृह और सभागार का निर्माण भी चल रहा है।

अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराएंगे। इस धार्मिक आयोजन के लिए 6000-8000 आमंत्रितों की सूची तैयार की गई है। श्रीराम परिवार मंदिर की पहली मंजिल पर विराजमान है। जिस दिन प्रधानमंत्री श्रीराम मंदिर के ऊपर ध्वज फहराएंगे, उसी दिन श्रीराम परिवार की आरती की जाएगी। न्यास इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

राम मंदिर पर हमले की साजिश कर रहा था अदनान

कई धार्मिक स्थल थे निशाने पर, एटीएस का खुलासा

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किया गया आईएस का संदिग्ध आतंकी अदनान राम मंदिर समेत प्रदेश के कई हिंदू धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की फिराक में था।

इसी वजह से दिल्ली भेजी गई एटीएस के अधिकारियों की टीम बीते करीब 48 घंटे से उसके मंसूबों का पता लगाने में जुटी है। बता दें कि अदनान को एटीएस ने हाईकोर्ट के जज को धमकी देने के आरोप में पिछले साल गिरफ्तार था, हालांकि वह करीब 5 महीने के बाद जेल से छूट गया था।

भोपाल निवासी अदनान ने बीते वर्ष जून माह में वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराने वाले हाईकोर्ट के जज रवि कुमार दिवाकर को धमकी दी थी। उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जज की फोटो पोस्ट करने के साथ लाल रंग से काफिर लिखा था। साथ ही, उसने अंग्रेसी में लिखा था कि काफिर का खून हलाल है, उन लोगों के लिए जो दीन (गरीब) के लिए लड़ रहे हैं। जज को धमकी देने के मामले के बाद हरकत में आई एटीएस ने भोपाल से दबोच लिया था, लेकिन वह करीब 5 माह बाद जमानत पर छूट गया और भोपाल जाकर जेहादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रचने लगा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की नजर पड़ने पर उस गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी सूचना मिलते ही एटीएस की टीम को तत्काल शनिवार को दिल्ली भेजा गया, जो लगातार अदनान से पूछताछ कर रही है।

एटीएस के अधिकारी लगातार उससे यूपी के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने के मंसूबों के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। अब तक जांच में सामने आया है कि वह मुस्लिमों और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने को लेकर खासा नाराज है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह कितनी बार यूपी आया था और किन शहरों में गया था। दरअसल, सीरिया में बैठे खलीफा द्वारा उसे भेजे गए कई वीडियो में राम मंदिर समेत यूपी के कई धार्मिक स्थलों के जिक्र ने जांच एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

बता दें कि आगामी 21 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में राम मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में हिस्सा लेने आ रहे हैं। इस वजह से एटीएस खास सतर्कता बरतते हुए उसके मंसूबों का पता लगाने में जुटी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की घोषणा

मुस्तफाबाद का नाम होगा कबीर धाम

जात-पात के कारण देश हुआ गुलाम एकजुट रहें

लखीमपुर खीरी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सीमावर्ती इलाके लखीमपुर खीरी जनपद के मुस्तफाबाद का नाम बदलने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इसे अब फिर से कबीर धाम किया जा रहा है। इसके लिए प्रक्रिया अभी से शुरू कर दी जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि इस गांव में एक भी मुस्लिम नहीं है, फिर भी इसका नाम मुस्तफाबाद है। पहले यह कबीर धाम कहलाता था।

सीएम योगी ने कहा कि जिस तरह से अयोध्या को फैजाबाद किया गया, प्रयागराज को इलाहाबाद किया गया था। उसी तरह कबीर धाम को मुस्तफाबाद कर दिया गया था। लेकिन उनकी सरकार ने गौरवशाली परंपरा की स्थापना करते हुए एक बार फिर फैजाबाद को अयोध्या, इलाहाबाद को प्रयागराज और अब मुस्तफाबाद को कबीर धाम कर रहे हैं। दरअसल पहचान को मिटाने के लिए ये नाम बदले गए। ताकि पहचान के समाप्त होते ही आपका अस्तित्व संकट में आ जाए। ये साजिश के तहत किया गया था। खासकर सीमावर्ती क्षेत्र में पहचान मिटाने की कोशिश की गई। मुस्तफाबाद लखीमपुर खीरी जिले में आता है और सीमा से सटा हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित कबीरधाम पर आयोजित स्मृति प्राकट्योत्सव मेले में कबीरदास के जीवन पर प्रकाश डाला और जात-पात पर प्रहार करते हुए समाज को एकजुटता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कबीरदास ने जातीयता पर प्रहार किया। जाति की विसंगितयों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा था कि जात-पात पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होइ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा था। जाति के नाम पर समाज का विभाजन हुआ था। इस विभाजन से उबारने के लिए उस समय गुरु रामानंद, कबीरदास, रविदास समेत अनेक संतों ने समाज को नई दिशा दी। उनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासांगिक है, जितना उस समय थी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज भी समाज की आस्था पर प्रहार हो रहे हैं। जातीय आधार पर समाज को विभाजित करने की साजिश हो रही है। कुछ न कुछ ऐसी टिप्पणी होती हैं, जो भारत और भारतीयता को अपमानित करती हैं। उन्होंने कहा कि हम सबको अपनी कमी को दूर करना चाहिए। बीमारी है तो समय रहते उसका उपचार जरूरी है। बीमारी कैंसर बने और असाध्य हो जाए। उसे पहले ही उसे रोकना चाहिए। समाज में जो विसंगतियां और बुराइयां हैं। उनको संतों के माध्यम से दूर करना है। उस मार्ग पर अनुसरण करना है, जिससे हम सन्मार्ग पर चलकर लोक और राष्ट्र कल्याण के लिए समर्पित हो सकें।

उन्होंने कहा कि आज नया भारत है, जो अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करता है। आज से 10 साल पहले क्या कोई कल्पना करता था कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बन पाएगा। उस वक्त जब रामभक्त आवाज उठाते थे, तब लोग बोलते थे कि यह सपना ही रहेगा। उन्होंने कहा कि जब एकजुटता होती है तो असंभव भी संभव हो जाता है। जो अयोध्या वीरान थी। आज वहां रौनक आ गई है। अयोध्या में बीते वर्ष छह करोड़ श्रद्धालु दर्शन करने आए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले देश वैश्विक पहचान खो चुका था। 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने और देश को अपनी पहचान मिली। उन्होंने कहा कि देश अब तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अमेरिका, चीन और भारत ही इस सूची में रहेंगे। बाकी देश नहीं है। भारत आज दुनिया में अपनी ताकत का एहसास करा रहा है। मुख्यमंत्री ने सरकार की योजनाओं को गिनाया। कहा कि आयुष्मान योजना का लाभ देश के 50 करोड़ लोग उठा रहे हैं। रसोई गैस, शौचालय, सरकारी राशन आदि सरकारी योजनाओं को लोगों को लाभ मिल रहा है।

सेमीकंडक्टर चिप बनाएंगे बदायूं के इंजीनियर

केंद्र सरकार ने जारी किया लाइसेंस

बदायूं, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बदायूं जिले के युवा इंजीनियर तुषार गुप्ता ने तकनीक के क्षेत्र में बड़ा मुकाम हासिल किया है। केंद्र सरकार ने तुषार को सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के लिए लाइसेंस जारी किया है। उत्तर प्रदेश में इस प्रकार का यह दूसरा लाइसेंस है। सरकार ने तुषार की कंपनी फोटोन सिलिका को नोएडा के फूड पार्क में कार्यालय और जेवर एयरपोर्ट के पास फैक्टरी स्थापित करने के लिए मुफ्त जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इस परियोजना से तीन हजार से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है।

तुषार गुप्ता शहर के इंदिरा चौक निवासी टायर व्यापारी राजीव गुप्ता के बेटे हैं। उन्होंने बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद इस क्षेत्र में रिसर्च किया, जिसके बाद अब उनको यह मुकाम मिलने जा रहा है। उनकी कंपनी में तैयार होने वाली सेमीकंडक्टर चिप का उपयोग रक्षा मंत्रालय द्वारा मिसाइलों में किया जाएगा। इसके अलावा ये चिप ऑटोमोटिव, टेलीकॉम, एयरोस्पेस, औद्योगिक स्वचालन, ऊर्जा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा सेंटर और एआई जैसे क्षेत्रों में भी इस्तेमाल होंगी।

24 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में तुषार गुप्ता ने केंद्रीय राज्यमंत्री (वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी) जितिन प्रसाद से भेंट की। उन्होंने भारत की सेमीकंडक्टर पहल के लिए मंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया और आरएंडडी, प्रोटोटाइपिंग से लेकर स्केल-अप तक की अपनी कार्ययोजना साझा की। जितिन प्रसाद ने तुषार को इस महत्वाकांक्षी मिशन के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भारत अब डिजिटल डायमंड्स के युग में प्रवेश कर चुका है, जहां विश्वस्तरीय चिप्स निर्माण भारत की नई आर्थिक शक्ति बनेंगे।

तुषार का कहना है कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन ने देश की तकनीकी दिशा बदल दी है। इस मिशन ने विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रोटोटाइपिंग टूल्स और क्वालिफाइड हार्डवेयर तक आसान पहुंच प्रदान की है। इससे देश में सिलिकॉन-स्तर पर सीखने और निर्माण की गति कई गुना बढ़ी है। अब भारत की राष्ट्रीय चिप नीति का स्थायी केंद्र बन चुका है, जो मंत्रालयों, उद्योगों और अकादमिक संस्थानों को एकजुट कर रहा है। सेमीकंडक्टर चिप आधुनिक युग की अदृश्य रीढ़ है। यह भारत के लिए घर में विश्व-स्तरीय क्षमताएं बनाने और दुनिया की सेवा करने का एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारी कंपनी का लक्ष्य भारत को एक अग्रणी सेमीकंडक्टर आरएंडडी हब बनाना है। कंपनी रक्षा, ऊर्जा, औद्योगिक स्वचालन और एआई जैसे क्षेत्रों में उच्च-गुणवत्ता वाले समाधान विकसित कर रही है।

अब सर्दियों में पैरों के ठंडे पंजे की समस्या से तुरंत पाएं निजात

सर्दियों में पैरों के पंजे बहुत ठंडे पड़ जाते हैं और अनेक तरह के पापड़ बेलने पर भी गर्म नहीं होते. यह समस्या पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में अधिक होती है. युवाओं में कम और बुजुर्गों में अधिक पाई जाती है शारीरिक दृष्टि से पैर ठंडे तब होते हैं जब ऑक्सिजन और रक्त का संचरण कम हो जाता है. रक्त संचार सुधरते ही यह समस्या समाप्त हो जाती है. हाथों की अंगुलियां भी ठंड में इसी कारण ठिठुरती हैं. यह व्याधि शूगर, रक्त अल्पता, परिधीय नाड़ी, हाइपोथाइरायड, शराब, तम्बाकू के सेवन, कब्ज-कुपचन आदि से पीड़ित व्यक्तियों में अधिक होती है. इसके लिए कुछ घरेलू उपचार और सावधानियां नीचे दी गई हैं-

1. **गर्म तेल की मालिश**- मालिश हाथों-पैरों को गर्म रखने का सरल उपचारात्मक तरीका है. सरसों, तिल या नारियल के तेल को थोड़ी देर माइक्रोवेव में रखकर पैरों की मालिश करें. लगभग पांच मिनट तक एक पांव तथा फिर दूसरे पांव की मालिश करें. सोने से पहले मालिश करके गर्म जुराब डाल लें.

2. सोने से पहले 15-20 मिनट तक गर्म पानी में पैर डुबोए रखें. तौलिये से पोंछ कर गर्म जुराब डाल लें. दिन में धूप में बैठ कर पैरों को पहले 2-3 मिनट गर्म पानी में पैर डुबोए रखें. इस क्रिया को दिन में 3-4 बार दोहराए.

3. पैरों में रक्त संचार बढ़ाने के लिए पैरों की कसरत आवश्यक है. पैरों के पंजों पर एक मिनट तक खड़े रहें. फिर धीरे-धीरे एड़ियां जमीन पर टिका लें. पैर सामने की ओर फैला कर पंजों को खींच कर धीरे-धीरे गोल घुमाएं. एड़ियां उठाकर दस कदम पंजों पर चलें. फिर पंजे उठाकर 10-11 कदम एड़ियों पर चलें. दस मिनट तक इस क्रिया को सुबह-शाम दिन में दो बार करें.

4. अदरक के तत्व शरीर को गर्मी प्रदान करते हैं. धीमी आंच पर एक गिलास पानी में एक चम्मच अदरक के टुकड़े उबाल लें. शहद डालकर सप्ताह मं दो बार पिए. अदरक उबाल कर उसके पानी में पैर डुबोकर बैठ जाए. 10-15 मिनट बाद पैर निकालें. अदरक की चाय बनाकर भी पी सकते हैं.

5. धूप में बैठना और घास पर चलना-सर्दियों में नंगे पैर घास पर चलने से उनमें रक्त संचरण बढ़ जाता है. दोपहर को धूप में बैठें. इससे पैरों की नसों-मांसपेशियों की ऐंठन समाप्त हो जाती है. इन क्रियाओं से विटामिन 'डी' की कमी पूरी हो जाती है.

खरीदने हों शादी के कंगन तो इन बातों का रखें ध्यान

शादी में दुल्हन के लिए जितना क्रेज लहंगे का होता है, उससे कई गुना अधिक वो ध्यान देती है कंगन की खरीददारी में। लहंगे की अहमियत तो जयमाल के समय होती है लेकिन कंगन शादी के कई माह बाद तक नववधू के हाथों की शोभा बढ़ाते हैं। नई-नवेली दुल्हन जींस, सलवार और साड़ी के साथ शादी में पहने गए कंगनों को शान से धारण करती है।

सदाबहार प्लेन कंगन

शिवाला के चूड़ी विक्रेता राशिद बताते है, प्लेन कंगन हमेशा डिमांड में रहते है। लाल रंग शादी में शुभ माना जाता है इसलिए भले ही नववधू कितने ही डिजाइनर कंगन क्यों न खरीदें लेकिन वह लाल व महरून कंगनों को खरीदना नहीं भूलती। फैशन के लिहाज से भी यह कंगन सदाबहार रहते है। इनकी बिक्री पूरे वर्ष बनी रहती है।

हर ड्रेस से मैचिंग

अगर प्लेन से अलग स्टाइलिश लुक चाहती है तो नग वाले कंगनों का चयन बेहतर रहेगा। यह मेटल और लाख दोनों में ही आते है। जूइॅलि डिजाइनर सुपर्णा निगम बताती है अगर आप ट्रेड के हिसाब से कंगनों का चयन करती है तो मेटल वाले कंगनों के बीच में लाख के नग वाले कंगनों को ट्राय कर सकती है।

पारंपरिक है बीकानेरी

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल कहती है, शादी में पारपरिक बीकानेरी कंगनों की डिमाड खास होती है। चटख रगों के इन कंगनों की विशेषता है कि इनका रग फेड नहीं होता। लाल और महरून रग के बीकानेरी कंगन उत्तर भारत में शादी के अवसर पर नई दुल्हन के लिए शुभ माने जाते है।

लिखवाएं दिल की बात

बिसाती बाजार के चूड़ी विक्रेता नईम भाई बताते है, इन दिनों जीवन साथी का नाम कंगनों पर लिखवाने का ट्रेड जोरों पर है। हमारे पास बहुत सी ऐसी गर्ल्स आती है जो कंगनों पर अपना और अपने होने वाले पति का नाम या दिल बनवाती है। यह काम ऑर्डर पर किया जाता है और नगों के हिसाब से इसका चार्ज कंगनों की कीमत से अलग लिया जाता है।

जूलरी खरीदने जा रही हैं तो पढ़ें ये टिप्स...

गहनों की जगमग दुनिया से एक जगमगाता जेवर चुनना बहुत मुश्किल होता है। फिर भी कुछ टिप्स हैं, जो मुश्किल कम कर सकते हैं। अगली बार कुछ खरीदने जाएं तो इन्हें पढ़ लें।

- जब आप ड्रेस खरीदती हैं तो उसे ट्रायल रूम में पहनकर देखती हैं। जूलरी को भी पहनकर जरूर देखें। सुंदरता के साथ यह भी जरूरी है किवह आप पर अच्छी लगे और सुविधाजनक हो।
- पहली नजर में कुछ आपको लुभा रहा है और वह पॉकेट के माफिक भी है तो उसे खरीद लें। ये न सोचें कि सिल्वर है या गोल्ड, असली है या नकली। कई बार पहली नजर में कुछ पसंद आता है, इसके बाद दर्जनों चीजें देखने के बावजूद कुछ अच्छा नहीं लगता। क्योंकि पहली चीज मन पर छाई होती है। उसे खरीद लें, अगली बार का इंतजार न करें।

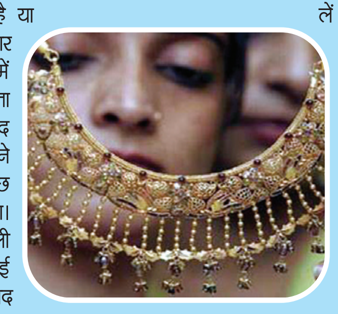

- कोई ऐसा ट्रेंडी पीस लेना चाहती हैं, जो लंबे समय तक स्टाइल में नहीं रहेगा तो कॉस्ट्यूम ज्यूलरी खरीदें। ये असली नहीं होती, साथ ही कुछ सस्ती भी मिल जाती है।
- लंबे समय के लिए आभूषण खरीदना चाहती हैं तो क्लासिक डिजाइनर जूलरी लें। ये महंगी होती है, लेकिन जिंदगी भर साथ देती है।
- आभूषण व्यक्ति त्व को बदल देते हैं। इनमें प्रयोग करना सीखें। कई बार एक बोल्ड पीस आउटफिट की खूबसूरती को दुगना कर देता है। लेकिन इसे पहनकर आईना जरूर देख लें कि यह आप पर फब रहा हो।
- कुछ भी ऐसा न लें, जिसे लेने में थोड़ी हिचक हो। क्योंकि बाद में भी उसे पहनने में आपको जरूर हिचक होगी।
- हड़बड़ी में आभूषण न खरीदें। दो-तीन स्थानों पर अवश्य जांच-परख लें। गुणवत्ता, डिजाइन, रंग, मूल्य, हॉलमार्किंग जैसे पहलुओं पर विचार करने के बाद ही आभूषण खरीदें।
- जूलरी की ऑनलाइन खरीदारी करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें। तकनीकी जानकारियों के अलावा यह भी जरूर देख लें कि अपनी फिटिंग बिलकुल सही बताएं।
- यह भी ध्यान दें कि आभूषण किस अवसर-आयोजन या स्थान पर पहना जाना है। बड़ा सा चोकर किसी खास शाम के लिए बेहतर हो सकता है, लेकिन उसे पहनकर आप कंप्यूटर पर काम नहीं कर सकतीं।
- किसी एक डिजाइनर, ब्रैंड या शो-रूम के नाम पर न जाएं। जरूरी नहीं कि आपका जूलरी बॉक्स डिजाइनर जेवरों से भरा हो। कई बार ब्रैंड के अलावा भी खूबसूरत पीस दिखते हैं, जो स्टाइल स्टेटमेंट बना सकते हैं।
- अपने कद और चेहरे के हिसाब से गहने खरीदें। चेहरा छोटा है तो बहुत बड़ा पीस अच्छा नहीं लगेगा। उम्र कम है तो पारंपरिक आभूषणों केबजाय हलके और सस्ते डिजाइनर पीस लें। इसी तरह अधिक उम्र में शैंडलियर के बजाय छोटे व शालीन डिजाइन वाले टॉप्स खरीदें।

ई-सिगरेट मसूड़ों को पहुंचा सकती है नुकसान

इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट मसूड़ों और दांतों के लिए पारंपरिक सिगरेट की तरह ही नुकसानदायक हैं, एक नए शोध में यह पाया गया है. अमेरिका के रोचेस्टर मेडिसिन और दंत चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और प्रमुख शोधकर्ता इरफान रहमान ने कहा, हमने पाया कि जब ई-सिगरेट के वाष्प को जलाया जाता है तो यह कोशिकाओं के लिए सूजन वाले प्रोटीन जारी करती है. इससे कोशिकाओं में तनाव बढ़ जाता है, इसके परिणामस्वरूप कई तरह की मुंह की बीमारियों पैदा हो सकती हैं.

ज्यादातर ई-सिगरेट में एक बैटरी, एक गर्म करने का उपकरण और तरल के लिए एक कार्ट्रिज होती है. इसमें खास तौर से निकोटिन और दूसरे रसायन होते हैं. बैटरी संचालित उपकरण से ऐरोसाल में कार्टिर्ज के तरल को गर्म किया जाता है, जिसे उपयोगकर्ता सांस के जरिए खींचते हैं.

इससे पहले, वैज्ञानिकों ने सोचा था कि सिगरेट के धूम्रपान में पाए जाने वाले रसायन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं. लेकिन बढ़ते वैज्ञानिक आकड़ों और पत्रिका आंकोटारगेट में प्रकाशित इस अध्ययन से दूसरे सुझाव सामने आए हैं.

रहमान ने कहा, कितना और कितनी बार कोई ई-सिगरेट से धूम्रपान करता है, इससे ही उसके मसूड़ों और मुंह की गुहा में नुकसान की सीमा तय की जाती है. एक दूसरे शोधकर्ता फवाद जावेद ने कहा, यह ध्यान देने योग्य बात है कि ई-सिगरेट में निकोटिन मौजूद होता है, जो मसूड़ों की बीमारी के लिए जिम्मेदार है.

फुल टाइम जॉब वाले भी सफर करते है

कौन कहता है, क्यूबिकल में वक्त गुजारने वालों को जिंदगी जीने का मौका नहीं मिलता?

कौन कहता है, सपनों और शौक को पूरा करना केवल रईसजादों की किस्मत में है?

कौन कहता है, लंबे-लंबे वकेशन प्लान्स बनने वालों का अप्रेज़ल और करियर प्रभावित होता है?

ये आम धारणा है कि नौकरीपेशा लोगों, खासकर प्राइवेट नौकरी करने वालों, के पास वकेशन की लग्जरी नहीं होती. पैसे होने के बावजूद वे लंबे-लंबे दिनों की ट्रिप प्लान नहीं कर पाते क्योंकि उन्हें इतनी दिनों की छुट्टी नहीं मिलती. इसलिए उनके पास केवल वीकेंड्स पर ही कहीं घूमने-फिरने का मौका होता है.

लेकिन हमारा मानना है कि अगर आप एक स्ट्रैटिजी बनाकर चलेंगे तो न सिर्फ कम पैसों में, बल्कि कम वक्त में भी छुट्टियों का ज्यादा लुत्फ उठा सकते हैं. हो सकता है कि आपका बॉस एक बार में 10-15 दिनों की छुट्टी की अर्जी भी पास कर दे. बस इन बातों का ख्याल रखना होगा.

1.हार्ड वर्किंग इंप्लाई की छवि बनाइये

याद रखिए, कंपनी पॉलिसी के तहत सालभर में आपको कुछ छुट्टियां सिर्फ इसलिए दी गई हैं ताकि आप काम के प्रेशर से खुद को रिलैक्स कर सकें और अपनी क्रियेटिविटी बरकरार रखें. बॉस और एचआर को इसी बात का एहसास दिलाना आपकी ही जिम्मेदारी है. लेकिन जब आप उनके सामने यह बात दोहराएं, यह सुनिश्चित कर लें कि आप उनकी नज़रों में एक हार्ड वर्किंग कर्मी हैं. वैसे भी आलसी और औसत कर्मचारी को 3-4 दिन से ज्यादा की छुट्टी एक बार में ही देने का फेवर निजी कंपनी का बॉस कभी नहीं करेगा.

सीक्रेट ट्रिक

इस बात की फि मत करिये कि किसी इमरजेंसी के लिए भी आपको छुट्टी सुरक्षित रखनी पड़ेगी. अगर आपकी वजह गंभीर और सही होगी, तो आपके बॉस मना नहीं करेंगे. छुट्टिया न बची हों, तो अनपेड लीव की अर्जी देने पर भी काम बन जाएगा. पैसे और वक्त बचाने के इन तमाम ट्रिक्स और टिप्स के बावजूद हम आपको कहीं भी ऑफ-सीज़न में जाने की सलाह नहीं देंगे. क्योंकि इससे आप उस जगह को सही मायने में एक्सप्लोर नहीं कर पाएंगे. फिर इतनी तिकड़बाजी का क्या फायदा!

2.ऑफिशियल कैलेंडर के हिसाब से ट्रिप प्लान करें

कोशिश करें कि आप साल में एक बड़ी ट्रिप(12-15 दिन) और तीन छोटी-छोटी (2-3) ट्रिप प्लान करें. फिर उसी हिसाब से लोकेशन का चुनाव करें. अपने वीक-ऑफ के दिनों के बाद कंपनी की ओर से मिलने वाली छुट्टियों को क्लब करें. कोई कॉम्पेनसेटरी ऑफ हो, तो उसे भी इसमें शामिल करें. इससे न सिर्फ आप लंबी छुट्टी पर जा पाएंगे, बल्कि काफी छुट्टियां सेव भी कर पाएंगे. हो सके तो डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट या ट्रेन छुट्टी से ठीक पहले की लास्ट वर्किंग डे की शाम को लें. इससे ट्रैवलिंग में आपकी लीव बेकार नहीं होगी. माना कि ये थकान भरा होगा. लेकिन जब आप डेस्टिनेशन पर पहुंचेंगे तो खुद पर खुद रिलैक्स हो जाएंगे. है की नहीं!

3. छुट्टी के लिए झूठ मत बोलिये

अगर आप कोई ट्रिप प्लान कर रहे हैं तो ऑफिस में कायदे से लीव अप्लाई करें. बीमारी या कोई और झूठा बहाना बनाकर छुट्टी न लें. इससे न सिर्फ आपका इंप्रेशन खराब होगा बल्कि झूठ पकड़े जाने पर बॉस का आपपर भरोसा कम होगा. यह बात आपके करियर के लिए भी नुकसानदायक होगी. अगर आप ऐसा करते रहे, तो फिर जब वाकई आपको किसी इमरजेंसी में छुट्टी चाहिए होगी, तब वो आपको नसीब नहीं होगी.

4. छुट्टी पर जाने से पहले टार्गेट पूरा कर के जाएं

जो काम आपको सौंपा गया है उसे छुट्टी पर जाने से पहले निबटा कर जाएं. वर्ना आपकी गैरमौजूदगी में आपके सहकर्मियों पर बोझ बढ़ेगा. इससे आगे से आपकी लीव सैंक्शन होने में परेशानी हो सकती है. अगर आपका कोई सहकर्मी छुट्टी पर जा रहा है और काम में उसे आपकी मदद चाहिए, तो पीछे मत हटियेगा. याद रखिये, किया काम और दान लौटकर ज़रूर आता है.

5.मौके पर चौका लगाइये

अगर आपको ऑफिस की ट्रिप पर जाने का मौका मिले तो बिना हिचकिचाहट बैग पैक कर लें. इससे तीन फायदे होंगे. पहला ये कि आपका इनिशियेटिव लेना बॉस पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ेगा. दूसरा ये कि ट्रिप खर्च का बोझ आपकी जेब पर नहीं पड़ेगा. तीसरा फायदा ये कि आपको नई जगह या किसी जगह को और भी अच्छे से घूमने का मौका मिलेगा.

सेहतमंद है दही और तिल का सैंडविच

सर्दियां आ गई है। इसे हेल्दी सीज़न भी कहा जाता है। जायका बदलने के लिए इस सीज़न में कई तरह के आइटम बनाए जाते हैं। आज हम आपके लिए लाए हैं दही और तिल का सैंडविच। यह रेसिपी हमें सेक्टर-45 की अनामिका पंडित ने भेजी है। इनके अनुसार तिल और दही का सेंडविच सर्दियों में पोष्टिक रहता है। जानिए इसे बनाने का तरीका

सामग्री

ब्राउन ब्रेड, 200 ग्राम दही, 20 ग्राम तिल, लहसुन की 8 कलियां, चुटकी भर नमक, चुटकी भर काली मिर्च, आधा चम्मच ब्राउन शुगर, 2 हरी मिर्च, 1 शिमला मिर्च, 1 कप कसा हुआ गाजर, कद्दूकस किया हुआ एक हरा सेब, 1 कप बारीक कटा धनिया, 1 टमाटर, 3 चम्मच ऑलिव ऑइल।

कैसे बनाएं

सबसें पहले एक कॉटन के कपड़े में दही को बांधकर रातभर के लिए टांग दें, जिससे उसका पानी रातभर में निकल जाए। ब्रेड के किनारे को काट लें। तैयार दही में

एक चुटकी नमक डालकर पेस्ट बना लें। अब पानी में भिगोए हुए सफेद तिल को 4 लहसुन और लौंग के साथ पीस लें। इसमें हरी मिर्च और चुटकी भर नमक डालकर पेस्ट बना लें।

इसमें 3 चम्मच ऑलिव ऑयल डाल दें। अब सभी सब्जियों को बारीक काट लें। सभी सब्जियों और सेब गाजर को दही में मिला लें। इसमें थोड़ा सी काली मिर्च और ब्राउन शुगर मिलाएं। सफेद तिल के पेस्ट को भी इसमें मिला लें और दो ब्रेड स्लाइस के बीच रखकर इसे तिक्रोण आकार में काट लें और इसे सर्व करें। आप इसे ज़रूरत अनुसार ग्रिल्ड भी कर सकती हैं।

मंदारमणि के समुद्री किनारों पर बिताएं सुकून के पल

दक्षिण बंगाल के जिला पूरबा मेदिनीपुर का एक छोटा सा समुद्री रिजॉर्ट है मंदारमणि। यह जगह हाल में ही पर्यटकों की नजर में आया है। शहर की भीड़-भाड़ से थोड़े सुकून और आराम के लिए सैलानी यहां आते हैं। कोलकाता हवाई अड्डे से 180 किलोमीटर दूर कोलकाता-दीघा रूट पर यह जगह अब पर्यटकों के लिए पसंदीदा बन गई है।

छोटा सा मंदारमणि खूबसूरत समुद्री किनारों के लिए प्रसिद्ध है। साफ सुथरा समुद्र तट, शांति प्रदान करता है। हल्की-हल्की समुद्री लहरें और आसमान में उड़ते पक्षी लुभाते हैं। यहां आने के बाद सिर्फ आप होंगे और खूबसूरत समुद्री किनारा होगा, जहां सुकून के कुछ पल बिता सकेंगे। कोई भी आपको डिस्टर्ब नहीं करेगा।

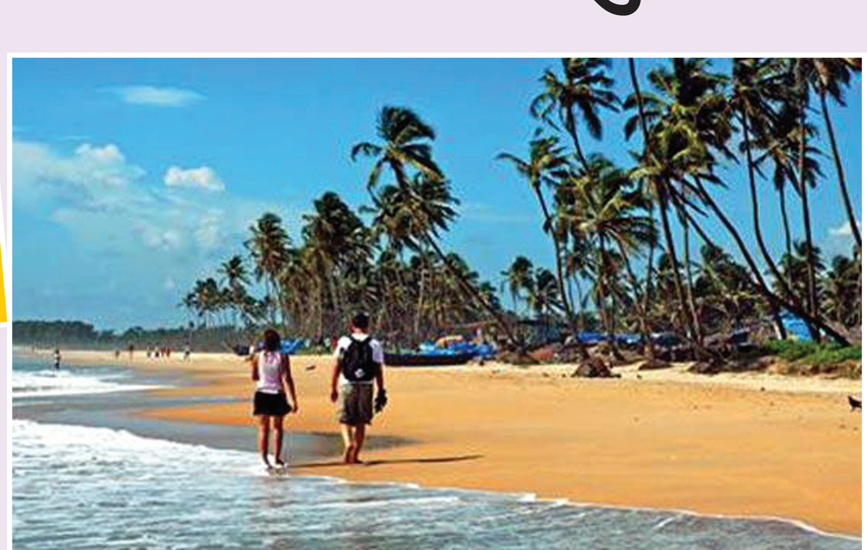

ऐसा माना जाता है कि यह समुद्र तट भारत का सबसे लंबा ड्राइबेबल तट है।

मंदारमणि में करने के लिए बहुत कुछ है। बहुत सारी एक्टिविटी इन समुद्री किनारों पर की जा सकती है। जैसे सर्फिंग, एटीवी राइड, जेड स्कींग, बनाना बोट राइड बगैरह। मंदारमणि की सबसे आकर्षक जगह है 13 किलोमीटर लम्बा मंदारमणि समुद्र तट। समुद्री तटों पर सैर करने से पहले यह जरूर पता कर लें कि कब समुद्री लहरें बड़ी हो जाती हैं ताकि आपको कोई नुकसान न हो। न सिर्फ समुद्र तट बल्कि इन किनारों से आप सनराइज और सनसेट का भी दिल में संजो लेने वाला दृश्य देख सकते हैं। मुख्य बीच में पांच-छह किलोमीटर दूर डेल्टा है, जहां आप टहलने के लिए जा सकते हैं। हालांकि अंधेरा होने के बाद समुद्र तट पर रहना संभव नहीं। इन बीच पर रात में हजारों लाल केकड़ों का आना शुरू हो जाता है।

खाने के शौकीनों के लिए मंदारमणि अच्छी जगह है। समुद्री इलाका होने के कारण आप यहां सी-फूड का आनंद ले सकते हैं। यहां का बंगाली खाना लाजवाब है। शॉपिंग का क्रेज है, तो वह भी यहां पूरा हो जाएगा। सीपियों से बनी जूलरी यहां की खासियत है। नेकलेस, इयरिंग के साथ-साथ घर की सजावट जैसे वाल हैंगिंग, मिरर वगैरह भी खरीदी जा सकती हैं।

मंदारमणि बीच का मजा पैदल चल कर लें। अगर नहीं तो फिर बाइक या साइकिल किराए पर ले सकते हैं। स्विमिंग के लिए यह बेहतरीन जगह है। सन-बॉथ लेना चाहते हैं तो अक्टूबर से फरवरी तक का महीना सबसे बेहतर है। रेत पर लेटकर आप शांत वातावरण में समुद्र की लहरों की आवाज सुन सकते हैं। टेबल टेनिस, कैरम, बीच वॉलीबाल का भी मजा लिया जा सकता है।

मंदारमणि जाने का सबसे बेहतरीन समय है जून से लेकर फरवरी तक। जून से सितम्बर तक मानसून के दौरान यहां की हरियाली और समुद्री लहरों का मजा लिया जा सकता है। अक्टूबर से फरवरी तक यहां पर्यटकों और आसपास के इलाकों के लोगों की ज्यादा आवाजाही होती है। इस कारण ठंड का मौसम ज्यादा बेहतर है। मार्च से लेकर मई तक यहां गर्मी होती है इसलिए इस मौसम से त्वचा का ज्यादा ध्यान रखना होता हैं ताकि टैंनिग से बच सकें। यहां सड़क और रेलमार्ग से पहुंचा जा सकता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

'रो-को' का जवाब नहीं

दुनिया में असंख्य समस्याएं, टकराव, तनाव, विध्वंस और फिर भी युद्ध की विभीषिकाएं हैं। उनका कब तक, क्यों, कहां तक और कैसे विश्लेषण करें। एक पल, एक दिन सुखद, गौरव, गर्व महसूस करने का मिल जाए, तो उसे 'एक अभिनव दीपावली' मान-समझ कर जी लेना चाहिए। दीपावली गुजरने के बाद हमने भी आज उन लम्हों को चुना है, जो हमारे 'राष्ट्रीय गौरव' हैं, जिनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली (संक्षेप में रो-को) सरीखे वैश्विक किरदार हैं। उनका आकलन एक-दो 'शून्य' से नहीं किया जा सकता। महानतम ब्रेडमैन, गैरी सोबर्स से लेकर ब्रायन लारा तक, ऑस्ट्रेलिया में ही महानतम रिकी पोंटिंग से स्टीव स्मिथ तक, भारत में पॉली उमरीगर, विजय मर्चेंट से लेकर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ तक और अब 'रो-को' तक कौनसा ऐसा बल्लेबाज है, जो कभी 'शून्य' पर आउट नहीं हुआ। यह अपवाद नहीं, विज्ञान या प्रौद्योगिकी नहीं कि मशीन एक जैसा ही काम करेगी। मशीन और कम्प्यूटर भी खराब हो जाते हैं, तो क्या आप उन्हें कोस सकते हो? कदापि नहीं, क्योंकि वे जीवंत, इनसानी प्राणी नहीं हैं। क्रिकेट या कोई अन्य खेल, अंततः, खेल ही होता है। कुछ क्षण, दिन, मूड खिलाड़ी के अनुकूल नहीं होते, तो वह नाकाम रहता है। मैच हार जाता है। वह स्थिति या खिलाड़ी का फॉर्म 'अस्थायी' होता है। दरअसल व्याख्या और विश्लेषण खिलाड़ी की 'क्लास', हुनर और विख्यात कीर्तिमानों की होनी चाहिए। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की उम्र 38 साल 180 दिन की है, लेकिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की जमीं, पिच पर, उन्हीं की विश्व विजेता टीम के सामने, नाबाद 121 रन (125 गेंद) ठोंक दिए। इस पारी में 13 चौके और 3 छक्के थे। रोहित का ऑस्ट्रेलिया में यह 9वां शतक था, जो महानतम सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड के बराबर है। रोहित एकदिनी क्रिकेट में 33 शतक, 59 अद्र्धशतक लगा चुके हैं, जबकि कुल अंतरराष्ट्रीय शतक 50 हो गए हैं। एकदिनी क्रिकेट में सर्वोच्च रन 264 भी रोहित के नाम दर्ज हैं। वह वैश्विक क्रिकेट के ऐसे इकलौते बल्लेबाज हैं, जिसके नाम एकदिनी क्रिकेट में ही 3 दोहरे शतक दर्ज हैं। यकीनन ये जादुई, शानदार और अतुलनीय आंकड़े हैं। रोहित शर्मा ने उम्र को व्यर्थ, महज एक आंकड़ा साबित कर दिया है। एकदिनी क्रिकेट में वह 11370 रन ठोंक चुके हैं। भारत में वह सचिन और विराट के बाद तीसरे स्थान पर हैं। विराट कोहली की उम्र भी 37 साल के आसपास है। विश्व कप, 2027 तक दोनों की उम्र 40 साल होगी। आलोचक और विरोधी भी उन्हें 'चुका हुआ बल्लेबाज' नहीं आंक सकते। विराट ने भी ऑस्ट्रेलिया की जमीं और पिच पर नाबाद 74 रन की पारी खेली है। 'रो-को' ने दूसरी विकेट के लिए नाबाद 168 रनों का कीर्तिमान भी बना दिया। 'रो-को' की यह शतकीय साझेदारी 19वीं बार है। लेकिन रोहित शर्मा उर्फ 'हिटमैन' कुल 68वीं बार शतकीय साझेदारी का हिस्सा बने। विराट के नाम एकदिनी 51 शतकों का विश्व-कीर्तिमान भी दर्ज है। उन्होंने ही महानतम सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों के कीर्तिमान को पीछे किया था। वह अब विश्व क्रिकेट में सचिन के सर्वाधिक 18,426 रनों के बाद दूसरे स्थान पर आ गए हैं। विराट ने ही संगकारा के 14,234 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा। दरअसल 'रो-को' का कोई जवाब ही नहीं है। इनके कीर्तिमानों का एक पूरा इतिहास है, लिहाजा एक संपादकीय अपनी परिधि में इन्हें बांध नहीं सकता। टीम इंडिया के मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता किसी भी पूर्वाग्रह के तहत 'रो-को' को टीम से बाहर रखें, तो देश भर में बवाल मच जाएगा। रोहित को फिर से कप्तान बनाने के मद्देनजर गावस्कर, कपिल देव, रवि शास्त्री, नवजोत सिंह सिद्धू सरीखे विश्व चैम्पियन खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर लगातार टिप्पणियां लिखी हैं और बीसीसीआई को अपने गलत फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। खिलाड़ियों का चयन उनकी 'क्लास' और मौजूदा खेल के आधार पर किया जाना चाहिए। सिर्फ उम्र के आधार पर उन्हें रिटायर होने को बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। रोहित शर्मा टी-20 की विश्व चैम्पियन टीम के भी कप्तान थे। बहरहाल 'रो-को' के संदर्भ में कोई भी दुराग्रह निंदनीय है।

दीपावली गुजरने के बाद हमने भी आज उन लम्हों को चुना है, जो हमारे 'राष्ट्रीय गौरव' हैं, जिनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली (संक्षेप में रो-को) सरीखे वैश्विक किरदार हैं। उनका आकलन एक-दो 'शून्य' से नहीं किया जा सकता। महानतम ब्रेडमैन, गैरी सोबर्स से लेकर ब्रायन लारा तक, ऑस्ट्रेलिया में ही महानतम रिकी पोंटिंग से स्टीव स्मिथ तक, भारत में पॉली उमरीगर, विजय मर्चेंट से लेकर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ तक और अब 'रो-को' तक कौनसा ऐसा बल्लेबाज है, जो कभी 'शून्य' पर आउट नहीं हुआ। यह अपवाद नहीं, विज्ञान या प्रौद्योगिकी नहीं कि मशीन एक जैसा ही काम करेगी। मशीन और कम्प्यूटर भी खराब हो जाते हैं, तो क्या आप उन्हें कोस सकते हो? कदापि नहीं, क्योंकि वे जीवंत, इनसानी प्राणी नहीं हैं। क्रिकेट या कोई अन्य खेल, अंतत:, खेल ही होता है। कुछ क्षण, दिन, मूड खिलाड़ी के अनुकूल नहीं होते, तो वह नाकाम रहता है। मैच हार जाता है। वह स्थिति या खिलाड़ी का फॉर्म 'अस्थायी' होता है। दरअसल व्याख्या और विश्लेषण खिलाड़ी की 'क्लास', हुनर और विख्यात कीर्तिमानों की होनी चाहिए। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की उम्र 38 साल 180 दिन की है, लेकिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की जमीं, पिच पर, उन्हीं की विश्व विजेता टीम के सामने, नाबाद 121 रन (125 गेंद) ठोंक दिए।

ट्रंप-शी मुलाकातः शांति की दस्तक या नए शीतयुद्ध की शुरुआत ?

ट्रंप की डील बनाम शी की रणनीतिः विश्व व्यवस्था की परीक्षा

आरके जैन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एशियाई यात्रा, जो 26 अक्टूबर को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर से शुरू हुई, केवल एक औपचारिक दौरा नहीं है। यह एक शतरंज की बिसात है, जहां टैरिफ की धमकियां, दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के प्रतिबंध और ताइवान जैसे संवेदनशील मुद्दे चालों का हिस्सा हैं। इस यात्रा का चरम बिंदु है ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की छह साल बाद पहली आमने-सामने मुलाकात, जो 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के ग्यॉंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान होगी। यह मुलाकात न केवल अमेरिका-चीन संबंधों को नया आकार देगी, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, शेयर बाजारों और भू-राजनीतिक संतुलन को भी प्रभावित करेगी। सवाल हर किसी के मन में है—क्या यह मुलाकात ट्रेड वॉर की आग को ठंडा करेगी, या इसे और भड़काएगी? ट्रंप का यह पांच दिवसीय मिशन आसियान शिखर सम्मेलन से शुरू होकर जापान और दक्षिण कोरिया तक फैला है।

वैश्विक मंच पर दो महाशक्तियों, अमेरिका और चीन, के बीच तनाव की गूंज अब हर अर्थव्यवस्था, हर बाजार और हर कूटनीतिक गलियारे तक पहुंच चुकी है। यह तनाव कोई साधारण विवाद नहीं, बल्कि एक ऐसी रणनीतिक जंग है, जो वैश्विक व्यापार, तकनीक और भू-राजनीति की धुरी को हिला सकती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एशियाई यात्रा, जो 26 अक्टूबर को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर से शुरू हुई, केवल एक औपचारिक दौरा नहीं है। यह एक शतरंज की बिसात है, जहां टैरिफ की धमकियां, दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के प्रतिबंध और ताइवान जैसे संवेदनशील मुद्दे चालों का हिस्सा हैं। इस यात्रा का चरम बिंदु है ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की छह साल बाद पहली आमने-सामने मुलाकात, जो 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के ग्यॉंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान होगी। यह मुलाकात न केवल अमेरिका-चीन संबंधों को नया आकार देगी, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, शेयर बाजारों और भू-राजनीतिक संतुलन को भी प्रभावित करेगी। सवाल हर किसी के मन में है—क्या यह मुलाकात ट्रेड वॉर की आग को ठंडा करेगी, या इसे और भड़काएगी? ट्रंप का यह पांच दिवसीय मिशन आसियान शिखर सम्मेलन से शुरू होकर जापान और दक्षिण कोरिया तक फैला है। ट्रंप का का लक्ष्य नए व्यापार समझौते करना है—ऐसे समझौते जो अमेरिकी कंपनियों को एशियाई बाजारों में गहरी पैठ दें और टैरिफ से राजस्व की धारा को मजबूत करें। कुआलालंपुर में ट्रंप ने आसियान नेताओं के साथ वार्ता शुरू की, जहां उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार साझेदारी को बढ़ाने का वादा किया। लेकिन सबकी नजरें जापान पर टिकी हैं, जहां वे नई प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची से मिलकर अमेरिकी उद्योगों विशेषकर ऑटोमोबाइल और प्रौद्योगिकी में निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल करने की कोशिश करेंगे। जापान, जो ट्रंप के पहले कार्यकाल में व्यापार घाटे के दबाव में रहा, अब सतर्क कदम उठा रहा है। दक्षिण कोरिया में, जहां 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक एपेक सम्मेलन होगा, ट्रंप का एजेंडा और भी महत्वाकांक्षी है। वे कोरियाई नेताओं के साथ ऑटोमोबाइल पर 25% टैरिफ में राहत जैसे द्विपक्षीय समझौते पक्के करने की कोशिश करेंगे, साथ ही शी जिनपिंग के साथ एक 'लंबी और महत्वपूर्ण' बैठक एजेंडे में हैं। इस यात्रा का असली दांव अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर है, जो 2018 से सुलग रहा है और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में फिर लपटें उठा रहा है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं, अमेरिका की 28 ट्रिलियन डॉलर और चीन की 18-19 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी, अब टैरिफ की लड़ाई से आगे बढ़कर तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की जंग में उलझी हैं। ट्रंप ने हाल ही में चीनी सामानों पर 100% तक टैरिफ की धमकी दी थी, जिसके जवाब में चीन ने दुर्लभ पृथ्वी खनिजों (रेयर

अर्थ) जैसे नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम पर निर्यात प्रतिबंध कड़े कर दिए। ये खनिज सेमीकंडक्टर, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और हथियार प्रणालियों के लिए अपरिहार्य हैं, और अमेरिका इनका 80% से ज्यादा चीन से आयात करता है। विशेषज्ञ इसे शी का 'पावर प्ले' मानते हैं, जो वार्ता की मेज पर उनकी स्थिति को मजबूत करता है। लेकिन इस मुलाकात में उद्देश्य आधे रास्ते तय कर चुके हैं। ट्रंप के प्राथमिक लक्ष्य हैं—रेयर अर्थ निर्यात पर राहत, फेंटेनिल तस्करी पर चीनी कार्रवाई, और अमेरिकी सोयाबीन खरीद की बहाली, जो मिडवेस्ट के किसानों के लिए संजीवनी है। 2018-19 के ट्रेड वॉर में अमेरिकी किसानों को 28 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था, और अब चीन की सोयाबीन खरीद रोकने की रणनीति ट्रंप के ग्रामीण वोट बैंक को सीधे निशाना बना रही है। ट्रंप इसे 'फैंटास्टिक डील' बनाने की बात कहते हैं, जिसमें चरण एक समझौते का पालन, टैरिफ में स्थिरता और अमेरिकी फर्मों को चीनी बाजार में ज्यादा पहुंच शामिल है। शी जिनपिंग की रणनीति गहरी और धैर्यपूर्ण है। ट्रंप के पहले कार्यकाल से सबक लेते हुए, वे टैरिफ के झटके सहने को तैयार हैं। इसका कारण यह है कि अमेरिका अब चीन के निर्यात बाजार का सिर्फ चौथा हिस्सा है, और सोयाबीन जैसे संसाधनों के लिए चीन ने ब्राजील जैसे विकल्प तलाश लिए हैं। लेकिन शी घरेलू चुनौतियों से जूझ रहे हैं—17% से ज्यादा युवा बेरोजगारी, एवरग्रैंड जैसे रियल एस्टेट संकट, और 100 ट्रिलियन युआन का स्थानीय सरकारी कर्ज, जो चीन की 5% विकास दर को धीमा कर रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि शी तभी रियायत देंगे, जब ट्रंप उन्नत एआई चिप्स (जैसे एनवीडिया) पर निर्यात प्रतिबंध हटाएं या ताइवान को सैन्य सहायता में कटौती करें। ताइवान का मुद्दा इस मुलाकात को भू-राजनीतिक रंग देता है। ट्रंप ने अमेरिका को ताइवान की सैन्य ढाल बताया है, जबकि शी इसे 'आंख का तारा' मानते हैं। हाल की रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन 2027 तक ताइवान पर कब्जे की योजना बना रहा है, जो इस मुलाकात को और जटिल बनाता है। अभी तक, फेंटेनिल तस्करी पर प्रारंभिक सहमति बनी है, लेकिन रेयर अर्थ और चिप्स जैसे बड़े मुद्दों पर गतिरोध कायम है। ट्रंप की शैली जोखिम भरी और सौदेबाज़ी वाली है। वे खुद को 'डीलमेकर' कहते हैं और दावा करते हैं कि यह मुलाकात ऐतिहासिक होगी। लेकिन उनकी अप्रत्याशितता जगजाहिर है—पहले उन्होंने शी से मिलने को 'बेकार' बताया, फिर दो दिन बाद बैठक की पुष्टि की। अगले साल चीन यात्रा का उनका संकेत सकारात्मक है, लेकिन अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने इसे 'पुल-असाइड' यानी अनौपचारिक मुलाकात बताया, जो अपेक्षाओं को संयमित रखने की कोशिश है। दूसरी ओर, शी की रणनीति व्यवस्थित और लंबी है। वे त्वरित परिणामों के बजाय सिस्टमेटिक दबाव बनाते हैं, और उनकी शांत लेकिन दृढ़ शैली ट्रंप की तेजतर्रार अप्रोच से बिल्कुल उलट है। इस मुलाकात के वैश्विक प्रभाव गहरे हैं। जब भी अमेरिका-चीन वार्ता रुकती है, नास्डैक में 2-3% की गिरावट आम है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं—दक्षिण कोरिया के चिप कारखाने, वियतनाम की फैक्ट्रियां, दक्षिण चीन सागर के जलमार्ग—खतरे में हैं। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर निर्भर हैं, लेकिन उनके व्यापार की रीढ़ चीन है। ट्रंप के टैरिफ ने पहले ही कोरियाई ऑटो उद्योग को चोट पहुंचाई है, और जापान निवेश में सावधानी बरत रहा है। अगर ट्रंप जापान से निवेश गारंटी या दक्षिण कोरिया से टैरिफ राहत हासिल कर लें, तो यह उनकी बड़ी जीत होगी। लेकिन असफलता का मतलब है ट्रेड वॉर का और गहराना, जो वैश्विक मुद्रास्फीति को बढ़ाएगा और आर्थिक विकास को 1-2% तक धीमा कर सकता है। इस मुलाकात का परिणाम ट्रंप के बाकी कार्यकाल की दिशा तय करेगा। ट्रंप की त्वरित परिणामों की चाहत और शी की लंबी रणनीति के बीच टकराव इस मुलाकात को ऐतिहासिक बनाता है। अगर यह सफल होती है, तो वैश्विक बाजारों में स्थिरता आएगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं सुरक्षित होंगी, और तनाव कम होगा। लेकिन अगर यह विफल होती है, तो एक नया ट्रेड वॉर शुरू होगा, जो न केवल अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाएगा, बल्कि भू-राजनीतिक संतुलन को भी बिगाड़ देगा। जैसे ही ट्रंप कुआलालंपुर से अगले पड़ाव की ओर उड़ान भरते हैं, दुनिया सांस रोके इंतजार कर रही है। यह मुलाकात शांति का क्षण लाएगी, या तनाव का नया अध्याय खोलेगी? यह सवाल न केवल वाशिंगटन और बीजिंग, बल्कि टोक्यो, सियोल और वैश्विक कॉरपोरेट बोर्डरूम्स में गूंज रहा है।

देश दुनिया से

गांवों में साहूकारी कर्ज की चुनौती

यकीनन देश में ग्रामीण भारत के विकास और किसानों को आर्थिक-सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी गांवों में बड़ी संख्या में छोटे किसान साहूकारी कर्ज के घेरे में आते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के तेज विकास और गांवों में छोटे किसानों को वित्तीय राहत के मद्देनजर हरसंभव तरीके से साहूकारों के कर्ज से बचाते हुए, उन्हें सरकारी तथा सहकारी कर्ज की छतरी की छाया में लाया जाना चाहिए। साथ ही प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से छोटे किसानों के लिए बिना ब्याज के ऋण वितरण का लक्ष्य बढ़ाया जाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि हाल ही में प्रकाशित राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ग्रामीण धारणा सर्वेक्षण रिपोर्ट 2025 के तहत ग्रामीण भारत में ऋण वितरण और चुनौतियों के संबंध में दो अत्यधिक महत्वपूर्ण बातें रेखांकित हुई हैं। पहली अहम बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अब 54.5 फीसदी परिवार केवल औपचारिक स्रोतों क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी समितियां, सूक्ष्म वित्त संस्थान आदि से ऋण लेते हैं, जो सर्वेक्षण शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। चूंकि ग्रामीणों को ऋण के औपचारिक स्त्रोतों के माध्यम से जो ऋण दिए जाते हैं, वे सरकार के द्वारा निर्धारित कुछ निश्चित नियमों व शर्तों के तहत उचित निर्धारित ब्याज दर से जुड़े होते हैं, अतएव कर्ज लेने वाले ग्रामीण आर्थिक शोषण से बच जाते हैं। रिपोर्ट की दूसरी प्रमुख बात यह है कि यद्यपि ग्रामीण भारत में औपचारिक ऋण वितरण में सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी कई परिवार साहूकारों, दोस्तों, परिवारों और अन्य अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर हैं। लगभग 22 फीसदी ग्रामीण परिवार पूरी तरह साहूकारों और अनौपचारिक स्रोतों से प्राप्त ऋणों पर निर्भर हैं। यह वर्ग अभी भी ऊंची ब्याज दर पर कर्ज दे रहा है और औसत ब्याज दरें लगभग 17-18 फीसदी से भी अधिक होती हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गांवों में लगभग 23.5 फीसदी परिवार औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों तरह के ऋणों पर निर्भर हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में औपचारिक ऋण व्यवस्था ने अच्छी प्रगति की है। हाल ही में प्रकाशित विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक गांवों में किसानों को औपचारिक ऋण से जोडने के मद्देनजर सरकार के द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि इंफ्राक्ट्रक्चर फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था आदि प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। इससे ग्रामीण लोगों की क्रयशक्ति में वृद्धि, डिजिटल उपयोग में वृद्धि, खपत में वृद्धि, ग्रामीणों की बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, गांवों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार, ग्रामीण भारत के लोगों की पूरक आय में वृद्धि जैसी सकारात्मक पृष्ठभूमि निर्मित हुई हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती देते हुए दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जरिए अब तक देश के कोई 9.7 करोड़ से अधिक किसानों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 20 किस्तों में 3.9 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जा चुकी है, जिससे उन्हें खेती-किसानी से जुड़े खर्चों में राहत मिल रही है। इतना ही नहीं देश के गांवों में अप्रैल 2020 से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। लेकिन चिंताजनक यह है कि अभी भी ग्रामीण जनजीवन के करीब 22 फीसदी लोगों की कर्ज के लिए साहूकारों और अनौपचारिक स्त्रोतों पर जो निर्भरता बनी हुई है, उसके कारण बड़ी संख्या में छोटे किसानों की आर्थिक सुरक्षा कमजोर है। स्थिति यह है कि जब कई छोटे किसानों को आय अस्थिरता, मौसमी जोखिमों और सरकार से पर्याप्त धन हस्तांतरण की कमी का सामना करना पड़ता है, तब इन परिस्थितियों में ये किसान भारी भरकम ब्याज के बावजूद साहूकारों की चौखट पर दस्तक देते हुए दिखाई देते हैं। कई बार सामाजिक और जनसांख्यिकीय कारक भी साहूकारों से ऋण लेने के मद्देनजर असर डालते हैं। स्थिति यह भी है कि कई बार छोटे किसान औपचारिक स्त्रोतों से ऋण लेना तो चाहते हैं, मगर इसके लिए उनकी तैयारी पर्याप्त नहीं होती, मसलन दस्तावेज की कमी, गारंटी दाता की कमी एवं अन्य शर्तें बाधा डालते हुए दिखाई देती हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा प्रकाशित कृषि परिवारों की स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण और संपूर्ण भारत ऋण और निवेश सर्वेक्षण के अनुसार लगभग पचास प्रतिशत कृषि परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक किसानों को ऋण के लिए संस्थागत बैंकों के साथ-साथ गैर-संस्थागत स्रोतों जैसे साहूकारों और रिश्तेदारों पर भी निर्भर रहना पड़ता है। कई बार ये छोटे किसान भारी भरकम ब्याज दर से ऋण चुका पाने में असमर्थ रहते हैं। ऐसे में उन्हें ब्याज के बोझ को हल्का करने के लिए फिर ऋण लेना होता है और ऐसे छोटे किसान साहूकारों के ऋण जाल में फंसते चले जाते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि गांवों में बैंक शाखाएं तेजी से बढ़ी हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग शाखाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विशेष रूप से गांवों में बैंक शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33378 से बढक़र दिसंबर 2024 तक 56579 हो गई। साथ ही गांवों में सहकारी समितियों का नया विस्तार दिखाई दे रहा है। ऐसे में गांवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम भी उठाने की जरूरत है। छोटे ऋणों और कम अवधि के ऋण वाली कई योजनाएं तैयार करके साहूकारों पर निर्भरता कम की जाना होगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि गांवों में साहूकारों पर ऋण निर्भरता की प्रवृत्ति को रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के छोटे व्यवसायों को विश्वसनीय संस्थागत वित्तीय सेवाएं प्रदान करने हेतु लक्षित नीतिगत उपाय सुनिश्चित किए जाने होंगे। खासतौर से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अंतिम छोर तक मजबूत गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) की भूमिका को प्रभावी बनाना होगा। गांवों में तरलता संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए एनबीएफसी के लिए एक मजबूत पुनर्वित्त सुविधा तत्काल सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही एसएआरएफएईएसआई अधिनियम के तहत प्रतिभूति हितों को लागू करने के लिए ऋण राशि की सीमा को और घटाया जाना अत्यधिक लाभकारी कदम होगा। इन सुधारों के साथ-साथ वित्तीय जागरूकता में सुधार करने और ग्रामीण आजीविका कार्यक्रमों से जुड़ी बुनियादी वित्तीय शिक्षा से साहूकारों पर निर्भरता कम की जाना होगी। सरकार ने किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाने के लिए जो कानून बनाए हैं, उन कानूनों के पर्याप्त परिपालन पर ध्यान देना होगा। गांवों में प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का तेजी से विस्तार करना होगा, इससे छोटे किसानों की संस्थागत ऋण तक पहुंच बढ़ाई जा सकेगी।

आप का नजरिया

मॉल बनाम लोअर मॉल

सवाल मॉल की परिपाटी में घूमते शिमला का होता तो ब्रिटिश पीरियड की साफ सफाई का तरन्नुम सुना जाता, लेकिन यहां तो शहर को दूसरे मॉल की सूरत में बदन की खुजली तंग कर रही है। यह आलू बुखारे का सौदा नहीं कि दो रेहड़ी वाले टकरा जाएं या मॉल की मिलकीयत में शिमला बंट जाए। इसमें दो राय नहीं कि शिमला के भीतर मॉल एक डेस्टिनेशन की तरह है, लेकिन पर्यटन को तादाद में देखने के बजाय विविधता में स्वीकार करना होगा। लोअर बाजार बनाम मॉल के व्यापारी आखिर किस शौर्य को परवान चढ़ाना चाहते हैं। क्या मॉल के साथ लोअर मॉल की साझी विरासत नहीं है या क्या नए नामकरण से कोई सरहद पैदा हो जाएगी। चार कदम चल लेते एक साथ, तो मंजिल का जिक्र भी हो जाता। आखिर मॉल के व्यापारियों को यह क्यों पसंद नहीं कि लोअर बाजार के व्यापार का सेहरा लोअर मॉल पहन ले। क्या टूरिस्ट को एक सीमित दायरे में बांध कर शिमला का अस्तित्व महान हो जाता है। जाहिर तौर पर नए पर्यटन की नई उम्मीदें और नई मंजिलें रहेंगी। शिमला को भले ही मॉल का प्रतिनिधित्व एक सौगात बना देता है, लेकिन ऐतिहासिक महक की व्यापकता में लोअर मॉल भी एक हस्ती रही है। महंगे रेस्तरां और फास्ट फूड की जंक प्रवृत्ति से हटकर लोअर मॉल अगर शिमला की फूड मार्ट का पैमाना बन जाए, तो वहां स्वाद और सौहार्द का एक अलग ही संगम बन जाएगा। शिमला का जायका अगर रफ्तार पकड़े, तो लोअर मॉल एक अवधारणा बन जाएगी। दरअसल हिमाचल में मॉल को पुनर्परिभाषित करते हुए कई अन्य शहरों में भी वाहन रहित मॉल की संज्ञा में प्रमुख बाजारों की अहमियत बढ़ानी होगी। जाहिर तौर पर शिमला में मॉल एक संस्कृति-एक परंपरा है, लेकिन इसे केवल व्यापारिक प्रतिष्ठान नहीं माना जा सकता। सुकून से पद यात्रियों के लिए बाजार के बीच सैर सपाटा एक ऐसी शर्त है, जो हिमाचल के अनेक शहरों की भी ख्वाहिश है। मसलन हमीरपुर के बुद्धिजीवियों ने प्रयास किए कि मुख्य बाजार को वाहन प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाए, लेकिन व्यापारियों ने इसका विरोध कर दिया। धर्मशाला के कोतवाली बाजार के व्यापारियों ने वन वे के जरिए एक योजना प्रशासन को दी, लेकिन न व्यवस्था कामयाब हुई और न ही नागरिक समाज ने इसे स्वीकार किया। मॉल रोड के कई मायने हैं और यह टीसीपी एक्ट तथा शहरी विकास योजनाओं के तहत हर शहर और पर्यटक स्थलों पर लागू होना चाहिए। ऐसे में शिमला में अगर वाहन रहित दो मॉल घोषित हो रहे हैं, तो आपत्तियों के मायने खारिज होने चाहिएं। मॉल और लोअर मॉल की अपनी-अपनी विशिष्टताओं को नए रंग और चरित्र से मजबूत करने के साथ-साथ इनके बीच कनेक्टिविटी के कई प्रवेश द्वार स्थापित करने होंगे। यानी मॉल और लोअर मॉल के बीच कम से कम आधा दर्जन लिफ्ट स्थापित करते हुए यह पैगाम देना होगा कि इस शहर की सदी पुरानी फूड मार्ट का एक अलग और खास अनुभव है। पर्यटन के लिहाज से लोअर मॉल की खासियत काफी हद तक सैलानियों को संतुष्ट कर सकती है। शहरों का भविष्य नए आर्थिक, सामाजिक, मनोरंजन व धरोहर सेक्टरों को चिन्हित और विकसित करके ही होगा। मसलन मनाली में आए पर्यटक को ओल्ड मनाली की रूह में एक अलग अनुभव मिलना चाहिए या मकलोडगंज पहुंचे पर्यटक के लिए धर्मकोट की चहलकदमी में अलग छटा मिलनी चाहिए। हिमाचल में पर्यटकों के लिए अलग से वाहन प्रतिबंधित बाजारों की संरचना अब समय की जरूरत है और यह नाइट लाइफ के दृष्टिगत विशेष योजना के तहत अब कई नए मॉल स्थापित कर सकता है। शिमला में मॉल बनाम मॉल के अनावश्यक विवाद को छोडक़र व्यापार मंडलों को यह गौर फरमाना होगा कि पर्यटन में उनकी भूमिका का विस्तार कैसे और कहां तक संभव होगा।

लोअर बाजार बनाम मॉल के व्यापारी आखिर किस शौर्य को परवान चढ़ाना चाहते हैं। क्या मॉल के साथ लोअर मॉल की साझी विरासत नहीं है या क्या नए नामकरण से कोई सरहद पैदा हो जाएगी। चार कदम चल लेते एक साथ, तो मंजिल का जिक्र भी हो जाता। आखिर मॉल के व्यापारियों को यह क्यों पसंद नहीं कि लोअर बाजार के व्यापार का सेहरा लोअर मॉल पहन ले। क्या टूरिस्ट को एक सीमित दायरे में बांध कर शिमला का अस्तित्व महान हो जाता है। जाहिर तौर पर नए पर्यटन की नई उम्मीदें और नई मंजिलें रहेंगी। शिमला को भले ही मॉल का प्रतिनिधित्व एक सौगात बना देता है, लेकिन ऐतिहासिक महक की व्यापकता में लोअर मॉल भी एक हस्ती रही है। महंगे रेस्तरां और फास्ट फूड की जंक प्रवृत्ति से हटकर लोअर मॉल अगर शिमला की फूड मार्ट का पैमाना बन जाए, तो वहां स्वाद और सौहार्द का एक अलग ही संगम बन जाएगा। शिमला का जायका अगर रफ्तार पकड़े, तो लोअर मॉल एक अवधारणा बन जाएगी। दरअसल हिमाचल में मॉल को पुनर्परिभाषित करते हुए कई अन्य शहरों में भी वाहन रहित मॉल की संज्ञा में प्रमुख बाजारों की अहमियत बढ़ानी होगी। जाहिर तौर पर शिमला में मॉल एक संस्कृति-एक परंपरा है, लेकिन इसे केवल व्यापारिक प्रतिष्ठान नहीं माना जा सकता। सुकून से पद यात्रियों के लिए बाजार के बीच सैर सपाटा एक ऐसी शर्त है, जो हिमाचल के अनेक शहरों की भी ख्वाहिश है। मसलन हमीरपुर के बुद्धिजीवियों ने प्रयास किए कि मुख्य बाजार को वाहन प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाए, लेकिन व्यापारियों ने इसका विरोध कर दिया।

कुछ अलग

विद्वता और विनम्रता

फ्रांस में नोके नामक संत, तपस्वी और विद्वान थे। वहां के राजा चार्ल्स उनकी विद्वता और गुणों के बहुत कायल थे और उन्हें सम्मानित कर अपने दरबार में लाना चाहते थे। लेकिन जब नोके इसके लिए तैयार नहीं हुए, तो राजा स्वयं उनके मठ में पहुंच गए। राजा और नोके के बीच अब धर्म के साथ-साथ कई अन्य विषयों पर भी वार्तालाप हुई। राजा ने उनसे कुछ राजनीतिक विषयों पर भी सलाह ली। राजा के दरबारियों को यह सब अच्छा नहीं लगा। मुख्य सलाहकार तो क्रोध से नोके का अपमान करने को तैयार हो गया। अगले दिन, जब नोके राजा और अन्य संभ्रांत नागरिकों के साथ चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तो वह सलाहकार क्रोधित होकर अंदर आया और नोके के पास जाकर अपशब्द कहे, 'तुम बड़े विद्वान और ईश्वर के निकट माने जाते हो। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि ईश्वर इस समय क्या कर रहे हैं?' संत ने तुरंत मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'पुत्र, इस समय पृथ्वी पर जो दीन हैं, उन्हें उन्नत कर रहे हैं और जो अहंकारी हैं, उन्हें नीच बना रहे हैं।' संत की मधुर वाणी में संयमित जवाब सुनकर उस अहंकारी सलाहकार का सारा घमंड चूर-चूर हो गया।

दृष्टि कोण

न्याय यात्रा और बढ़ता जनाक्रोश

भारतीय संविधान में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण का प्रावधान समान अवसरों की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। ये केवल आरक्षण नहीं बल्कि सदियों से चले आ रहे सामाजिक और शैक्षणिक बहिष्कार की क्षतिपूर्ति का संवैधानिक समाधान था। हालांकि इसका लक्ष्य तभी साकार हो सकता है, जब राज्य सरकारें इसे पूरी ईमानदारी और राजनीतिक इच्छा शक्ति के साथ लागू करें। इस कसौटी पर हिमाचल प्रदेश सरकार, चाहे वह किसी भी दल की रही हो, बार-बार विफल साबित हुई है। हाल ही में कांगड़ा से धर्मशाला तक अन्य पिछड़ा वर्ग द्वारा आयोजित सामाजिक न्याय यात्रा, जिसमें लगभग एक अनुमान के अनुसार 20000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जो कि इस बढ़ते जनाक्रोश का ज्वलंत प्रमाण है। ये कोई साधारण प्रदर्शन नहीं बल्कि प्रदेश के युवाओं द्वारा सरकार के लिए एक स्पष्ट चेतावनी एवं अंतिम अवसर है। ओबीसी आरक्षण का अर्थ स्पष्ट है। सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ेपन को दूर कर समाज में समानता स्थापित करना। हालांकि केंद्र सरकार ने 2006 में संविधान के 93वें संशोधन में शिक्षण संस्थानों में ओबीसी वर्ग के लिए 27 फीसदी आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया। इसी तरह मंडल आयोग और सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश के बाद सरकारी एवं अर्धसरकारी सेवाओं में ये ही कोटा निर्धारित किया गया। पूरे भारत वर्ष में इसे सभी राज्यों ने लागू किया। लेकिन हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस संवैधानिक व्यवस्था को अभी तक लागू नहीं किया है। राज्य में ओबीसी वर्ग कुल नौकरियों में से प्राथमिक, द्वितीय श्रेणी में केवल 12 फीसदी प्राप्त कर रहा है, जबकि तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए 18 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया है। और संविधान 27 प्रतिशत का अधिकार देता है। ये स्पष्ट तौर से शर्मनाक भी है, जिसमें संविधान का उल्लंघन स्पष्ट नजर आता है। शैक्षिक संस्थाओं की स्थिति और भी भयावह है। राज्य के विश्वविद्यालयों और इन जैसे अन्य शिक्षण संस्थानों में ओबीसी आरक्षण प्रभावी ढंग से लागू

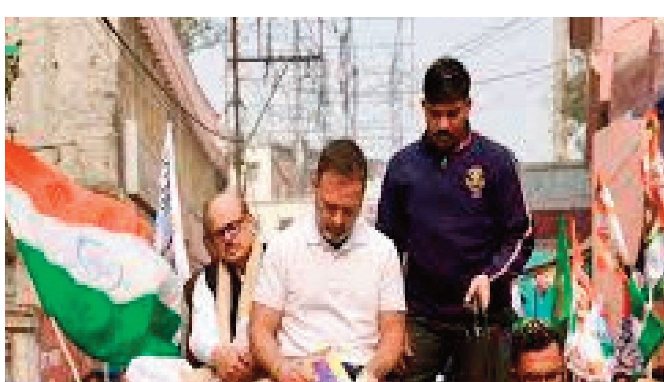

नहीं किया जा रहा है। प्रदेश के कई संस्थानों में ओबीसी के लिए मुश्किल से दो सीटें दी जा रही हैं। उनमें से एमबीबीएस की एडमिशन वाले कॉलेज अग्रणी है। यह केवल ओबीसी वर्ग का उपहास मात्र प्रतीत होता है। सबसे विडंबनापूर्ण उदाहरण, जिसमें चौधरी सरवण कुमार कृषि विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश है, जहां ओबीसी समुदाय के लिए सीटों का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। जबकि इन समुदायों का कृषि ही प्राथमिक व्यवसाय है। इसी समुदाय से संबंधित व्यक्ति के नाम पर बने विश्वविद्यालय में उनके लिए आरक्षण का न मिलना, इनके साथ एक क्रूर मजाक है। यहां सवाल मांगों का नहीं बल्कि मंशा का भी है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से पिछड़े हेतु पारित 103वें संवैधानिक संशोधन 2019 को राज्य सरकार ने तुरंत प्रभाव से ही लागू कर दिया। जबकि ओबीसी के 93वें संविधानिक संशोधन को लागू करने में आज तक कोई भी कदम नहीं उठाया गया। यह भेदभाव एवं अन्याय की नीति है। ये दर्शाता है कि सरकार के अंदर बैठे हुए नौकरशाही और राजनैतिक लोग ओबीसी वर्ग के संवैधानिक अधिकारों को लागू करने की मंशा नहीं रखते हैं। ये विडंबना रही है कि केंद्र में कांग्रेस नेता और राज्य की वर्तमान कांग्रेस सरकार लगातार सामाजिक न्याय और इस विधान की रक्षा का राग अलापती रहती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ओबीसी के हितों की दुहाई देते रहते हैं। यह तब खोखला साबित हो जाता है जब उनकी ही पार्टी की राज्य सरकार ओबीसी के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रही है।

द. चीन सागर में अमेरिकी नौसेना के हेलिकॉप्टर और लड़ाकू विमान क्रैश, चालक दल सुरक्षित

बीजिंग, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी नौसेना के एक हेलिकॉप्टर और एक लड़ाकू विमान के रहस्यमय तरीके से क्रैश होने की खबर ने सनसनी मचा दी है। वॉशिंगटन ने बताया कि यह हादसा रविवार को रूटीन ऑपरेशन के दौरान हुआ। दोनों हादसों में शामिल हॉक हेलिकॉप्टर और बोइंग सुपर हॉर्नेट के चालक दल के सदस्यों ने समय रहते निकलकर अपनी जान बचा ली। अमेरिकी नौसेना ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

अमेरिकी नौसेना के सोशल मीडिया बयान के अनुसार, 26 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार दोपहर 2:45 बजे हॉक हेलिकॉप्टर, जिसे बैटल कैट्स के नाम से जाना जाता है, दक्षिण चीन सागर में क्रैश हो गया। यह हेलिकॉप्टर एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज से उड़ान भरने के बाद हादसे का शिकार हुआ।

हेलिकॉप्टर में सवार तीनों चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।हैरानी की बात यह है कि हेलिकॉप्टर के क्रैश होने के मात्र आधे घंटे बाद उसी एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरने वाला बोइंग सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान भी समुद्र में गिर गया।

इस हादसे में भी पायलट्स ने समय पर इजेक्ट कर अपनी जान बचाई। दोनों घटनाओं ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है, खासकर तब जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले एशिया दौरे पर हैं और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी एशियाई देशों के दौरे पर हैं।यह पहली बार नहीं है जब अमेरिकी नौसेना के विमान हादसे का शिकार हुए हैं। इस साल की शुरुआत में मध्य एशिया में एक ऑपरेशन के दौरान भी एक अमेरिकी विमान क्रैश हुआ था। दक्षिण चीन सागर में ये हादसे ऐसे समय में हुए हैं, जब यह क्षेत्र पहले से ही सामरिक और भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बना हुआ है। अमेरिकी नौसेना ने इन हादसों के कारणों की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। इन घटनाओं ने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति और सुरक्षा उपायों पर सवाल खड़े किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

रोजगार के लिए खतरा नहीं है एआई आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में बढ़ रहीं हैं नौकरियां

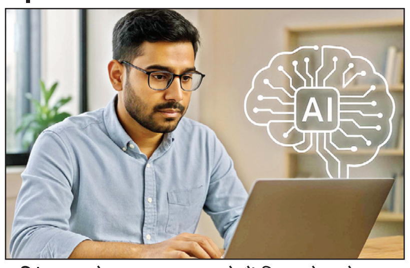

वाशिंगटन। लोग मानकर चल रहे हैं कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की वजह से नौकरियों पर खतरा मंडराने लगेगा। लाखों लोग बेरोजगार हो जाएंगे, लेकिन सच्चाई इससे हटकर है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि एआई अब नौकरियों के लिए खतरा नहीं रह गया है, बल्कि यह जरूरत बन गया है। वैश्विक ऑनलाइन भर्ती मंच 'इनडीड' ने अपनी हालिया रिपोर्ट में बताया कि देश में कृत्रिम मेधा (एआई) कौशल से जुड़ी नौकरियों की लगातार मांग बढ़ रही है। सितंबर महीने में एआई-संबंधित नौकरियों में 11.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 8.2 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि एआई से जुड़ी नौकरियां मुख्य रूप से प्रौद्योगिकी क्षेत्र में केंद्रित हैं लेकिन अब इनका विस्तार धीरे-धीरे अन्य क्षेत्रों में भी हो रहा है। डेटा और एनालिटिक्स क्षेत्र में लगभग 39 प्रतिशत, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में 23 प्रतिशत, बीमा क्षेत्र में 18 प्रतिशत और वैज्ञानिक अनुसंधान में 17 प्रतिशत नौकरियों के आवेदनों में एआई का उल्लेख है। एआई कौशल की मांग इंजीनियरिंग के सभी क्षेत्रों में देखी जा रही है। इनमें औद्योगिक इंजीनियरिंग (17 प्रतिशत), मैकेनिकल इंजीनियरिंग (11 प्रतिशत) और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (9.2 प्रतिशत) का स्थान प्रमुख है।

ब्रिटेन में भारतीय मूल की युवती पर हुआ नस्लीय हमला, रेप का आरोपी फरार

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय मूल की एक 20 वर्षीय युवती के साथ बलात्कार का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसे पुलिस नस्लीय हमले के तौर पर जांच रही है। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने एक श्वेत पुरुष की तलाश शुरू की है, जिस पर इस जघन्य अपराध का आरोप है। पुलिस ने आरोपी की पहचान के लिए उसकी तस्वीर जारी की है और उसे पकड़ने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। यह घटना वॉलसाल के पार्क हॉल इलाके में हुई, जहां एक परेशान हालत में मिली महिला की शिकायत पर पुलिस को बुलाया गया था। जांच अधिकारी रोनन टायरर ने बताया कि इस गंभीर हमले के बाद पुलिस हर संभव कोशिश कर रही है ताकि जिम्मेदार व्यक्ति को जल्द से जल्द हिरासत में लिया जाए। उन्होंने कहा, हमने सबूत जुटाने और हमलावर की प्रोफाइल तैयार करने के लिए विशेष टीमें बनाई हैं। इस जांच में स्थानीय लोगों से मिलने वाली जानकारी बहुत महत्वपूर्ण होगी, खासकर यदि किसी ने घटना के समय संदिग्ध व्यक्ति को क्षेत्र में देखा हो। वॉलसाल पुलिस के अधिकारी फिल डॉल्बी ने कहा कि यह घटना स्थानीय समुदाय में डर और चिंता का कारण बनी है, क्योंकि वॉलसाल एक विविध क्षेत्र है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस समुदाय के लोगों से उनकी चिंताओं को समझने के लिए बातचीत कर रही है और आने वाले दिनों में इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा करें ताकि आरोपी को शीघ्र पकड़ा जा सके।

आत्मविश्वास और मनःस्थिति के बारे में बताती है आपके बैठने की आदत

लंदन। पैर क्रॉस कर बैठने की मुद्रा व्यक्ति के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और मानसिक स्थिति के बारे में बहुत कुछ बताती है। जिस तरह कोई अपने पैरों को क्रॉस करता है, उससे उसके भीतर के भाव और सोच झलकते हैं। बॉडी लैंग्वेज के विशेषज्ञों के अनुसार, पुरुषों में अक्सर देखा जाता है कि वे एक टखने को दूसरे घुटने के ऊपर रखते हैं, जिसे फिगर 4 पोज कहा जाता है। यह आत्मविश्वास, खुलेपन और सहजता का संकेत है। वहीं, महिलाएं घुटनों पर पैर क्रॉस करके और एक पैर को आगे की ओर हल्का फैलाकर बैठना पसंद करती हैं। यह मुद्रा न केवल शालीनता और सौंदर्य को दर्शाती है बल्कि आत्म-नियंत्रण और आत्म-सम्मान का भी प्रतीक है। कई लोगों के लिए यह मुद्रा आरामदायक भी होती है। लंबे समय तक बैठने वालों को यह कूल्हों और पीठ पर पड़ने वाले दबाव को कम करने में मदद करती है। ब्रिटिश शाही परिवार की सदस्य केट मिडलटन और मेघन मार्कल को अक्सर इसी तरह बैठते देखा गया है, जिससे यह मुद्रा गरिमा और संतुलन का प्रतीक मानी जाती है। हालांकि, पैर क्रॉस करके बैठना हमेशा सहजता का संकेत नहीं होता।

ट्रंप का दावा.....आठ महीनों में आठ युद्ध खत्म किए, जल्द पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जंग रुकवा दूंगा

ट्रंप की मौजूदगी में थाईलैंड और कंबोडियाई के बीच शांति समझौता

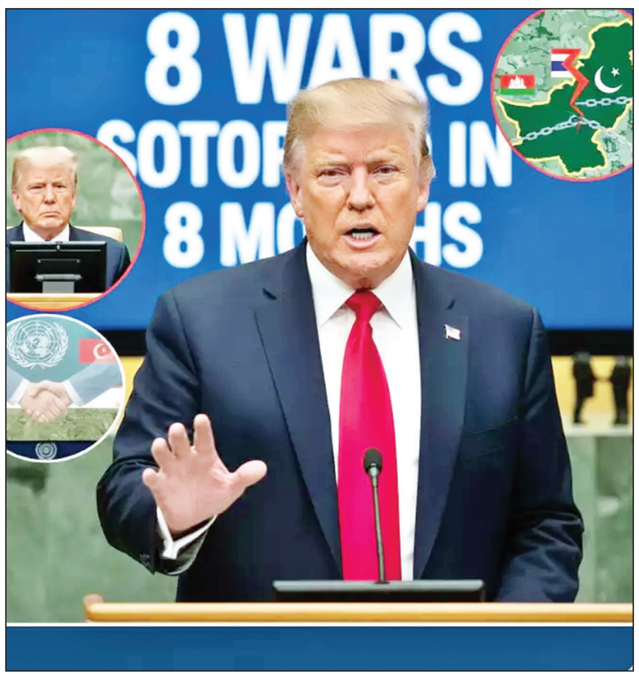

कुआलालंपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को लगता है कि वे दुनिया का हर युद्ध खत्म करा सकते है। उन्होंने कहा है कि वे पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी सीमा विवाद को 'बहुत जल्दी सुलझा देने वाले है। यानी ट्रंप कह रहे हैं कि जिस दुश्मन से अमेरिका दो दशक तक लड़का रहा अब उस तालिबान का युद्ध वह खत्म कराएंगे। ट्रंप ने इस मौके पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की सराहना कर कहा कि 'दोनों बेहतरीन लोग हैं' और उन्हें भरोसा है कि इस विवाद का समाधान 'जल्द निकल आएगा। थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल और कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेत ने मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मौजूदगी में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों देशों के बीच जुलाई में हुए संघर्षविराम को औपचारिक रूप से मान्यता देता है और सीमा पर शांति की बहाली की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। ट्रंप ने कहा, 'यह दक्षिण-पूर्व एशिया के लोगों के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव खत्म होगा और स्थायी शांति की नींव पड़ेगी। इस मौके पर ट्रंप ने कहा कि उनके प्रशासन ने 'सिर्फ आठ महीनों में आठ युद्ध खत्म किए हैं' और अब केवल एक संघर्ष बाकी है जो पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी है। उन्होंने कहा, 'मुझे दोनों देश अच्छी तरह जानते हैं, और मुझे पूरा भरोसा है कि यह मसला भी जल्द सुलझेगा। समझौते के साथ अमेरिका ने कंबोडिया के साथ एक प्रमुख व्यापारिक समझौता और थाईलैंड के साथ क्रिटिकल मिनरल्स (खनिज संसाधन) पर करार किया।

कंबोडिया के पीएम ने की सराहना

कंबोडिया के प्रधानमंत्री मानेत ने भी ट्रंप, चीन सरकार और मलेशिया की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये समझौता भरोसे को पुनर्निर्माण करने और आगे बढ़ने का वक्त है। दरअसल, जुलाई में थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर भड़के संघर्ष ने दर्जनों लोगों की जान चली गई थी और लाखों लोग बेघर हो गए थे। ये विवाद फ्रांसीसी उपनिवेशवाद काल से चली आ रही सीमा विवाद पर आधारित था, जिसमें प्रीहविहार मंदिर क्षेत्र शामिल है। संघर्ष के तीसरे दिन ट्रंप ने दोनों देशों के तत्कालीन नेताओं से फोन पर बातचीत की और संघर्ष खत्म करने की अपील की।

ट्रंप का छलका दर्द बोले- 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में जमकर हुई थी धांधली, जांच होना जरुरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। उन्होंने इसकी जांच के लिए न्याय विभाग से अपील की और इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया। बता दें कि ट्रंप इस चुनाव में बहुत बुरी तरह से हारे थे जिसका दर्द उन्हे रह-रहकर उठ रहा है। इससे पहले भी उन्होंने इसी तरह के कुछ संकेत दिए थे। अब खुलकर इस कथित धांधली की जांच की मांग भी खुद ही कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, 2020 का राष्ट्रपति चुनाव धांधली और चोरी का शिकार हुआ। यह एक बहुत बड़ा घोटाला है। देखिए कि जब एक बेईमान मूर्ख हमारा राष्ट्रपति बना, तो देश का क्या हाल हुआ! अब हमें सब कुछ पता है। मुझे उम्मीद है कि डीओजे इस मामले को उत्साह के साथ आगे बढ़ाएगा, जो कि अमेरिकी इतिहास के सबसे बड़े घोटाले के लिए उचित है! अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह फिर से होगा, जिसमें आगामी मध्यावधि चुनाव भी शामिल हैं। राष्ट्रपति ने मेल-इन या जल्दी मतदान को रोकने और मतदाता पहचान पत्र को जरूरी करने की वकालत की, ताकि चुनावी धांधली को रोका जा सके। मालूम हो कि ट्रंप 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे, जिसके बाद जो बाइडेन एक कार्यकाल के लिए सत्ता में आए। ट्रंप ने कई बार दावा किया है कि 2020 के चुनाव में धांधली हुई थी। उन्होंने यहां तक संकेत दिया कि वह चुनाव जीतने के कारण लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में हैं। राष्ट्रपति ने आरोप लगाया कि कैलिफोर्निया के प्रस्ताव 50 के लिए मतदान पूरी तरह से बेईमानी है। उन्होंने दावा किया कि लाखों मतपत्र राज्य में भेजे जा रहे हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सेना की टीटीपी से मुठभेड़, 25 लड़ाके और पांच जवान मारे गए

इस्लामाबाद, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 24 और 25 अक्टूबर को अफगानिस्तान से आतंकवादी घुसपैठ के दो प्रयासों को विफल कर दिया। इस दौरान प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान और कुर्रम जिलों में अलग-अलग अभियानों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के चार आत्मघाती हमलावरों समेत 25 लड़ाकों को मार गिराया गया। इन अभियानों में सुरक्षा बलों के पांच जवानों की मौत हो गई। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने रविवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने बताया कि इन अभियानों के खत्म होने के बाद सुरक्षा बलों ने हथियारों और विस्फोटकों का बड़ा जखीरा बरामद किया। 24 और 25 अक्टूबर को सुरक्षा बलों ने कुर्रम जिले के गाकी और उत्तरी वजीरिस्तान जिले के स्पिनवाम के पास अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे दो बड़े समूहों की गतिविधियों का पता लगाया। सुरक्षा बलों ने स्पिनवाम में चार आत्मघाती हमलावरों सहित 15 लड़ाकों को ढेर कर दिया। गाकी में भी दस लड़ाके मारे गए। आईएसपीआर के बयान के अनुसार, मुठभेड़ में पांच सैनिकों हवलदार मंजूर हुसैन (35), सिपाही नौमान इलियास कियानी (23) सिपाही मोहम्मद आदिल (24), सिपाही शाहजहां (25) और सिपाही अली असगर (25) की जान चली गई। राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने आतंकवादियों की घुसपैठ रोकने लिए सुरक्षा बलों की वीरता की सराहना की। सरकारी प्रसारक रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी पांच जवानों को श्रद्धांजलि दी।

इन जगहों पर अचानक 1 घंटा छोटा हो जाएगा दिन, घूम जाएगा लोगों का दिमाग

वॉशिंगटन। इस साल अक्टूबर महीना जियो पॉलिटिक्स के लिए बेहद अहम रहा, महीना खत्म होते-होते दुनिया भर के टॉप लीडर्स के बीच अहम बैठक होने वाली हैं। कई लोगों को लग सकता है कि कोई कॉन्फ्रेंस कॉल मिस गई या अचानक टाइम कहीं फिसल गया। ऐसा इसलिए होने वाला है क्योंकि एक बार फिर से वहीं अजीब वक्त आ गया है जब यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका आउट ऑफ सिंक हो जाएंगे क्योंकि डे-लाइट सेविंग टाइम से स्टैंडर्ड टाइम पर स्विच होगा। सभी देश लाइट सेविंग टाइम के हिसाब से नहीं चलते लेकिन यूरोप और उत्तरी अमेरिका में इसका पालन किया जाता है। इन देशों के लिए घड़ी बदलने की तारीख अलग-अलग होती है, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि टाइम से जुड़े नियम अलग-अलग जगहों पर दूसरी तरह से बनाए गए थे। कैसा दिखेगा टाइम डिफरेंस जिन देशों में इसका पालन किया जाता है, वहां उत्तरी गोलार्ध में गर्मियों में दिन के उजाले के घंटों में वृद्धि का अधिकतम लाभ उठाने के लिए मार्च में घड़ियों को मानक समय से एक घंटा आगे किया है। सर्दियों का मौसम आते ही घड़ियां फिर से मानक समय पर आ जाती हैं। यूके और यूरोप में, यह अक्टूबर के आखिरी रविवार को सुबह 2 बजे होता है लेकिन अमेरिका और कनाडा में, नवंबर के पहले रविवार को सुबह 2 बजे घड़ियां एक घंटा पीछे हो जाती हैं।

कमला हैरिस ने 2028 में राष्ट्रपति चुनाव में उतरने के दिए संकेत, ट्रंप पर साधा निशाना

वाशिंगटन, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। उन्होंने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में दोबारा उतरने के संकेत दिए। आत्मविश्वास के साथ हैरिस ने कहा, मैं खत्म नहीं हुई हूं। सेवा करना मेरे खून में है। मैंने हमेशा इसे अपना जीवन माना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे फैसले सर्वे या जनमत सर्वेक्षणों के आधार पर नहीं लेतीं।

मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, अगर मैंने सर्वेक्षणों पर भरोसा किया होता, तो न तो पहला और न ही दूसरा चुनाव लड़ा होता, और आज यहां नहीं होती। हैरिस ने मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने सरकारी एजेंसियों को राजनीतिक हथियार बना लिया है। हैरिस ने कहा, ट्रंप ने फेडरल एजेंसियों का इस्तेमाल व्यंग्यकारों के खिलाफ किया। उनकी चमड़ी इतनी पतली है कि वे मजाक भी बर्दाश्त नहीं करते और पूरे मीडिया संगठन को बंद करने की कोशिश की। उन्होंने आगे कहा कि कई अमेरिकी उद्योगपति और संस्थान ट्रंप के सामने झुक गए हैं। कई लोग सत्ता के आगे घुटने टेक चुके हैं। कोई जांच से बचना चाहता है, तो कोई मर्जर पास करवाना। इसलिए सभी सत्ता के करीब रहना चाहते हैं। व्हाइट हाउस ने हैरिस के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप प्रशासन की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने कहा, 2024 में करारी हार के बाद हैरिस को समझ जाना चाहिए था कि अमेरिकी जनता उनके झूठों पर भरोसा नहीं करती। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हैरिस अब विदेशी मीडिया में जाकर अपनी शिकायतें दर्ज करा रही हैं। हैरिस ने हाल ही में अपनी किताब '107 डेज' प्रकाशित की है, जिसमें उन्होंने 2024 की राष्ट्रपति दौड़ का जिक्र किया है, जब जो बाइडन ने स्वास्थ्य कारणों से नाम वापस लिया था। इस बीच, चर्चा है कि ट्रंप 2028 में फिर से चुनाव लड़ सकते हैं, हालांकि संविधान केवल दो कार्यकाल की अनुमति देता है। सभी की निगाहें अब इस पर हैं कि क्या हैरिस 2028 में ट्रंप को सीधी चुनौती देंगी।

आसियान शिखर सम्मेलन में पत्रकारों पर भड़के ट्रंप बोले- ये कौन है जो इतना हल्ला मचा रहा है

वाशिंगटन, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आयोजित 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पत्रकारों के प्रति रवैया चर्चा का विषय बन गया। सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ मुलाकात की और बैठक के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए।

हालांकि, वह पत्रकारों के सवालों का जवाब देने के मूड में नहीं दिखे और कई सवालों को टाल दिया, जबकि कुछ को जवाब देने से साफ इनकार कर दिया।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप का व्यवहार काफी तल्ख रहा। एक पत्रकार द्वारा सवाल पूछने की कोशिश पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा, ये कौन चिल्ला रहा है

उन्होंने पत्रकार को चिल्लाने से मना किया और इसके बाद ब्राजील की तारीफ में जुट गए। उन्होंने ब्राजील को खूबसूरत देश बताया और राष्ट्रपति लूला की प्रशंसा की। एक अन्य पत्रकार के सवाल पर ट्रंप ने साफ कहा, फिर से आप, प्लीज नहीं। इसके साथ ही उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस को जल्दी समाप्त करने की कोशिश की और कहा, के सवाल ज्यादा अच्छे नहीं हैं, यह कहना होगा। ये बहुत उबाऊ सवाल हैं। बाद में मिलते हैं, धन्यवाद। ट्रंप का यह रवैया प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद पत्रकारों के लिए अप्रत्याशित रहा।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने भी पत्रकारों के प्रति तल्ख टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा, हमारे पास ज्यादा समय नहीं है। हम पत्रकारों से बात करके समय बर्बाद नहीं करना चाहते। हमारे पास बात करने के लिए बहुत कुछ है। अगर आपके पास धैर्य है, तो आपको बैठक के नतीजे बाद में पता चल जाएंगे। लूला का यह बयान भी पत्रकारों के बीच चर्चा का विषय बना। ट्रंप के इस व्यवहार ने उनके बर्ताव पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खास तौर पर, एक महिला पत्रकार के सवालों का जवाब न देने के कारण कुछ लोगों ने उन्हें मिसोजिनिस्ट (स्त्री-द्वेषी) तक करार दे दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने ट्रंप के व्यवहार पर निराशा जताते हुए लिखा, मुझे उन पत्रकारों के लिए बहुत बुरा लगता है, जिन्हें उनके बेकार जवाबों और अपमानों को सहना पड़ता है। ट्रंप का पत्रकारों के प्रति यह रवैया कोई नई बात नहीं है, लेकिन आसियान जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनका यह व्यवहार एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस घटना ने न केवल उनके प्रेस के साथ संबंधों को उजागर किया, बल्कि वैश्विक मंच पर उनके रवैये को लेकर भी बहस छेड़ दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप मलेशिया से जापान के लिए रवाना

कुआलालंपुर (मलेशिया)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मलेशिया की यात्रा पूरी कर अपने अलगे पड़ाव जापान के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने अपने सोशल ट्रुथ पर कुछ घंटे पहले यह जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, अभी-अभी मलेशिया से विदा ली है। मलेशिया महान और जीवंत देश है। प्रमुख व्यापार और दुर्लभ मृदा सौदों पर हस्ताक्षर किए हैं।कल सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच शांति संधि पर हस्ताक्षर किए। अब कोई युद्ध नहीं। लाखों लोगों की जान बच गई। यह सब कर पाना बहुत सम्मान की बात है। अब, जापान के लिए रवाना। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार सुबह 10.06 बजे (स्थानीय समयानुसार) अपने एयर फोर्स वन विमान से कुआलालंपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जापान के लिए रवाना हुए। ट्रंप ने अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान 47वें आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। यात्रा के समापन पर मलेशिया को एक महान और बहुत जीवंत देश कहा। ट्रंप जापान से दक्षिण कोरिया भी जाएंगे। वो वहां एपेक शिखर सम्मेलन भी भाग लेंगे। ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग गुरुवार को दक्षिण कोरिया में शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात करेंगे। सभी की निगाहें इस बहुप्रतीक्षित मुलाकात पर टिकी होंगी।

एशिया रग्बी एमिरेट्स सेवन्स ट्रॉफी 2025 में भारत ने जीता रजत

मस्कट,27 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारत की सीनियर पुरुष रग्बी सेवन्स टीम ने मस्कट में आयोजित एशिया रग्बी एमिरेट्स सेवन्स ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार रात रजत पदक हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ भारत ने एशिया रग्बी एमिरेट्स सेवन्स सीरीज एशिया की शीर्ष स्तरीय रग्बी सेवन्स प्रतियोगिता में पदोन्नति प्राप्त कर ली है। पूर्व इंग्लैंड स्टार बेन गॉलिंग्स के कोचिंग में भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासन, कौशल और दृढ़ता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत लेबनान पर 14-10 की रोमांचक वापसी जीत से की, जिसके बाद अफगानिस्तान को 26-5 से हराते हुए ग्रुप चरण का समापन किया।

नॉकआउट चरण में भी टीम का दबदबा जारी रहा। भारत ने क्वार्टर फाइनल में ईरान को 21-7 से हराया और फिर सेमीफाइनल में सऊदी अरब को 17-0 से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबले में भारत ने शीर्ष वरीयता प्राप्त कज़ाख़स्तान के खिलाफ शानदार जुझारूपन दिखाया, लेकिन अंततः 0-27 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, पूरे अभियान ने भारतीय टीम की निरंतरता, दबाव में परिपक्वता और रग्बी इंडिया के विकास कार्यक्रमों के ठोस परिणामों को उजागर किया।

मुख्य कोच बेन गॉलिंग्स ने कहा, मैं इस टीम पर बेहद गर्व महसूस करता हूं। बहुत कम समय में खिलाड़ियों ने अद्भुत समर्पण, फोकस और टीमवर्क दिखाया है। यह उपलब्धि भारतीय रग्बी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। फाइनल हमारा नहीं था, लेकिन इस अनुभव ने भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखी है।

भारतीय रग्बी फुटबॉल यूनियन के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, यह टूर्नामेंट भारतीय पुरुष रग्बी की निरंतर प्रगति और आत्मविश्वास का प्रमाण है। टीम ने हर मैच में दिल, अनुशासन और कौशल से खेला। फाइनल में हार के बावजूद इस सफर ने हमारी विकास यात्रा को नई दिशा दी है। मैं खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट टीम को बधाई देता हूं। साथ ही कज़ाख़स्तान को उनकी योग्य जीत के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

न्यूज ब्रीफ

पृथ्वी शॉ ने महाराष्ट्र के लिए जड़ा पहला रणजी शतक

चंडीगढ़। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने सोमवार को चंडीगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड मुकाबले में महाराष्ट्र के लिए अपना पहला शतक जड़ा। शॉ ने दूसरी पारी में मात्र 72 गेंदों में शतक पूरा किया, जो उनके प्रथम श्रेणी करियर का 14वां शतक है। इससे पहले पहली पारी में वह सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए थे। महाराष्ट्र के लिए अपने रणजी डेब्यू मैच में शॉ ने केरल के खिलाफ दूसरी पारी में 75 रन की पारी खेली थी, जबकि पहली पारी में वह शून्य पर पवेलियन लौटे थे। 25 वर्षीय शॉ ने इस घरेलू सत्र से पहले मुंबई क्रिकेट संघ से एनओसी लेकर महाराष्ट्र टीम से जुड़ने का फैसला किया था। उन्हें यह अनुमति जून के अंत में मिली थी। पिछले सत्र में शॉ को मुंबई रणजी टीम से बाहर कर दिया गया था, जब उनके फिटनेस और अनुशासन पर सवाल उठे थे। उनका मुंबई के लिए अंतिम मैच दिसंबर 2024 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी फाइनल में हुआ था।

रणजी ट्रॉफी में बंगाल के काज़ी जुनैद सैफी बने पहले 'इंजरी रिप्लेसमेंट'

कोलकाता। बंगाल के बल्लेबाज़ काज़ी जुनैद सैफी ने सोमवार को रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में पहले इंजरी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में इतिहास रच दिया। उन्होंने गुजरात के खिलाफ ईडन गार्डन्स में चल रहे मुकाबले में घायल सुदीप चटर्जी की जगह ली। ओपनर सुदीप चटर्जी को रविवार को फील्डिंग के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके चलते वे आगे खेलने में असमर्थ रहे। उनकी जगह सैफी को दूसरी पारी में नंबर तीन बल्लेबाज़ के रूप में उतारा गया। हालांकि, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने 11 गेंदों पर सिर्फ एक रन बनाया और सिद्धार्थ देसाई की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हुए। पहली पारी में चटर्जी ने 12 गेंदों पर 3 रन बनाए थे। गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सत्र से इंजरी रिप्लेसमेंट नियम लागू किया है, जिसके तहत गंभीर रूप से घायल खिलाड़ियों की जगह समान भूमिका वाले खिलाड़ी को मैदान में उतारने की अनुमति दी गई है। यह नियम हाल ही में समाप्त हुई दलीप ट्रॉफी में भी लागू किया गया था, जब विकेटकीपर हर्विक देसाई की जगह महाराष्ट्र के सौरभ नवले को उतारा गया था। यह भारतीय घरेलू क्रिकेट में पहली बार इंजरी सब्सटीट्यूट का उपयोग था, जबकि रणजी ट्रॉफी में यह अवसर काजी जुनैद सैफी को मिला।

ब्लेयर टिकनर न्यूजीलैंड वनडे टीम में शामिल, काइल जैमीसन की जगह लेंगे

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को इंग्लैंड के खिलाफ चल रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए शामिल किया गया है। टिकनर को काइल जैमीसन की जगह टीम में शामिल किया गया है, जिन्हें बाएं हिस्से में जकड़न की समस्या के कारण सोमवार को श्रृंखला से बाहर होना पड़ा। 32 वर्षीय टिकनर ने न्यूजीलैंड के लिए अब तक 13 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 16 विकेट झटके हैं। वह 2023 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने टिकनर को जैमीसन के समान विकल्प बताया। उन्होंने कहा, ब्लेयर एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भली-भांति परिचित हैं। वह ऊंचाई से तेज गेंद फेंकते हैं, उनकी गेंद में उछाल और आक्रामकता होती है। इस लिहाज से वे काइल की भूमिका को अच्छी तरह निभा सकते हैं। इससे पहले रविवार को न्यूजीलैंड ने बे ओवल में खेले गए पहले वनडे में इंग्लैंड को चार विकेट से हराया था। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने शानदार पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। दोनों टीमें अब श्रृंखला के दूसरे मुकाबले के लिए हैमिल्टन के सेडन पार्क पहुंच चुकी हैं, जहां बुधवार (29 अक्टूबर) को दूसरा वनडे खेला जाएगा।

ला लीगा 2025-26 : एम्बाप्पे और बेलिंगहम के गोल से रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को हराया

मैड्रिड,27 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

जूड बेलिंगहम और किलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रियल मैड्रिड ने ला लीगा 2025-26 सीज़न के पहले 'एल क्लासिको' में बार्सिलोना को 2-1 से मात दी। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी से पांच अंकों की बढ़त के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। पिछले सीज़न में चैंपियन बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को चारों मुकाबलों में हराया था, लेकिन नए कोच ज़ाबी अलोंसो के नेतृत्व में मैड्रिड ने उस हार का बदला चुकता कर दिया।

मैच का हाल:

सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एम्बाप्पे ने शुरुआती बढ़त दिलाई, जबकि बार्सिलोना के फर्मिन लोपेज़ ने बराबरी का गोल किया। हालांकि, बेलिंगहम ने पहले हाफ के अंत में निर्णायक गोल दागते हुए टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई, जो अंत तक बरकरार रही।

मैच के आखिरी चरण में बार्सिलोना के मिडफील्डर पेड्री को दूसरा पीला कार्ड मिलने पर बाहर कर दिया गया, जिससे टीम पर और दबाव बढ़ गया।

मैड्रिड का दबदबा:

रियल मैड्रिड ने अब तक खेले गए 10 में से 9 मैचों में जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ अलोंसो की टीम ने यह साबित किया कि वह बड़े मौकों पर भी जीत दर्ज करने की काबिलियत रखती है। इससे पहले टीम को सितंबर में एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी।

बार्सिलोना की मुश्किलें:

बार्सिलोना के मुख्य कोच हैंसी फ्लिक निलंबन के कारण मैदान पर मौजूद नहीं थे, और उनकी जगह असिस्टेंट कोच मार्कस ज़ोर्ग ने टीम का नेतृत्व किया। टीम पहले से ही अपने कई प्रमुख खिलाड़ियों—रफिन्हा, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और डैनी ओल्मो—की कमी से जूझ रही थी। वहीं, किशोर खिलाड़ी लमिन यामल चोट से उबरने के बाद भी पूरी तरह फिट नहीं दिखे।

मैच से पहले यामल ने रियल मैड्रिड पर चोरी और शिकायत करने का आरोप लगाकर विवाद खड़ा किया था, जिसके कारण उनके नाम की घोषणा पर दर्शकों ने हूटिंग की।

मैच के प्रमुख पल:

पहले हाफ में बार्सिलोना ने गेंद पर अधिक कब्जा रखा, लेकिन प्रभावी आक्रमण रियल मैड्रिड का रहा।

एमबाप्पे का शुरुआती गोल ऑफसाइड करार दिया गया, पर जल्द ही बेलिंगहम की सहायता से उन्होंने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह उनका सीज़न का 11वां गोल था।

बार्सिलोना ने 38वें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड की क्रॉस पर फर्मिन लोपेज़ के गोल से बराबरी की, लेकिन पांच मिनट बाद बेलिंगहम ने दूसरा गोल कर मैड्रिड को फिर बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ की शुरुआत में एम्बाप्पे को पेनल्टी मिली, लेकिन बार्सिलोना के गोलकीपर वोज्शेक शेज़नी ने शानदार बचाव किया।

इसके बाद बार्सिलोना ने वापसी की कोशिश की, पर मैड्रिड ने मजबूत रक्षात्मक खेल से उन्हें कोई मौका नहीं दिया।

अंत में, बार्सिलोना के लिए रोनाल्ड अराउजो को स्ट्राइकर के रूप में आगे भेजा गया, लेकिन रियल मैड्रिड के गोलकीपर थिबो कूरटोआ के सामने उनकी एक नहीं चली।

मैच के अंत में पेड्री के लाल कार्ड और उसके बाद हुई झड़प ने तनाव बढ़ा दिया, लेकिन जीत रियल मैड्रिड के नाम रही।

अंतिम स्कोर: रियल मैड्रिड 2-1 बार्सिलोना।

गोल: एम्बाप्पे (15'), बेलिंगहम (43') — फर्मिन लोपेज़ (38')।

पैट कमिंस पहले एशेज टेस्ट से बाहर, स्मिथ करेंगे ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी

नई दिल्ली,27 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस अगले महीने पर्थ में होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए फिट नहीं होंगे और उनकी जगह स्टीव स्मिथ कप्तान होंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने सोमवार को उक्त जानकारी दी।

कमिंस जुलाई से ही पीठ के निचले हिस्से की समस्या के कारण बाहर हैं और 21 नवंबर से शुरू होने वाले इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में उनके खेलने पर पहले से ही संदेह था।

सीए ने एक बयान में कहा कि कमिंस ने अब फिर से दौड़ना शुरू कर दिया है और जल्द ही गेंदबाजी करना भी शुरू कर देंगे, जिससे यह उम्मीद जगी है कि 32 साल का यह खिलाड़ी 4 दिसंबर से ब्रिस्बेन में होने वाले दूसरे डे-नाइट टेस्ट में हिस्सा लेने के लिए फिट हो सकता है।

हालांकि सीरीज के लिए अभी टीम की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन पर्थ स्टेडियम में जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क के साथ बॉलिंग अटैक में स्कॉट बोलैंड का खेलना लगभग तय है।

ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजी डिपार्टमेंट में अच्छे गेंदबाज होने की वजह से बोलैंड को पिछले कुछ साल में टेस्ट लेवल पर ज़्यादा मौके नहीं मिले हैं, लेकिन जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने ज़्यादातर अच्छा ही परफॉर्म किया है। यह 36 साल का खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की हार्ड पिचों पर खास तौर पर असरदार है और उसने अपने पिछले 14 टेस्ट मैचों में 16.53 की औसत से 62 विकेट लिए हैं। कमिंस 2017-18 सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट के बाद से एशेज मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम का लगातार हिस्सा रहे हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को पहले एशेज जीतने और फिर उसे बनाए रखने में मदद की है। स्मिथ, जिन्हें 2018 में न्यूलैंड्स बॉल-टैम्परिंग स्कैंडल में शामिल होने की वजह से कप्तानी से हटा दिया गया था, उन्होंने अपने रिहैबिलिटेशन के बाद से कमिंस की गैरमौजूदगी में छह बार टीम की कप्तानी की है।

प्रतीका के सेमीफाइनल से पहले फिट होने की उम्मीद : हरमनप्रीत

इंदौर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 30 अक्टूबर को होने वाले सेमीफाइनल मैच से पहले प्रतिका रावल के ठीक होने की संभावना है। प्रतीका को बांग्लादेश के खिलाफ मैच में फील्डिंग के दौरान चोट लग गई थी। इसके बाद वह साथी खिलाड़ियों का सहारा लेकर मैदान से बाहर गईं थीं। प्रतीक ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में अगर वह नहीं खेल पाती है तो भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच रद्द होने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, प्रतीका पर मेडिकल टीम की नजर लगी हुई हैं और उम्मीद है कि वह शीघ्र ही ठीक हो जाएंगी। सेमीफाइनल हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमने लीग मुकाबलों में बहुत अच्छा क्रिकेट खेला है और सभी ने अपना योगदान दिया है जिसे हम आगे भी बनाये रखेंगे। साथ ही कहा कि बारिश से रद्द हुए मैच में भी उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा था। बांग्लदेश से मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। इस मैच में बांग्लादेश के 27 ओवर में 126 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 8.4 ओवर में ही बिना विकेट खोए 57 रन बना लिए थे। बारिश के कारण जब मैच रद्द किया गया तब स्मृति मंधाना 34 जबकि अमनजोत कौर 15 रन बनाकर खेल रहीं थी। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, ''इस मैच में हमने काफी संतुलित गेंदबाजी की थी।

श्रेयस अय्यर अंदरूनी चोट के कारण अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली,27 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे मैच में कैच लेने की कोशिश में चोटिल हुए भारत के एकदिवसीय टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल में भर्ती किया गया है। वह अभी इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में हैं। अय्यर शनिवार को मैच के दौरान एलेक्स कैरी का कैच पकड़ते समय चोटिल हो गए थे। हालांकि शुरू में ऐसा लगा कि उन्होंने चोट के असर को झेल लिया है, लेकिन खबरों के मुताबिक ड्रेसिंग रूम में लौटने पर उन्होंने बेचैनी की शिकायत की और उन्हें तुरंत आगे की जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया।

उम्मीद है कि उन्हें कुछ और दिनों तक आईसीयू में रहना होगा, जिसके बाद उन्हें जनरल वार्ड में शिफ्ट कर दिया जाएगा। उनके माता-पिता उनके साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि स्कैन में पता चला है कि उनकी स्प्लीन में चोट लगी है। उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर है और वे ठीक हो रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के स्पेशलिस्ट्स से सलाह लेकर, उनकी चोट पर करीब से नज़र रख रही है। भारतीय टीम के डॉक्टर श्रेयस के साथ सिडनी में ही रहेंगे ताकि उनकी रोजाना की प्रोग्रेस का पता चल सके।

शुरू में उम्मीद थी कि अय्यर लगभग तीन हफ़्ते तक खेल से बाहर रहेंगे, लेकिन अब उनकी रिकवरी का टाइम और भी बढ़ सकता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वह इलाज पर कितनी जल्दी रिस्पॉन्ड करते हैं। वह भारत की टी-20 टीम का हिस्सा नहीं हैं।

भारतीय भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई ने एशियाई यूथ गेम्स में विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

मनामा,27 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारत की युवा भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई ने रविवार को मनामा में जारी यूथ एशियाई गेम्स में इतिहास रचते हुए गर्ल्स के 44 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 16 वर्षीय प्रीतिस्मिता ने क्लीन एंड जर्क में 92 किलोग्राम भार उठाकर विश्व युवा रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने स्नैच में 66 किलोग्राम उठाया और कुल 158 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

प्रीतिस्मिता ने पहले प्रयास में 87 किग्रा, दूसरे में 90 किग्रा और तीसरे प्रयास में 92 किग्रा का भार उठाकर नया रिकॉर्ड कायम किया। स्नैच में उन्होंने 66 किग्रा का सफल लिफ्ट किया, लेकिन 68 और 69 किग्रा के प्रयासों में असफल रहीं। इस वर्ग में चीन की वू जिहोंग 156 किग्रा (68 स्नैच, 88 क्लीन एंड जर्क) के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि वियतनाम की दाओ थी येन 141 किग्रा के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

उधर, भारत के 17 वर्षीय महराजन अरुमुगापंडियन ने बॉयज़ 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने कुल 256 किग्रा (स्नैच 114 किग्रा, क्लीन एंड जर्क 142 किग्रा) भार उठाया। चीन के चेन शुनफा ने 261 किग्रा (120 स्नैच, 141 क्लीन एंड जर्क) के साथ स्वर्ण पदक जीता।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत का कुल पदक संख्या 23 पर पहुंच गया, जिसमें 3 स्वर्ण, 9 रजत और 11 कांस्य पदक शामिल हैं। शनिवार तक भारत के खाते में 17 पदक (2 स्वर्ण, 6 रजत, 9 कांस्य) थे।

एथलेटिक्स में गर्ल्स मेडले रिले टीम (एडविना जैसन, तन्नू, अविनाश शौर्य और भूमिका नेहाते) ने रजत पदक जीता, जबकि बॉयज़ टीम पांचवें स्थान पर रही।

साइक्लिंग में अंजलि जाखड़ ने गर्ल्स इंडिविजुअल टाइम ट्रायल में चौथा स्थान प्राप्त किया, वह पदक से बस कुछ ही सेकंड दूर रह गईं। भाला फेंक में भारत की सिया बंजारा (42.32 मीटर) और मिस्ती कर्मकार (42.05 मीटर) क्रमशः सातवें और आठवें स्थान पर रहीं। स्वर्ण उज़्बेकिस्तान की परिजोदा तलाबोवा ने 53.08 मीटर थ्रो के साथ जीता। हाई जंप में यशिवता पोतानापल्ली 1.50 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दसवें स्थान पर रहीं, जबकि डिस्कस थ्रो में स्वप्निल दत्ता 51.53 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे।

मुक्केबाज़ी में भारत की खुशी चंद (46 किग्रा) ने सऊदी अरब की वेरीफ मोहम्मद अलशेहरी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि आहना शर्मा (50 किग्रा) ने भूटान की संगय पेल्डोन को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चंद्रिका पुजारी (54 किग्रा) ने जापान की यूई हाताकेयामा को मात दी, जबकि हर्षिका (60 किग्रा) चीन की वांग जिंगजिंग से हार गईं। अंशिका ने 80+ किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान की मावजुदा अब्दुसैदोवा को हराया, वहीं शिवानी तूर (75 किग्रा) चीन की झेंग शान से हारकर बाहर हो गईं।

जीएसटी 2.0 से दोपहिया बाजार में जोरदार उछाल, अक्टूबर में पंजीकरण 18.5 लाख के पार

नई दिल्ली,27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद भारत का दोपहिया वाहन बाजार नई रफ्तार पकड़ चुका है। वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण बढ़कर 18.5 लाख तक पहुंच गया, जो इस साल की अब तक की सबसे ऊंची मासिक संख्या है। सितंबर के 12.9 लाख की तुलना में यह 43 प्रतिशत की तेज़ बढ़त दर्ज करता है। यह सुधार हाल में हुई जीएसटी दरों में कटौती और त्योहारी सीजन की बढ़ी मांग का संयुक्त परिणाम माना जा रहा है। अक्टूबर की यह तेजी जुलाई से सितंबर की सुस्त तिमाही के बाद खुदरा बिक्री में आई सबसे बड़ी बहाली को दर्शाती है।

आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से सितंबर तक पंजीकरण संख्या 13 से 17 लाख के बीच बनी रही थी, जबकि अक्टूबर में यह छलांग लगाकर 18.5 लाख पर पहुंच गई। प्रमुख कंपनियों में हीरो मोटोकॉर्प ने 5,44,856 वाहनों के पंजीकरण के साथ सबसे आगे रहते हुए बाजार में अपनी पकड़ मजबूत की। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया 4,97,498 वाहनों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि टीवीएस मोटर कंपनी ने 3,33,574 पंजीकरण दर्ज किए। इसके अलावा बजाज ऑटो (2,13,123), सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया (96,509), रॉयल एनफील्ड (94,293) और यामाहा मोटर इंडिया (59,515) ने भी मजबूत प्रदर्शन किया।

लेंसकार्ट का 7,278 करोड़ का आईपीओ लॉन्च

नई दिल्ली। सकार्ट सॉल्यूशंस ने 382-402 रुपए प्रति शेयर के मूल्य दायरे के साथ 7,278 करोड़ के आईपीओ की घोषणा की। आईपीओ 31 अक्टूबर से 4 नवंबर तक खुलेगा, जबकि एंकर निवेशक 30 अक्टूबर को बोली लगा सकेंगे। कंपनी नए शेयरों से 2,150 करोड़ जुटाएगी और प्रमोटर व निवेशक 13.22 करोड़ शेयर बेचेंगे। 2008 में स्थापित लेंसकार्ट ने 2010 में ऑनलाइन मंच शुरू किया और 2013 में दिल्ली में पहला स्टोर खोला।

न्यूज ब्रीफ

टाटा ट्रस्ट में जो हो रहा है उसे देखकर दर्द होता है: नोशिर सूनावाला

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टीज के बीच बढ़ते मतभेदों ने टाटा समूह को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। समूह के पुराने दिग्गज और रतन टाटा के करीबी नोशिर सूनावाला ने इस विवाद पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि टाटा समूह में जो कुछ हो रहा है, उसे देखकर दर्द होता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ट्रस्टी आपस में बातचीत से अपने मतभेद दूर करेंगे। सूनावाला वर्ष 1968 में टाटा समूह से जुड़े थे और उन्होंने 2010 में सेवानिवृत्ति ली। समूह के इतिहास में वे कई महत्वपूर्ण वित्तीय अभियानों के सूत्रधार रहे, जिनमें 1995 का 300 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू भी शामिल है, जिसने टाटा कंपनियों को टाटा संस में हिस्सेदारी रखने की अनुमति दी थी। 2019 में उन्होंने टाटा ट्रस्ट्स से भी इस्तीफ़ा दे दिया था। रतन टाटा के निधन 9 अक्टूबर 2024 के बाद टाटा ट्रस्ट्स की 11 और 17 अक्टूबर को हुई बैठकों में कई अहम निर्णय लिए गए। 11 अक्टूबर को ट्रस्टी मेहली मिस्त्री की अध्यक्षता में नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन नियुक्त किया गया। वहीं 17 अक्टूबर की बैठक में उन्हें टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स के नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। इन बैठकों में सूनावाला को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जो नोएल टाटा से उनकी निकटता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अब वे किसी भूमिका में नहीं हैं, पर दूर से समूह की स्थिति देखकर दुख होता है। रतन टाटा के करीबी रहे सूनावाला ने उम्मीद जताई कि आपसी मतभेद जल्द सुलझ जाएंगे ।

पंजाब सरकार ने 112 अमानक दवाओं की बिक्री पर लगाई रोक

चंडीगढ़ । पंजाब सरकार ने राज्य में 112 दवाओं की बिक्री पूरी तरह रोक दी है। ये दवाइयां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सूची में अमानक घोषित की गई हैं। हाल ही में इन दवाओं के सेवन से कुछ लोगों की मौत की खबरें आई थीं। स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने कहा कि इन दवाओं को कभी भी इस्तेमाल न करें। यदि कोई दवा दुकान इन दवाओं को बेच रही है तो तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें। विभाग ने कहा कि आपका स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है। सूची में दवा का नाम, बैच नंबर, निर्माण तिथि, कंपनी और टेस्ट रिपोर्ट की जानकारी शामिल है। इसके अलावा, कुछ एनर्जी ड्रिंक और ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

एक महीने में कार बिक्री 5 लाख यूनिट्स के पार

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पुष्टि की कि अपडेटेड जीएसटी सिस्टम लागू होने के सिर्फ एक महीने में कार बिक्री 5 लाख यूनिट्स के पार चली गई। भारत का ऑटोमोटिव सेक्टर इस साल के त्योहारी सीजन में जीएसटी 2.0 सुधारों के साथ मिलकर रिकॉर्ड प्रदर्शन करने में सफल रहा। 22 सितंबर से लागू हुए रिफॉर्म्स ने बाजार में नई गति लाई और यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 6,50,000 से 7,00,000 यूनिट्स तक पहुंचने की संभावना जताई, जो देश में मजबूत उपभोक्ता मांग का स्पष्ट संकेत है। इस उछाल में सबसे आगे रही मारुति सुजुकी, जिसने इस अवधि में 3,50,000 यूनिट्स की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की। छोटी कारों पर टैक्स कटौती ने कंपनी को जबरदस्त फायदा दिया। टाटा मोटर्स ने भी शानदार प्रदर्शन किया, और पिछली समान अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। खासतौर पर टाटा की इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 37प्रतिशत का उछाल देखा गया, जो ईवी सेगमेंट में कंपनी की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। हुंडई ने औसतन रोजाना 2,500 यूनिट्स की बिक्री कर बाजार में तेजी दिखाई, जबकि महिंद्रा, किआ और टोयोटा ने मिलकर 1,00,000 से 1,50,000 यूनिट्स का आंकड़ा छुआ। त्योहारों के दौरान न सिर्फ शोरूम, बल्कि ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी खरीदारी का क्रेज देखने को मिला। छोटे शहरों और कस्बों में भी तेज डिलीवरी और प्रीमियम उत्पादों के कारण मांग में वृद्धि हुई। साल 2025 में दिवाली की कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस के पप्पू ...

लेकिन राहुल गांधी का गायब होना उनके आत्मसमर्पण या पलायन की सनद है। वोटर अधिकार यात्रा के दौरान बिहार के कोने-कोने में घूमने वाले राहुल गांधी का अचानक नदारद होना यहीं संकेत और संदेश दे रहा है। चुनाव का बिगुल बज चुका है, पहले चरण का नामांकन तक खत्म हो गया, लेकिन राहुल साहब कहीं नजर नहीं आ रहे। ये सवाल अब सिर्फ बिहार के मतदाता ही नहीं पूछ रहे, बल्कि कांग्रेस के कार्यकर्ता भी परेशान होकर यही पूछ रहे हैं। बिहार चुनाव के ठीक बीच में राहुल गांधी का गायब होना किसी ठीक वैसा ही ऊटपटांग लग रहा है, जैसा राहुल गांधी का बोलना। कांग्रेस के अंदर काफी बेचैनी है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, राहुल जी ने वोटर अधिकार यात्रा से पार्टी में जान डाली थी, लेकिन अब उनकी अनुपस्थिति महंगी पड़ रही है। वे दिल्ली में तो इमरती बनाते दिखे, लेकिन बिहार में नहीं दिख रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की इस बैचनी पर पर्दा डालते हुए कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल कहते हैं, राहुल छठ पूजा के बाद बिहार जाएंगे। 29 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर में तेजस्वी के साथ संयुक्त रैली में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों 28 को बिहार पहुंचेंगे। लेकिन आज 27 तारीख हो चुकी, बिहार में राहुल गांधी के आने की कोई सुगबुगाहट नहीं है। इसी सिलसिले में बात उस वोटर अधिकार यात्रा की, जिसने बिहार में हंगामा खड़ा कर दिया था। सितंबर में शुरू हुई वह यात्रा गांव-गांव गई, राहुल गांधी ने आदतन ईवीएम पर सवाल उठाए, वोट चोरी का हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात की। लेकिन सारा बम फुस्स साबित हुआ। एक सितंबर को पटना में राहुल गांधी को न तो मनचाहा समापन मिल पाया और न ही किसी जनसभा को वे संबोधित कर पाए। उसके बाद क्या हुआ? राहुल गांधी दिल्ली चले गए और बिहार वाले अकेले रह गए। कांग्रेस कार्यकर्ता परेशान हैं। यहां तक कि इंडी गठबंधन के पोस्टरों से राहुल गांधी की तस्वीरें तक गायब कर दी गई हैं।बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक पदाधिकारी ने कहा, वोटर अधिकार यात्रा से पार्टी में नई जान आई, लेकिन राहुल की अनुपस्थिति से वह जोश ठंडा पड़ गया। यह अनुपस्थिति महागठबंधन को नुकसान पहुंचा रही है। कांग्रेस के नेता राहुल को बुलाने की मांग कर रहे। लेकिन अब काफी देर हो चुकी है। दूसरी तरफ बिहार के मुख्यमंत्री का चेहरा तय करने में भी देरी लगी। लालू दबाव डालते रहे, तेजस्वी का नाम दो। लेकिन कांग्रेस टालती रही, फिर गहलोत भेजे गए। आखिरकार 23 अक्टूबर को घोषणा की गई कि तेजस्वी यादव ही सीएम पद का चेहरा होंगे, लेकिन इसके बाद से कांग्रेस पूरी तरह ठंडी पड़ गई। अब 29 अक्टूबर को राहुल-तेजस्वी की साझा रैली है, लेकिन साफ दिख रहा है कि इसका सारा क्रेडिट साफ तौर पर आरजेडी को मिलने वाला है। कांग्रेस उम्मीदवार परेशान हैं। एक प्रत्याशी ने बताया, हम पोस्टर लगवा रहे हैं, घर-घर जाकर वोट मांग रहे हैं। लोग पूछते हैं, राहुल जी कहां हैं? उनका भाषण सुनना चाहते हैं। बिना उनके मंच खाली लगता है। कई सीटों पर तैयारी आधी-अधूरी ही रह गई है। बिहार में कांग्रेस का जोश ठंडा पड़ चुका है, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश जगाने के बजाय कांग्रेस नेता राहुल गांधी दिल्ली में इमरती छानते दिखे। कांग्रेस के अंदर कोहराम मचा हुआ है। उम्मीदवार राज्य के नेताओं पर टिकट के बदले उगाही का आरोप लगा रहे हैं। यहां तक कि पप्पू यादव पर भी कई लोगों को टिकट बांटने का आरोप लग रहा है। ऐसे में राहुल गांधी हैं कहां? पार्टी को एकजुट करने के लिए वे क्या कर रहे हैं? ये सवाल बिहारियों के दिमाग में है।सियासी जानकार कहते हैं, यह राहुल की स्टाइल है। भारत जोड़ो यात्रा जैसा मेगा इवेंट करते हैं, फिर अचानक ब्रेक लेकर गायब हो जाते हैं। तफरीह करने विदेश चले जाते हैं। यह अलग बात है कि यह चुनाव में कांग्रेस को काफी महंगा पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी अपनी स्टाइल नहीं छोड़ पाते। इस बार भी राहुल गांधी वही रास्ता अपना रहे हैं। हारेंगे तो फिर से ईवीएम का रोना रोएंगे। अब जनता तो छोड़िए, खुद कांग्रेस भी इस रुदाली से आजिज आ चुके हैं। राहुल गांधी की विदेश यात्राओं की संख्या लगातार बढ़ती रही है। पिछले नौ महीनों में उन्होंने कम से कम छह विदेश यात्राएं की हैं, जिनमें अमेरिका, इटली, वियतनाम, दुबई, कतर, मलेशिया और दक्षिण अमेरिका शामिल हैं। विदेश यात्रा के दौरान उनके कई बयान विचित्र-विवादों में रहते हैं।बहरहाल, बिहार चुनाव के प्रसंग में राहुल गांधी अपनी प्रासंगिकता पूरी तरह खो चुके हैं। बिहार के मतदादा कहते हैं, राहुल गांधी को बिहार के मतदाताओं पर भरोसा नहीं और बिहार के मतदाता कहते हैं कि उन्हें राहुल गांधी पर भरोसा नहीं। राहुल गांधी की अनुपस्थिति बिहार में अब इस तरह की चर्चा का विषय बन चुकी है।

12 राज्यों में ...

करेंगे कि क्या उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था। यदि हां, तो उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है। यदि उनका नाम नहीं, बल्कि उनके माता-पिता का नाम सूची में था, तब भी उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता नहीं है। 2002 से 2004 तक की एसआईआर मतदाता सूची आयोग की वेबसाइट पर देखा और मिलान किया जा सकता है।

पूरे देश में एसआईआर चरणबद्ध तरीके से होगा। जिन 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश में एसआईआर किया जाना है। इसमें अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इन राज्यों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 51 करोड़ हैं, जबकि यहां 5 लाख 33 हजार से ज्यादा पोलिंग स्टेशन और बीएलओ तैनात किए जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि देश में 21 साल पहले आखिरी विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया था। उन्होंने साफ किया कि एसआईआर में सभी योग्य मतदाताओं को जोड़ा जाएगा और अयोग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट से बाहर किया जाएगा। सीईसी ने कहा कि चुनावों से पहले एसआईआर किया जाना सबसे ज्यादा जरूरी है।उन्होंने बताया कि हर घर पर बीएलओ तीन बार जाएंगे और मतदाताओं की जानकारी जुटाएंगे। इस दौरान बीएलओ की जिम्मेदारी होगी कि कोई भी योग्य मतदाता इस अभियान न छूटे और कोई भी अयोग्य मतदाता नहीं जुड़े। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि जिन राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया होनी है, वहां आज रात 12 बजे से मतदाता सूची फ्रीज हो जाएगी। उन्होंने ये भी बताया कि इस प्रक्रिया के दौरान दूसरे राज्यों में प्रवास करने वाले मतदाता ऑनलाइन फॉर्म भर सकेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्तविशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची में सुधार करना और इसमें नए मतदाताओं का समावेश करना है। इसमें नामों की जांच, पुराने मतदाताओं की पुष्टि, और आवश्यक संशोधन शामिल होंगे। आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी। एसआईआर के तहत मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर कर नए मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जिससे चुनावों में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो सके।उल्लेखनीय है कि देश के पांच राज्यों में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। जिन राज्यों में इस समय स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां फिलहाल यह प्रक्रिया नहीं होगी, क्योंकि स्थानीय स्तर का प्रशासन चुनावी कामकाज में व्यस्त रहेगा। चुनाव आयोग के अनुसार, आज रात 12 बजे से 12 राज्यों में एसआईआर का दूसरा चरण शुरू हो रहा है, जो 7 फरवरी 2026 तक पूरा हो जाएगा। यानि 7 फरवरी 2026 को नई मतदाता सूची सामने आ जाएगी। चुनाव आयोग एसआईआर लागू करने की रूपरेखा तय करने के लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ पहले ही दो बैठकें कर चुका है। कई सीईओ ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद की मतदाता सूचियां अपनी वेबसाइटों पर डाल दी हैं।

असम में ...

प्रक्रिया अपनानी होगी। इसलिए यह प्रक्रिया अलग से चलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) स्वतंत्रता के बाद से नौवां ऐसा अभ्यास है। ऐसी कोशिश पिछली बार 2002-04 में हुई थी।

भारत और...

सिक्योरिटी में और मजबूती देंगे। सांस्कृतिक विरासत बचाएँगे, लोगों के रिश्ते मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी हमारी है, भारत और आसियान की। आसियान विजन 2045 और विकसित भारत 2047 से पूरी दुनिया को बेहतर भविष्य मिलेगा। पीएम मोदी ने तिमोर-लेस्ते को नए सदस्य के रूप में स्वागत किया और थाईलैंड की राजमाता के निधन पर संवेदना जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी समिट में शामिल हुए हैं।

आसियान सम्मेलन में वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने आसियान-भारत साझेदारी को मजबूत करने के लिए तीन प्रमुख क्षेत्रों का प्रस्ताव रखा। उन्होंने आर्थिक संबंधों, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और पर्यटन में सहयोग बढ़ाने तथा समुद्री सहयोग और टिकाऊ नीली अर्थव्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि विकासशील देशों की आवाज को सशक्त बनाने में भारत ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की जरूरत है और स्थायी और समावेशी विकास के लिए आपसी लाभों का पूरा उपयोग किया जाना चाहिए। दूसरा, उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में लोगों के बीच संपर्क और सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। तीसरा, उन्होंने समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने और एक टिकाऊ ब्लू इकॉनमी यानी नीली अर्थव्यवस्था विकसित करने के महत्व पर जोर दिया।

वियतनामी प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यवसायों, खासकर छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) की भूमिका को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आसियान-भारत व्यापार परिषद का पुनर्गठन करने, उच्च प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय उर्जा, बुनियादी ढांचा, लॉजिस्टिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में निवेश की जरूरत है। साथ ही मेकांग-गंगा उपक्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समुद्री सहयोग बढ़ाने के लिए समुद्री परिवहन, विज्ञान और उद्योग में सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने आसियान के पूर्वी सागर (दक्षिण चीन सागर) पर रुख का समर्थन जारी रखने, नौहवन सुरक्षा, स्वतंत्रता और शांति सुनिश्चित करने व अंतरराष्ट्रीय कानून, खासतौर पर 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के अनुसार विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि भारत ने क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और वैश्विक एजेंडा में विकासशील देशों की आवाज को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने वियतनाम की ओर से भारत की एक्ट ईस्ट नीति और आसियान के साथ व्यापक व ठोस सहयोग को मजबूत करने के प्रयासों के लिए समर्थन दोहराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेजी से बदलते और बदलते वैश्विक परिदृश्य में आसियान और भारत के पास संयुक्त रूप से दो अरब से अधिक की आबादी और करीब आठ ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल जीडीपी है।

मलयेशिया में आयोजित 47वें आसियान शिखर सम्मेलन में आसियान-भारत संयुक्त नेताओं का बयान ऑन सस्टेनेबल टूरिज्म को अपनाया गया। इस बयान में सभी देशों ने मिलकर यह संकल्प लिया कि पर्यटन को इस तरह विकसित किया जाए जिससे पर्यावरण सुरक्षित रहे, समाज को समान लाभ मिले और स्थानीय अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिले। भारत और आसियान देशों ने रविवार को कहा कि टिकाऊ पर्यटन का मकसद सिर्फ पर्यावरण की रक्षा नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की आर्थिक नींव को मजबूत करना भी है। आसियान-भारत संयुक्त नेताओं का बयान जारी किया गया है। भारत और आसियान का यह साझा कदम न केवल पर्यटन के क्षेत्र में नई दिशा देगा, बल्कि आर्थिक स्थिरता और सामाजिक समानता को भी मजबूती से आगे बढ़ाएगा।संयुक्त बयान में कहा गया कि आर्थिक स्थिरता टिकाऊ पर्यटन की बुनियाद है। इसमें चार प्रमुख बिंदु शामिल हैं, आर्थिक रूप से व्यवहारिक और टिकाऊ गतिविधियों को बढ़ावा देना। सभी हितधारकों को सामाजिक-आर्थिक लाभ समान रूप से उपलब्ध कराना। स्थायी रोजगार और आय के अवसर पैदा करना और आर्थिक लाभ का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना।नेताओं ने यह भी कहा कि पर्यटन के विकास में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भूमिका जरूरी है। इसके लिए कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता को बढ़ावा देने और समुदाय-आधारित पर्यटन योजनाओं पर काम करने की बात कही गई। उद्देश्य यह है कि पर्यटन से होने वाली आय सीधे लोगों के जीवन स्तर को बेहतर करे। बयान में महिलाओं और युवाओं को पर्यटन उद्योग में अधिक भागीदारी देने पर भी जोर दिया गया। इको-टूरिज्म को बढ़ावा देकर भीड़भाड़ और प्राकृतिक स्थलों के अत्यधिक उपयोग को रोकने की योजना है। नेताओं ने कहा कि पर्यटन को डेटा आधारित और तकनीक समर्थ बनाना होगा। इसके लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने, पर्यटकों की आवाजाही का विश्लेषण करने और नई तकनीकों से अनुभव को बेहतर करने की आवश्यकता बताई गई।

भारत ने 60...

कमांडर अबीसन फ्रैंको ने भारतीय पक्ष का नेतृत्व किया, जबकि बीजीबी सूबेदार शहाबुद्दीन बांग्लादेश की तरफ से थे। दूसरी फ्लैग मीटिंग में कथुली बीजीबी के कंपनी कमांडर सूबेदार मो. मिजानुर रहमान और बीएसएफ ताइमपुर कैंप के कंपनी कमांडर अनोज कुमार मौजूद थे। सूबेदार शहाबुद्दीन ने कहा, जेल की सजा पूरी करने के बाद इन्हें आज सही प्रक्रिया से बांग्लादेश वापस भेजा गया। यह प्रक्रिया सामान्य नियमों के मुताबिक हुई, दोनों तरफ से दस्तावेज पूरे करके सरल तरीके से सौंपा गया।

बांग्लादेशी अधिकारियों ने वापस आए लोगों की पहचान जांच की और फिर परिवार वालों से मिलने दिया। परिवार वालों को सौंपने के बाद सूचना दी गई। गंगनी थाने के ओसी बानी इसराइल ने बताया कि गंगनी के काजीपुर और कथुली बीजीबी ने कुल 60 लोगों को गंगनी थाने सौंपा है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन्हें परिवार को सौंप दिया जाएगा। यह कार्रवाई भारत की सख्त बॉर्डर सिक्योरिटी के बीच हुई है। अवैध घुसपैठ रोकने के लिए गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई है।

डिजिटल अरेस्ट...

थाईलैंड जैसे विदेशी ठिकानों से जुड़ी हुई हैं। कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह इन मामलों की जांच के लिए एक ठोस कार्य योजना तैयार करें और कोर्ट को प्रस्तुत करें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम सीबीआई की जांच की प्रगति की निगरानी करेंगे और जरूरत पड़ने पर आगे के निर्देश भी जारी करेंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने एजेंसी से यह भी पूछा कि क्या उन्हें इन मामलों की जांच के लिए अधिक संसाधन या विशेषज्ञों की आवश्यकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी याद दिलाया कि उसने 17 अक्टूबर को डिजिटल अरेस्ट के नाम पर हो रही ऑनलाइन ठगी पर स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने कहा था कि ऐसे अपराध जनता के न्याय व्यवस्था पर भरोसे की जड़ पर वार करते हैं।

यह मामला तब चर्चा में आया जब हरियाणा के अंबाला में एक वरिष्ठ नागरिक दंपति को फर्जी न्यायिक आदेश दिखाकर 1.05 करोड़ रुपए की ठगी का शिकार बनाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कोई सामान्य अपराध नहीं है, बल्कि एक ऐसा नेटवर्क है जिसके खिलाफ राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर समन्वित कार्रवाई जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट अब 3 नवंबर को इस मामले की अगली सुनवाई करेगा।

आवारा कुत्तों पर...

क्षेत्र (एनसीआर) की सीमाओं से आगे बढ़ाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया था। अपने 22 अगस्त के आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर ने आवारा कुत्तों को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे। अदालत ने कुत्तों को नसबंदी और दवा देने के बाद छोड़ने का आदेश दिया था।

एक दशक में...

अमित शाह ने कहा कि भारत की समुद्री ताकत और सुरक्षा की दृष्टि से इसकी लोकेशन बेहद अहम है। भारत की तट रेखा 11 हजार किलोमीटर लंबी है। देश में 13 तटीय राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं। देश की जीडीपी में समुद्री व्यापार करीब 60 प्रतिशत है। हिंद महासागर के 28 देश वैश्विक निर्यात में 12 प्रतिशत का योगदान देते हैं। आज मेरीटाइम सम्मेलन के जरिए हम वैश्विक निवेशकों और वैश्विक मेरीटाइम इंडस्ट्री के सामने अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में भारत मेरीटाइम वीक सबसे प्रतिष्ठित मंच बनकर उभरा है। यह सम्मेलन का चौथा संस्करण है और मुझे उम्मीद है कि ये विकसित भारत के लक्ष्य को पाने में अहम योगदान देगा। यहां 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश के अवसर बनेंगे।

महाराष्ट्र में भाजपा...

मेहनत से भारत का प्रधानमंत्री बना। अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा बैसाखियों पर नहीं, बल्कि अपने बल पर चलती है। केंद्र और राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी को इस साल के अंत में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव भी जीतने चाहिए। इतनी मेहनत करो कि विपक्ष का सफाया हो जाए। वे दूरबीन से भी नजर न आएं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि जो पार्टी अपने कामकाज में लोकतंत्र को कायम नहीं रख सकती, वह देश के लोकतंत्र की रक्षा कभी नहीं कर सकती। यह सभी वंशवादी पार्टियों के लिए एक कड़ा संदेश है। शाह ने कहा कि भाजपा के लिए पार्टी कार्यालय एक मंदिर की तरह है। उन्होंने कहा, यहीं से पार्टी के कार्यक्रमों और नीतियों की कल्पना की जाती है और यह पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण स्थल है।अमित शाह ने कहा कि जनसंघ के दिनों से ही विचारधारा से प्रेरित राजनीति और जन कल्याण भाजपा की पहचान रही है। 1980 में जब भाजपा का गठन हुआ था, तब से 18 वर्षों तक देश का नेतृत्व भाजपा नेताओं ने किया है और यह गर्व की बात है। शाह ने पार्टी की सफलता का श्रेय नेताओं और कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत, त्याग और प्रतिबद्धता को दिया। उन्होंने कहा, उनके द्वारा बोए गए बीजों की वजह से ही भाजपा एक वटवृक्ष बन पाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर चलती है और मेहनती और प्रदर्शन-उन्मुख कार्यकर्ता पार्टी पदानुक्रम में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं बूथ अध्यक्ष था और राष्ट्रीय अध्यक्ष बना, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो एक गरीब परिवार से हैं, अपनी प्रतिबद्धता और त्याग के कारण तीन बार देश का नेतृत्व कर पाए।

अमित शाह ने 55,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले नए राज्य भाजपा कार्यालय पर प्रसन्नता व्यक्त की, जिसमें एक पुस्तकालय, बैठक कक्ष, सम्मेलन कक्ष, 400 सीटों वाला एक सभागार और राज्य भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के कार्यालय शामिल हैं। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को याद रहेगा कि वे पार्टी की बदौलत इस पद पर पहुंचे हैं। शाह ने कहा कि पार्किंग के लिए बहु-स्तरीय बेसमेंट होगा। उन्होंने आगे कहा, मैंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से कहा है कि मेरे जैसे पार्टी कार्यकर्ताओं के रहने के लिए तीन-चार कमरे होने चाहिए।

1 नवंबर से गूंजेगी शहनाई, बजेंगे बैंड बाजे

इस साल 1 नवंबर 2025 को देवउठनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। देवउठनी एकादशी से मंगलकार्य शुरू हो जाते हैं और इसके अगले दिन तुलसी विवाह किया जाता है। मान्यता है कि देवउठनी एकादशी को भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं। उसके बाद मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार कार्तिक शुक्ल एकादशी तिथि 1 नवंबर 2025 को सुबह 09: 11 मिनट से शुरू होगी। 2 नवंबर की सुबह 07:31 मिनट तक रहेगी। इस आधार पर देवउठनी एकादशी 1 नवंबर को मनाई जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं। शुभ कार्यों के द्वार खुलते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से समस्त पापों का नाश होता है। घर में सुख-समृद्धि आती है। देवउठनी एकादशी 1 नवंबर को मनाई जाएगी। इसके अगले दिन तुलसी विवाह होगा। इसके साथ विवाह मुहूर्त का सिलसिला शुरू हो जाएगा।

करीब पांच महीने से थमी शहनाइयों की गूंज अब फिर से बजने को तैयार है। 11 जून को गुरु अस्त होने और 6 जुलाई से चातुर्मास लगने से जिन शुभकायों पर विराम लग गया था, वे अब । नवंबर को देवउठनी एकादशी से पुनः शुरू होंगे। 142 दिनों बाद फिर सावों का शुभ काल लौटेगा। इसके लिए शहर को वाटिकाओं, विवाह भवनों, डीजे बैंड वालों और कैटरर्स की पहले से ही बुकिंग हो चुकी है। विवाह पारले परिवारों में तैयारियों की हलचल शुरू हो चुकी है। श्राद्ध पक्ष समाप्त होते ही घर-घर में नियंत्रण छपने और खरीदारी के दौर शुरू हो गए थे।

1 नवंबर को देवउठनी एकादशी के साथ देवता जाग्रत होंगे और विवाह शुभ कार्य आरंभ होंगे। इस बार नवंबर में सावों का सिलसिला 15 दिनों का रहेगा। फिर 16 दिसंबर से मलमास की शुरुआत होगी। जो 14 जनवरी 2026 तक चलेगा। इसके अलावा 12 दिसंबर से शुक्र अस्त हो जाएगा। जो 1 फरवरी 2026 को उदय होगा। इस दौरान 51 दिनों तक विवाह और अन्य मंगल कार्य स्थगित रहेंगे। 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी का अबूझ मुहूर्त रहेगा इस दिन बिना पंचांग देखकर भी विवाह वह शुभ कार्य करना शुभ माना गया है।

देवउठनी एकादशी तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार कार्तिक शुक्ल एकादशी तिथि 1 नवंबर 2025 को सुबह 09:11 मिनट से शुरू होगी। 2 नवंबर की सुबह 07:31 मिनट तक रहेगी। इस आधार पर देवउठनी एकादशी 1 नवंबर को मनाई जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं। शुभ कार्यों के द्वार खुलते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से समस्त पापों का नाश होता है। घर में सुख-समृद्धि आती है।

तुलसी विवाह

देवउठनी एकादशी के अगले दिन द्वादशी तिथि पर तुलसी विवाह का आयोजन होता है। साल 2025 में यह 2 नवंबर को होगा। पंचांग के अनुसार द्वादशी तिथि 2 नवंबर को सुबह 07:31 बजे से शुरू होकर 3 नवंबर को सुबह 05:07 बजे समाप्त होगी। इस दिन भगवान शालिग्राम और तुलसी जी का विवाह कराया जाता है। मान्यता है कि तुलसी विवाह कराने से दांपत्य जीवन सुखमय होता है और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

नवंबर-दिसंबर विवाह मुहूर्त

नवंबर: 2, 3, 5, 8, 12, 13, 16, 17, 18, 21, 22, 23, 25, 30

दिसंबर: 4, 5, 6

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

खरमास में मांगलिक कार्यों पर रोक

16 दिसंबर 2025 को खरमास शुरू हो जाएगा, जो 3 फरवरी 2026 तक चलेगा। इस दौरान बिवाह जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाएंगे। इसके बाद फरवरी और मार्च माह में फिर विवाह का सीजन शुरू होगा।

फरवरी और मार्च 2026 में मुहूर्तों की बहार

खरमास समाप्त होने के बाद फरवरी में 16 दिन विवाह के लिए उपयुक्त रहेंगे। फरवरी में 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 19, 20, 21, 24, 25 और 26 को लग्न का मुहूर्त है। वहीं मार्च में 11 मुहूर्त होंगे। इसमें 2, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13 और 14 मार्च को शुभ लग्न मुहूर्त है। 14 मार्च के बाद फिर से मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा।

वरिष्ठ योग से चमकेगी सिंह-मकर की किस्मत इन राशियों की नौकरी में मिलेगी सफलता

आज यानी 28 अक्टूबर 2025, मंगलवार को सूर्य से तीसरे भाव में धनु राशि में चंद्रमा के स्थित होने से वरिष्ठ योग बन रहा है। ऐसे में यह योग सभी राशियों के लिए मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। मेष राशि के जातकों को कार्यस्थल पर तनाव हो सकता है। वृषभ राशि वालों को राजकीय मामलों में सफलता मिलती हुई दिख रही है। हालांकि इस दौरान आपको अपनी वाणी पर कंट्रोल रखना होगा। मिथुन राशि के जातकों को किसी प्रकार का सम्मान मिलता दिख रहा है। कर्क के लिए धन वृद्धि के योग बन रहे हैं। सिंह राशि वालों को नौकरी-व्यापार में लाभ मिलेगा। वहीं, कन्या राशि के जातकों को परिश्रम से सफलता मिलेगी, लेकिन खर्चे बढ़ते हुए दिख रहे हैं। तुला को सत्ता-पक्ष से सहयोग मिलेगा। वृश्चिक का पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। जबकि धनु को आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे और मकर राशि वालों की योजनाएं सफल होंगी।

मेष : रिश्तेदार के कारण तनाव होगा

राशि स्वामी मंगल वृश्चिक राशि में पहुंच चुके हैं और चंद्रमा आज दशम भाव में गोचर कर रहा है। यह स्थिति घरेलू सुख-सुविधाओं में वृद्धि का संकेत देती है। कार्यक्षेत्र में किसी नजदीकी रिश्तेदार के कारण तनाव की स्थिति भी बनती हुई दिख रही है। इसलिए धैर्य और संयम बनाए रखना होगा। आज आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। रुपए-पैसे के लेन-देन में जल्दबाजी न करें। ससुराल पक्ष से लाभ मिलने की संभावना बन रही है। वाहन चलाते समय सतर्क रहने की जरूरत है।

वृषभ : स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें

राशि स्वामी शुक्र द्वादश भाव में विराजमान हैं और राहु कुंभ राशि में दशम भाव में है। ऐसे में यह योग आपके कार्यक्षेत्र में लाभदायक साबित होगा। लंबे समय से चल रहे आपके प्रयास सफल होंगे। इस दौरान उच्च पदाधिकारियों का सहयोग मिलने से आर्थिक लाभ की संभावना है। आज आर्थिक दृष्टि से दिन बेहतरीन रहने वाला है। हालांकि अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए जरूरी है। इस दौरान अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें। किसी पुरानी बीमारी के उभरने के आसार दिख रहे हैं।

मिथुन : मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी

आज चंद्रमा आपकी राशि से सप्तम भाव में स्थित है जो दांपत्य जीवन में सामंजस्य का संकेत दे रहा है। वहीं षष्ठम भाव में स्थित बुध आपके व्यावसायिक मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगा। आप किसी महत्व-पूर्ण कार्य में सफलता प्राप्त करेंगे। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इस दौरान आपको प्रभावशाली व्यक्तियों का साथ मिलेगा। हालांकि ससुराल पक्ष से किसी कारण तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मित्रों के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे और उनसे सहयोग मिलेगा।

कर्क : पारिवारिक माहौल सुखद बना रहेगा

आज आपकी राशि के स्वामी चंद्रमा पंचम भाव में स्थित हैं जो धन संचय और कोष वृद्धि का संकेत देता है। इस दौरान दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा और पारिवारिक माहौल सुखद बना रहेगा। पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होने की संभावना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को प्रयास सफल होंगे। प्रेम संबंधों में स्थिरता आती दिख रही है। विरोधियों पर आपको विजय प्राप्त होगी। हालांकि मानसिक तनाव और हल्का शारीरिक कष्ट महसूस हो सकता है।

सिंह : प्रमोशन की स्थिति बनती दिख रही है

चंद्रमा आज चतुर्थ भाव में और राहु अष्टम भाव में सक्रिय है, जिससे आपके प्रभाव और व्यक्तित्व में निखार आएगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। इस दौरान नौकरी में प्रमोशन की स्थिति बनती दिख रही है। वाहन या संपत्ति से संबंधित कोई लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वाह सफलतापूर्वक कर पाएंगे। इस दौरान यात्रा के योग बन रहे हैं। ये यात्राएं आपके भविष्य के लिए लाभकारी साबित होंगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से भेंट लाभप्रद सिद्ध हो सकती है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं।

कन्या : खर्चों में वृद्धि की संभावना

आज चंद्रमा आपके पराक्रम भाव में स्थित है, जो साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि का संकेत दे रहा है। कामकाजी जीवन में अच्छे परिणाम मिलेंगे। व्यापार में लाभ की संभावना बनती हुई दिख रही है। हालांकि खर्चों में वृद्धि की संभावना दिख रही है। इसलिए आर्थिक संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। खान-पान में लापरवाही न करें। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है। इस दौरान विरोधियों पर आपको विजय प्राप्त होगी। भाई-बहनों से सहयोग मिलेगा। नए कार्यों की शुरुआत के लिए समय अनुकूल है।

तुला : दांपत्य जीवन में सहयोग बढ़ेगा

राशि स्वामी शुक्र द्वादश भाव में और चंद्रमा आज तृतीय भाव में स्थित है। यह संयोजन राजनीतिक और सामाजिक मामलों में लाभ प्रदान करेगा। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। इस दौरान पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और मित्रों से सहयोग मिलेगा। दांपत्य जीवन में सहयोग और समझ बढ़ेगी। हालांकि आर्थिक मामलों में पैसों का आना-जाना लगा रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक : आर्थिक मामलों में सुधार होगा

राशि स्वामी मंगल अपनी ही राशि में स्थित होकर आपको मजबूत आत्मविश्वास प्रदान कर रहे हैं। चंद्रमा द्वितीय भाव में स्थित है, जिससे पारिवारिक जीवन सुखद बना रहेगा। आर्थिक मामलों में सुधार होता दिख रहा है। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। सरकारी अधिकारियों के सहयोग से अटके हुए कार्य पूरे होंगे। हालांकि किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका भी बन रही है, इसलिए सावधानी बरतें। फालतू के खर्चों को नियंत्रित करने की कोशिश करें।

धनु : धन लाभ के योग बन रहे हैं

देवगुरु बृहस्पति आपकी राशि से सप्तम भाव में और चंद्रमा द्वादश भाव में गोचर कर रहे हैं। यह स्थिति आर्थिक मामलों में सफलता दिला सकती है। धन लाभ के योग बन रहे हैं। नए स्रोतों से आमदनी होने की संभावना बन रही है। हालांकि इस दौरान आपको खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। इस दौरान अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खान-पान में संयम बरतें। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा और ससुराल पक्ष से लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।

मकर : आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा

राशि स्वामी शनि तृतीय भाव में स्थित हैं और राहु द्वितीय भाव में प्रभाव दे रहा है। यह योग आपकी कार्य क्षमता और नेतृत्व कौशल में वृद्धि करेगा। इससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नई जिम्मेदारियों के अवसर मिल सकते हैं। हालांकि कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। विरोधी आज शांत रहेंगे और आपकी उन्नति से प्रभावित होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

कुंभ : घरेलू जीवन में खुशहाली बनी रहेगी

चंद्रमा के एकादश भाव में स्थित होने से कुंभ राशि के जातकों के लिए यह दिन आर्थिक दृष्टि से शुभ रहने वाला है। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना बन रही है। यदि आप नौकरी परिवर्तन की सोच रहे हैं, तो आज शुभ समाचार मिल सकता है। धन लाभ के अवसर भी आपको मिलेंगे। घरेलू जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। खानपान में सावधानी रखें वरना स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकता है। झगड़ों और विवादों से दूरी बनाए रखें। कारोबार में सहयोगियों का साथ मिलेगा।

मीन : माता-पिता का सहयोग मिलेगा

राशि स्वामी बृहस्पति चतुर्थ भाव में स्थित हैं जो मान-सम्मान में वृद्धि का संकेत देते हैं। कार्यक्षेत्र में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे और आपको नया अवसर प्राप्त हो सकता है। घर-परिवार में सम्मान बढ़ेगा और माता-पिता का सहयोग मिलेगा। यदि आप राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं तो आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। अपने काम को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं, सफलता अवश्य मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें और नियमित दिनचर्या अपनाएं। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

आंवला नवमी 31 को मनाई जाएगी

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को अक्षय नवमी का पर्व मनाया जाता है। इसे आंवला नवमी के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार देवउठनी एकादशी से दो दिन पहले पड़ता है। ऐसा माना जाता है कि अक्षय नवमी के दिन ही सतयुग की शुरुआत हुई थी। इस दिन किया गया पुण्य अक्षय फल देने वाला माना जाता है। अक्षय नवमी का संबंध आंवले से भी है। इस दिन आंवले का सेवन करना और आंवले के पेड़ के नीचे भोजन बनाकर खाने से अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। अक्षय नवमी के दिन मथुरा और वृंदावन में परिक्रमा लगाई जाती है। इस साल अक्षय नवमी की तारीख को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति है।

अक्षय नवमी कब है?

पंचांग के अनुसार कार्तिक के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि की शुरुआत 30 अक्टूबर 2025, गुरुवार को सुबह 10 बजकर 06 मिनट से होकर अगले दिन 31 अक्टूबर 2025, शुक्रवार को सुबह 10 बजकर 03 मिनट पर नवमी तिथि समाप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार उदया तिथि को माना जाता है। इसलिए इस बार अक्षय नवमी 31 अक्टूबर 2025 को मनाई जाएगी।

अक्षय नवमी पर शुभ मुहूर्त

आंवले को भगवान विष्णु का प्रिय फल माना गया है। मान्यता है कि इस दिन किए गए दान-पुण्य कार्यों का अक्षय फल प्राप्त होता है। अक्षय नवमी पर पूजा का शुभ मुहूर्त 31 अक्टूबर 2025, शुक्रवार को सुबह 06 बजकर 38 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 03 मिनट तक रहेगा। ऐसे में आंवले के पेड़ की पूजा करने और भजन के लिए 03 घंटे 25 मिनट का समय मिलेगा।

अक्षय नवमी पूजा विधि

- सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें।
- घर या मंदिर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करें।
- पीले पुष्प, तुलसी दल, दीपक, धूप और नैवेद्य अर्पित करें।
- ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का पाठ करें।
- इसके बाद आंवला वृक्ष की पूजा करें।
- कच्चे सूत से वृक्ष की परिक्रमा करें और जल अर्पित करें।
- इसके बाद हल्दी, रोली, फूल और दीपक से पूजन करें।
- गरीबों और ब्राह्मणों को भोजन तथा दान दें।
- आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर भोजन करें।

गंगा स्नान 5 नवंबर को किया जाएगा

जानें तारीख, महत्व और इस दिन क्या करें

गंगा स्नान का हिंदू धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि के दिन गंगा स्नान किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि गंगा स्नान के दिन गंगा में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं गंगा स्नान कब किया जाएगा। साथ ही जानें गंगा स्नान का महत्व।

कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 4 नवंबर को रात में 10 बजकर 37 मिनट पर होगी और इस तिथि का समापन 5 नवंबर को शाम में 6 बजकर 49 मिनट पर होगा। उदय तिथि के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा का स्नान 5 तारीख को किया जाएगा। शास्त्रों के अनुसार, पूर्णिमा स्नान के लिए सुबह के समय पूर्णिमा तिथि का होना जरूरी है।

गंगा स्नान का महत्व

मान्यता है कि कार्तिक मास में गंगा स्नान करने से व्यक्ति को अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। साथ ही गंगा में स्नान करने वालों को मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। ऐसी मान्यता है कि गंगा स्नान के बाद दान पुण्य करना चाहिए। अपनी क्षमता के अनुसार, अन्न, वस्त्र आदि का दान जरुरतमंदों को करना से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा तिथि के दिन देवी देवता पृथ्वी पर आते हैं और गंगा पर स्नान करते हैं। इस दिन गंगा में स्नान करने से देवी देवताओं का आशीर्वाद भी मिलता है।

गंगा स्नान के दिन क्या करें

- सुबह जल्दी उठें यानी इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें।
- स्नान करके वैदिक मंत्रों का जप करें। आप चाहें को भगवान शिव के मंत्रों का जप करें। इस बात का ध्यान रखें कि अगर आप गंगा में स्नान के लिए नहीं जा सकते हैं तो घर में पानी में थोड़ा गंगा जल मिलाकर स्नान करें।
- इस दिन स्नान करके सूर्यदेव को जल अर्पित करें और गंगा मैया की पूजा करें। उनकी आरती करें।
- इस दिन गंगा में दीप दान करना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में सुख समृद्धि आती है। साथ ही इस दिन दान पुण्य भी जरूर करें।

छठ से देवोलीना भट्टाचार्जी को इतना लगाव क्यों? एक्ट्रेस ने बताई एक साल बाद की इच्छा

टीवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी को पिछली बार टीवी सीरियल 'छठी मैया की बिटिया' में एक देवी की भूमिका में देखा गया था। उन्होंने इंटरव्यू में बताया कि वह छठी मैया के साथ एक खास लगाव महसूस करती हैं। छठ पूजा के अवसर पर देवोलीना ने छठी मैया के महत्व और अपने पौराणिक शो में उनकी भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि सीरियल की शूटिंग के दौरान ही उन्हें खुद के प्रेग्नेंट होने की खुशखबरी मिली थी।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने कहा, मुझे सीरियल छठी मैया की शूटिंग के दौरान सेट पर ही अपनी गर्भावस्था के बारे में पता चला। मैं गर्भावस्था के सातवें महीने तक शूटिंग कर रही थी, इसलिए तकनीकी रूप से अपनी पूरी गर्भावस्था के दौरान मैं छठी मैया की शूटिंग कर रही थी। यही कारण है कि यह शो मेरे लिए अधिक यादगार है।

अभिनेत्री ने छठ पूजा के बारे में बात करते हुए बताया, मुझे नहीं पता था कि छठ का त्योहार बच्चों के लिए मनाया जाता है। हां, मुझे पता था कि यह बिहार में मनाया जाता है, लेकिन शो छठी मैया की शूटिंग के दौरान मुझे इसके बारे में और पता चला और अब मैं इससे बहुत जुड़ी हुई हूं।

देवोलीना ने शारदा सिन्हा पर भी बात की। उन्होंने बताया कि वह उनके गाने बहुत पसंद करती हैं। देवोलीना ने कहा, मुझे छठी मैया के गाने बहुत पसंद हैं। शारदा जी, जो पिछले साल हमें छोड़कर चली गईं, उनके गाने मुझे बहुत पसंद हैं। वे दिल को छू लेने वाले हैं।

उनसे यह पूछा कि जब उन्हें इस सीरियल का ऑफर मिला तो उन्हें कैसा लगा, इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, जब मुझे यह प्रस्ताव मिला तो मुझे अच्छा लगा। सच कहूं तो, मैं थोड़ी संशय में थी, क्योंकि मैंने पहले कभी कोई पौराणिक किरदार नहीं निभाया था। इस शैली में मेरा यह पहला किरदार था। यह पहली बार था कि छठी मैया पर कोई शो बन रहा था, इसलिए मुझे भी यह बहुत अच्छा लगा। पूरे समय सब कुछ बहुत सकारात्मक और शांत रहा। देवोलीना ने बताया कि वह इस साल तो नहीं, लेकिन आने वाले समय में यह व्रत जरूर करना चाहेंगी।

सैफ अली खान और पुलकित सम्राट एक साथ नज़र आएंगे टिप्स फिल्म्स की नई फिल्म में

बॉलीवुड दर्शकों के लिए एक शानदार सरप्राइज़ तैयार है, क्योंकि सैफ अली खान और पुलकित सम्राट पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर नज़र आने वाले हैं। यह फिल्म स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित होगी, जो मशहूर निर्माता रमेश तौरानी की बेटी हैं। टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली यह अनटाइटल्ड फिल्म अनुभव और युवा जोश का एक अनोखा मेल पेश करने का वादा करती है। फिल्म ने आधिकारिक रूप से 27 अक्टूबर 2025 को हुए मुहूर्त समारोह के साथ अपनी शुरुआत की, और तभी से यह प्रोजेक्ट आने वाले साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन चुका है। स्नेहा तौरणी, जिन्होंने 'भांगड़ा पा ले' से अपना निर्देशन करियर शुरू किया था, अब इस नई फिल्म के जरिए एक बार फिर दर्शकों को एक जीवंत और एंगेजिंग सिनेमैटिक अनुभव देने जा रही हैं।

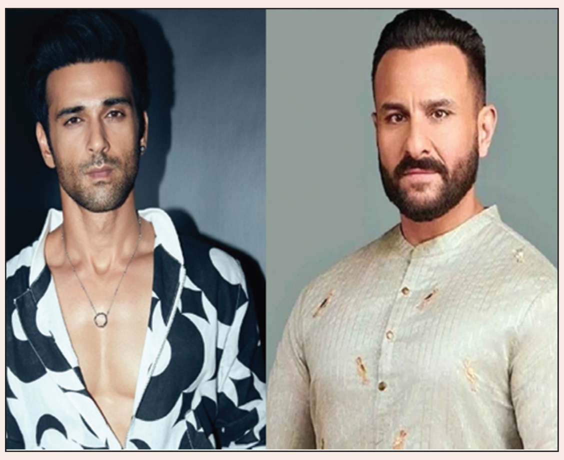

सैफ अली खान, जो मेनस्ट्रीम और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच सहजता से जुड़ते रहे हैं, हाल के समय में थिएटर और ओटीटी, दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को प्रभावित कर चुके हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ उनकी मौजूदगी फिल्म को स्टार पावर और गहराई दोनों प्रदान करती है। वहीं पुलकित सम्राट, अपनी करिश्माई स्क्रीन प्रेज़ेंस और एनर्जी से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। सैफ के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को एक फ्रेश और दिलचस्प कैमेस्ट्री का अनुभव करा सकती है, जिसमें दो अलग-अलग अभिनय शैलियां मिलकर एक मनोरंजक और भावनात्मक कहानी बुनेंगी।

स्नेहा तौरणी के निर्देशन और रमेश तौरणी के प्रोडक्शन के साथ, सैफ अली खान और पुलकित सम्राट की यह फिल्म 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक बनती जा रही है, जिसमें दमदार परफ़ॉर्मेंस, टैलेंटेड टीम और एक नई सिनेमैटिक विज़न का परफेक्ट संगम नजर आएगा।

कपिल शर्मा संग किस किस को प्यार करूं 2 में दिखेंगी पारुल गुलाटी, शेयर किया अपना अनुभव

मनोरंजन जगत में लंबे समय तक मेहनत और संघर्ष के बाद जब किसी कलाकार को बड़ा मौका मिलता है, तो वह न सिर्फ उनके करियर का बल्कि उनके जीवन का भी अहम मोड़ बन जाता है। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए यह पल अब आ चुका है। करीब 15 साल के सफर के बाद, वह आखिरकार अपनी पहली बॉलीवुड थियेट्रिकल फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर उतरने जा रही हैं।

फिल्म का नाम है 'किस किस को प्यार करूं 2', जिसमें वह भारत के कॉमेडी किंग कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इस मौके को लेकर बात करते हुए पारुल ने कहा कि उन्हें लगता है जैसे उनकी मेहनत का हर छोटा कदम अब एक सुंदर इनाम में बदल गया है।

पारुल ने कहा, ''इतने वर्षों में मैंने कई अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन थिएटर में फिल्म रिलीज होना हर अभिनेता का सपना होता है। जिंदगी जैसे अब एक चक्र पूरा कर चुकी है। इतने सालों में बहुत कुछ किया, पर बड़ी स्क्रीन पर खुद को देखना हर कलाकार के लिए जादुई पल होता है। इस बार यह जादू और भी खास है, क्योंकि मेरे साथ इस फिल्म में कपिल शर्मा हैं, जो अपने हास्य और टाइमिंग के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं।''

आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, ''मेरे लिए कई मायनों में यह बेहद खास है। मैं पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हूं और इस अनुभव को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं इस फिल्म के जरिए सीखने और जीने के नए तरीके दर्शकों को दिखाने जा रही हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक नया अध्याय है, जो मेरे करियर की दिशा को और ऊंचाई देगा।''

'किस किस को प्यार करूं 2' में पारुल और कपिल के साथ हीरा वरीना, त्रिधा चौधरी और आयशा खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का मोशन पोस्टर 23 अक्टूबर को जारी किया गया, जिसमें कपिल शर्मा के किरदार की जिंदगी में चार दुल्हनों के आने से होने वाली अफरा-तफरी दिखाई गई। दर्शकों को यह झलक देखकर ही अंदाजा हो गया है कि फिल्म में खूब हंसी-मजाक और मनोरंजन होने वाला है।

फिल्म का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है, जबकि इसे रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है और 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म 2015 में आई कपिल शर्मा की डेब्यू फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' का सीक्वल है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। पहले भाग में अरबाज खान, मंजरी फडनिस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

अनुपमा में दिखेगा धोखे का दर्दनाक ट्विस्ट, इशिता दीक्षित ने बताई लेटेस्ट अपडेट

फेमस टीवी सीरियल 'अनुपमा' में परी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री इशिता दीक्षित ने अपकमिंग एपिसोड की झलक फैंस के साथ शेयर की है। उन्होंने बताया कि इसके नए एपिसोड में काफी उथल-पुथल देखने को मिलेगी। इशिता ने कहा, आने वाले एपिसोड में परी अपने पति राजा और इशानी के बीच अफेयर की सच्चाई जानने के बाद पूरी तरह से टूटकर शाह हाउस लौटती है। राजा शाह हाउस में फूल लेकर आता है और उसे सांत्वना देने और उसका दिल जीतने की कोशिश करता है, लेकिन परी अडिग रहती है और उसे इतनी आसानी से माफ करने से इनकार कर देती है। वह बहुत आहत है और उसे लगता है कि जिस पर उसने सबसे ज्यादा भरोसा किया था, उसने उसे धोखा दिया है।इशिता ने आगे बताया, हालांकि, परी का दिल टूटने का सिलसिला यहीं खत्म नहीं होता। हालात और भी दर्दनाक मोड़ तब ले लेते हैं जब मोती बा यह घोषणा करती हैं कि कोठारी परिवार में परी को अब आने नहीं दिया जाएगा। इससे परी टूट जाती है और खुद को प्यार, विश्वासघात और अस्वीकृति के बीच फंसा हुआ पाती है।इशिता दीक्षित ने बताया कि आने वाले एपिसोड में उनके किरदार के जीवन में काफी उथल-पुथल देखने को मिलेगा। इससे शो में नया ट्विस्ट आएगा। इसे देखने के बाद दर्शक जरूर परी के किरदार से इमोशनली जुड़ पाएंगे। बताया जा रहा है कि शो को हिट करवाने के लिए मेकर्स ने यह प्लान बनाया है।'अनुपमा' सीरियल में रूपाली गांगुली लीड रोल निभा रही हैं। यह सीरियल बंगाली सीरियल 'श्रीमोई' का हिंदी वर्जन है। इसमें सुधांशु पांडे, गौरव खन्ना, और मदालसा शर्मा जैसे कलाकार भी हैं। यह सीरियल स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होता है। इससे पहले इशिता ने एक इंटरव्यू में कहा था, मुझे परी की सकारात्मकता और नैतिकता बहुत पसंद है, जो 'अनुपमा' के मार्गदर्शन से प्रेरित है। चुनौतियों के बावजूद परी आत्मविश्वास से भरी रहती है और सही के लिए खड़ी होती है। उसमें कई गुण हैं, जिन्हें निभाना मुझे बहुत पसंद है। मैं उसे जीवंत करने के अवसर के लिए आभारी हूं।

डॉन पलथारा के अगले सिनेमाई ब्रह्मांड में प्रवेश करेंगी पार्वती थिरुवोथु

नेशनल अवॉर्ड विजेता पार्वती थिरुवोथु अब डॉन पलथारा की अगली फिल्म की हीरोइन बनने जा रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ होंगे मलयालम सिनेमा के चर्चित फिल्ममेकर-एक्टर दिलीश पोथन। दो जबरदस्त दिमाग और एक कमाल की परफॉर्मर - ऐसा तिकडी इकट्ठा हो रहा है जो मलयालम सिनेमा में कुछ नया बातचीत शुरू करा सकता है। पार्वती थिरुवोथु ने इंस्टाग्राम पर स्क्रिप्ट की फोटो डालकर लिखा - डॉन पलथारा की बनाई दुनिया में कदम रख रही हूं, वह भी दिलीश पोथन के साथ। बेसब्र हूं।

पहली बार पार्वती, डॉन और दिलीश साथ काम कर रहे हैं। डॉन पलथारा का सिनेमा अपने अंदर छुपी कोमल परतों, रिश्तों की तहों और चुपचाप बोल देने वाले इमोशन्स के लिए जाना जाता है - जो पार्वती थिरुवोथु की बारीक और संवेदनशील एक्टिंग से एकदम मैच बैठता है। वहीं दिलीश पोथन खुद एक दमदार निर्देशक और बेहद नपे-तुले मगर असरदार अभिनेता माने जाते हैं।

कहानी अभी राज में है, पर कहा जा रहा है कि यह इमोशन से भरी ड्रामा फिल्म होगी जिसकी शूटिंग केरल में होगी और बहुत जल्द फ्लोर पर जाएगी।

पार्वती थिरुवोथु कहती हैं - डॉन की फिल्में हमारी जिंदगी और हमारे प्यार करने के तरीकों को बिना शोर और बिना जजमेंट दिखाती हैं। ऐसे सिनेमाई स्पेस में कदम रखना एक्टर के लिए आजादी जैसा है। उनकी फिल्में हमें सोचने पर मजबूर करती हैं। उनके साथ काम करना मेरा सपना था। और दिलीश के साथ स्क्रीन शेयर करना, जिनकी क्रिएटिव संवेदनशीलता की मैं बरसों से फैन हूं, मेरे लिए फिर से स्टूडेंट बनने जैसा है। यह अनाउंसमेंट ऐसे वक्त पर आया है जब पार्वती थिरुवोथु हाल ही में ऋतिक रोशन की पहली फिल्म 'डीा' में लीड करने और 13 साल बाद निर्देशक बेजॉय नाम्बियार के साथ दोबारा जुड़ने को लेकर सुर्खियों में थीं।

डॉन पलथारा की कहानी कहने की शैली, दिलीश पोथन की कलात्मक पकड़ और पार्वती थिरुवोथु की भावनात्मक ताकत - यह पहली बार एक ही फ्रेम में मिल रही है। यह सहयोग शायद वही नई बातचीत शुरू कर दे जिसका मलयालम सिनेमा काफी समय से इंतज़ार कर रहा था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों से दूर रहें जिनकी बुरी आदतें आपके ऊपर असर डाल सकती हैं। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज का दिन समझ–बूझ के क़दम उठाने का है, इसलिए तब तक अपने विचार व्यक्त न करें जब तक आप उनकी सफलता के लिए आश्वस्त न हों। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दु:ख–दर्द भुला देता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है – क्योंकि आज आपका प्रिय जल्दी ही नाराज़ हो सकता है। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए याद रखिये अगर समय की कद्र नहीं करेंगे तो इससे आपको ही नुक्सान होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है। शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। घर को सजाने–संवारने के लिए अपने खाली समय का उपयोग करें। इसके लिए आप परिवार से सराहना पाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए अपनी होशियारी और प्रभाव का इस्तेमाल करें। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच–विचार कर लें। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं सेहत के नज़रिये से दिन अच्छा हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। हवन/पूजा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आपके लिए यह ख़ूबसूरत दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। आज आप हँसी–मजाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद–विवाद का रूप भी ले सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। जिसपर आप यक़ीन करते हैं, मुमकिन है वह आपको पूरा सच न बता रहा हो। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 अक्टूबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रात: 08:01 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा सायं 03:45 तक
योग : सुकर्मा प्रात: 07:50 तक
करण : तैतिल प्रात: 08:01 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 10:15 तक
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:54 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 05:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेष: , कल्पादि तिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दिल्ली दौरा

शिवराज सिंह चौहान तथा निर्मला सीतारमण से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/जयपुर,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच प्रदेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में राज्य की विकास योजनाओं, केंद्र की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति, और आने वाले महीनों में राजस्थान के लिए निवेश और बुनियादी ढांचे के विस्तार जैसे विषयों पर बात हुई। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को प्रदेश में चल रही योजनाओं और हाल ही में लिए गए प्रशासनिक निर्णयों की जानकारी भी दी। यह मुलाकात दिवाली के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली बैठक रही। बैठक के बाद मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री आवास से रवाना होकर जोधपुर हाउस पहुंचे।

जयपुर,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली यात्रा के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस दौरान राजस्थान के आर्थिक, ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र के विकास से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। शर्मा की केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री से भेंट के दौरान दोनों नेताओं ने कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में राजस्थान में सिंचाई हेतु टांकों की व्यवस्था को जारी रखने, 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना में राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाने, योजना के अंतर्गत सांकेतिक आवंटन में वृद्धि करने, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन की उप–योजनाओं में तारबंदी कार्यक्रम को शामिल रखने तथा दलहन उप–योजना के अंतर्गत कांटेदार तारबंदी पर अनुदान स्वीकृति जैसे कृषक हितैषी विषयों पर सार्थक निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य के विकास और किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए केन्द्रीय मंत्री का आभार जताया।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान राजस्थान

के विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शर्मा राजस्थान के विकास और प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में राजस्थान तेजी से प्रगति की ओर अग्रसर है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए शर्मा ने केन्द्र सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के साथ ही राज्य सरकार के स्तर पर भी कई योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि शर्मा के आग्रह पर केन्द्र सरकार ने तारबंदी कार्यक्रम में कई फसलों को शामिल किया है। साथ ही, राजस्थान के कम उत्पादकता वाले 8 जिलों को प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना से जोड़ लिया गया है। अब उन जिलों में 11 विभागों की 36 योजनाओं को विशेष रूप से लागू किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री को पत्र लिखकर टांका निर्माण पर रोक हटाने तथा विभिन्न योजनाओं में केन्द्रीय अनुदान बढ़ाने के लिए आग्रह किया था।

मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को ही केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने राजस्थान के आर्थिक विकास, विभिन्न योजनाओं के बेहतर वित्तीय प्रबंधन एवं जीएसटी बचत उत्सव से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की। शर्मा ने वित्त मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर वित्त मंत्रालय द्वारा जीएसटी दरों में की गई कमी का आम आदमी को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। इससे दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुएं सस्ती हुई हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी बचत उत्सव में हिस्सा लेते हुए आमजन ने त्यौहारों पर उत्साह के साथ स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा दिया है।

अमेरिका में पकड़ा गया लॉरेंस गैंग का बदमाश जगदीप सिंह जग्गा

विदेश में रहकर राजस्थान में फिरौती मांगता था, फायरिंग की वारदातों में भी शामिल

जयपुर,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राजस्थान और पंजाब में सक्रिय लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शातिर बदमाश जगदीप सिंह उर्फ जग्गा पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। वह पिछले कई सालों से फरार था और विदेश में रहकर भारत में बैठे अपने गिरोह के लिए फिरौती मांगने और फायरिंग की घटनाओं की साजिश रचता था। अब अमेरिकी एजेंसी आईसीई ने उसे कनाडा–यूएस बॉर्डर के पास डिटेन किया है। राजस्थान की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) की लगातार निगरानी और साझा सूचना के बाद यह बड़ी कार्रवाई हुई है। राजस्थान पुलिस अब उसे भारत लाने की कोशिश कर रही है ताकि उस पर दर्ज पुराने मामलों में आगे की कार्रवाई की जा सके। एडीजी एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि जगदीप सिंह उर्फ जग्गा लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य था और बीते कुछ सालों से गैंग के लिए पंजाब और राजस्थान में काम कर रहा था। अमेरिका में रहते हुए भी उसने गैंग की कई आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया। उसके खिलाफ पंजाब में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। वहीं राजस्थान के जोधपुर जिले के प्रतापनगर और सरदारपुरा थानों में भी उसके खिलाफ केस दर्ज हैं। अदालत ने उसे अपराधी घोषित कर रखा है और उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी है।

मार्च 2017 में जग्गा ने जोधपुर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में डॉक्टर सुनील चंदक पर फायरिंग की थी और जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद सितंबर 2017 में वह जोधपुर के सरदारपुरा थाना क्षेत्र में व्यापारी वासुदेव इसरानी की हत्या के मामले में लॉरेंस बिश्नोई और अनमोल बिश्नोई के साथ जेल में बंद रहा। जेल से बाहर आने के बाद उसने गैंग के लिए एक्सटॉर्शन और धमकी की वारदातों को अंजाम देना जारी रखा। पुलिस के अनुसार, तीन साल पहले वह अपने असली पासपोर्ट पर दुबई चला गया था। वहां से उसने गैंग की फाइनेंसिंग और संपर्क बनाए रखे। बाद में वह अवैध रूप से अमेरिका पहुंच गया, जहां से उसने गैंग के लिए फिरौती मांगने और फायरिंग की साजिशों को अंजाम दिया।

सूत्रों के मुताबिक जग्गा विदेश में रहकर भारत में कारोबारियों और बिल्डरों से वसूली करता था। वह वीपीएन नेटवर्क और इंटरनेट कॉलिंग ऐप्स का इस्तेमाल करता था ताकि उसकी लोकेशन ट्रेस न हो सके। एजीटीएफ की टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी और उसके विदेशी नेटवर्क की जानकारी जुटा रही थी। आखिरकार जब यह पता चला कि वह अमेरिका में है, तो एजीटीएफ ने उसकी सूचना वहां की एजेंसियों को दी। इसी आधार पर यूएस आईसीई ने उसे कनाडा सीमा के पास डिटेन कर लिया।

एडीजी दिनेश एमएन के अनुसार, अब भारत सरकार के गृह मंत्रालय और अमेरिकी एजेंसियों के बीच संपर्क स्थापित कर उसे भारत डिपोर्ट कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजस्थान है तैयार : नवीन महाजन

जयपुर,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजस्थान पूरी तरह तैयार हैं। फेज–2 में 12 राज्यों में एसआईआर प्रारंभ होने जा रहा है जिसमें राजस्थान भी शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 28 अक्टूबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक एसआईआर की प्रक्रिया चलेगी। महाजन ने बताया कि 28 अक्टूबर से 3 नवबंर 2025 तक प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्र के मुद्रण का कार्य होगा। 4 नवबंर से 4 दिसंबर 2025 तक घर–घर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रहण का कार्य होगा। 9 दिसंबर 2025 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां ली जाएगी। 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक नोटिस फेज रहेगा जिसमें सुनवाई एवं सत्यापन किया जाएगा। 7 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

महाजन ने बताया कि प्रदेश में 2025 की वर्तमान मतदाता सूची के अनुसार 5 करोड़ 48 लाख 84 हजार 827 मतदाता है। जिनकी इस कार्यक्रम के अंतर्गत जांच 52,469 बूथ लेवल अधिकारियों के द्वारा गणना प्रपत्र भरवाकर की जानी है। इनमें से 40 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या लगभग 2.61 करोड़ है जिसमें से 77 प्रतिशत की मैंपिंग की जा चुकी है। वहीं 2.88 करोड़ मतदाता 40 वर्ष से कम आयु के है इनकी मैपिंग का कार्य प्रगति पर है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश भी दिए जा चुके हैं। इसमें मुख्य रूप से मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन, बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, राजनैतिक दलों को सूचना, मीडिया प्रबंधन, ऑनलाइन प्रपत्र भरने को बढ़ावा देना एवं आईईसी सामग्री के प्रकाशन को लेकर जिलेवार विस्तृत चर्चा एवं आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

हरियाणा सरकार का बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

09 आईएएस अधिकारियों के नियुक्ति स्थानांतरण आदेश जारी किए

चंडीगढ़,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से नौ आईएएस अधिकारियों के नियुक्ति/स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, श्यामल मिश्रा, जो वर्तमान में मुख्य प्रशासक, ट्रेड फेयर अथॉरिटी ऑफ हरियाणा, नई दिल्ली के पद पर कार्यरत हैं, को उनके वर्तमान कार्यभार के साथ ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी प्रकार जे. गणेशन को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फरीदाबाद महानगरीय विकास प्राधिकरण (ऋचऊ), फरीदाबाद तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गुरुग्राम महानगरीय विकास प्राधिकरण, गुरुग्राम,महानिदेशक एवं सचिव, आवास विभाग (हाउसिंग फॉर ऑल), मुख्य प्रशासक, हरियाणा हाउसिंग बोर्ड तथा हरियाणा एआई विकास परियोजना एवं हरियाणा क्लीन एयर परियोजना (कइझडऊ) सहित अन्य बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए गठित विशेष प्रयोजन वाहन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का कार्यभार सौंपा गया है।

अशोक कुमार मीणा को विकास एवं पंचायत विभाग का महानिदेशक तथा सचिव नियुक्त किया गया है।दुष्मंता कुमार बेहरा, जो वर्तमान में राज्यपाल के सचिव के रूप में कार्यरत हैं, को श्रम विभाग के श्रम आयुक्त एवं सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।मनीराम शर्मा को उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड में प्रबंध निदेशक, ऊर्जा तथा गृह विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है।

डॉ. आदित्य दहिया जो वर्तमान में कार्मिक, प्रशिक्षण एवं संसदीय कार्य विभाग के विशेष सचिव, निदेशक प्रशिक्षण (पदेन), जांच अधिकारी, सतर्कता, और भविष्य विभाग के पद पर कार्यरत हैं को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, के निदेशक एवं विशेष सचिव का कार्यभार सौंपा गया है।महेन्द्र पाल को हार्ट्रोन तथा हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है।अमरदीप सिंह को सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त किया गया है। वर्षा खांगवाल जो वर्तमान में, सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग में अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं, को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा सतर्कता विभाग के अतिरिक्त सचिव का दायित्व सौंपा गया है।

छठ पर्व भारतीय संस्कृति का सेतु ही नहीं बल्कि देश के हर क्षेत्र को आस्था के धागे से जोड़ता है : सैनी

चण्डीगढ़,27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि छठ पर्व भारतीय संस्कृति का सेतु ही नहीं बल्कि देश के हर क्षेत्र को आस्था के धागे से जोड़ता है। साथ ही यह समानता की अद्भुत मिसाल भी है और हमारी संस्कृति व आस्था का प्रकृति से कितना गहरा जुड़ाव भी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात आज यहां पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय छठ पूजा महोत्सव में उपस्थित लोगों को सम्बोधित के दौरान कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आस्था के महापर्व छठ पूजा की बधाई और शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि छठ पूजा समिति, पंचकूला द्वारा छठ घाट के सौंदर्यकरण से सम्बंधित मांगों को पूरा करवाया जाएगा।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने छठ मईया की पूजा–अर्चना में भाग लिया तथा घाट पर डूबते सूर्य देव को अर्ध्य अर्पित किया ।नायब सिंह सैनी ने कहा कि जहवाँ हरियाणा के माटी में ताकत बा, ओही जगह पूर्वाचल के संस्कृति में भावना बा–जब दुगो मिल जाला, त विकास आ विश्वास दुनो बढ़ जाला। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें आपसी मेलजोल सिखाता है। यहां कोई बड़ा–छोटा नहीं है, कोई ऊंच–नीच नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ पर्व को 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' का उत्तम उदाहरण कहा जा सकता है। मूल रूप से पूर्वांचल में मनाया जाने वाला यह पर्व अब विभिन्न प्रदेशों की सीमाएं

लांघकर देशभर में मनाया जाने लगा है। पूर्वांचल के मेहनती और कर्मठ लोग आज विभिन्न प्रदेशों में अपनी कड़ी मेहनत से वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान कर रहे हैं। आप जहां–जहां गये, वहां–वहां छठ पर्व भी पहुंच गया और सनातन संस्कृति के वहां के पुजारियों ने भी छठ पर्व को श्रद्धा व आस्था के साथ मनाना शुरू कर दिया।

उन्होंने कहा कि छठ पूजा के लिए पंचकूला में भी घाट बनाया जा चुका है। इसके अलावा, दानवीर कर्ण की नगरी करनाल में भी सूर्यनारायण मन्दिर के सामने पश्चिमी यमुना कैनाल पर 4 करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से स्नान घाट का निर्माण किया गया है। इसी घाट के सामने नहर के दूसरे किनारे पर भी स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत एक और घाट का निर्माण हो चुका है। इसके अलावा, पानीपत व सोनीपत में भी घाट बन चुके हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ही मार्गदर्शन में हमने 'श्रमेव जयते' में विश्वास करते हुए पिछले 11 वर्षों में आपकी सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। प्रधानमंत्री ने मातृशक्ति की क्षमताओं को पहचानते हुए लोक सभा और विधान सभा में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने विभिन्न योजनाओं के तहत पिछले 11 वर्षों में निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए 3 हजार 866 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। इसके अलावा, हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा भी 11 वर्षों में श्रमिकों के कल्याण के लिए लगभग 778 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं।

30 अक्टूबर तक कर्नाटक में काफी व्यापक वर्षा होने की उम्मीद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), बेंगलूरु ने चक्रवात मोन्था के कारण अगले चार दिनों तक कर्नाटक में काफी व्यापक वर्षा की भविष्यवाणी की है। आईएमडी के बेंगलूरु के निदेशक सी.एस. पाटिल ने कहा प्रत्याशित चक्रवात के कारण 30 अक्टूबर तक कर्नाटक में काफी व्यापक वर्षा होने की उम्मीद है। आईएमडी ने कहा कि पूर्व-मध्य अरब सागर पर दबाव पिछले छह घंटों के दौरान 13 किमी प्रति घंटे की गति के साथ लगभग दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ गया और रविवार सुबह 8.30 बजे उसी क्षेत्र पर केंद्रित था। आईएमडी ने कहा शुरुआत में इसके लगभग दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ने और फिर अगले 24 घंटों के दौरान पूर्व मध्य अरब सागर में दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। तटीय कर्नाटक के लिए, आईएमडी ने उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में एक या दो स्थानों पर निरंतर हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश और गरज के साथ बारिश और दक्षिण कन्नड़ जिले में एक या दो स्थानों पर निरंतर हवाओं के साथ भारी बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की भविष्यवाणी की है। उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के लिए, बेलगावी और धारवाड़ जिलों में एक या दो स्थानों पर तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और गरज के साथ बारिश होने और बागलकोट, बीदर, गदग, हावेरी, कलबुर्गी, कोप्पल, रायचूर, विजयपुरा और यादगीर जिलों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। दक्षिण-आंतरिक कर्नाटक के लिए, आईएमडी ने शिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु और हासन जिलों में एक या दो स्थानों पर तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और गरज के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा, बल्लारी, बेंगलूरु (ग्रामीण), बेंगलूरु (शहरी), चामराजनगर, चिकबल्लापुर, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, कोडागु, कोलार, मांड्या, मैसूरु, बेंगलूरु दक्षिण, तुमकुरु और विजयनगर जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। बेंगलूरु शहर और आसपास के इलाकों के लिए अगले 36 घंटों के लिए आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 डिग्री सेल्सियस और 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

ज्ञान का सदुपयोग होना जरूरी : आचार्य अरिहंतसागरसूरीश्वरजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वासुपूज्य मुनिसुव्रतस्वामि जैन संघ, माधवनगर में ज्ञान पंचमी के अवसर पर प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि किसी भी धर्म का प्रवाह शास्त्रज्ञान और ज्ञानियों के सहारे निरंतर बहता है। ज्ञानियों ने अपनी अगली पीढ़ियों को ज्ञान प्रदान कर ज्ञान की परंपरा आगे बढ़ाई है और बदले में किसी भी भौतिक अपेक्षा के बगैर वर्तमान की ज्ञान परंपरा के ढांचे में आए बदलाव पर खेद जताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे यहां प्राचीन काल से ही निःस्वार्थ भाव से ज्ञान प्रदान करने की परंपरा रही है। लेकिन आज व्यवसायीकरण के दौर में शिक्षण भी इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाया। ज्ञान को एक बिक्री योग्य साधन बना दिया गया है और इससे ज्ञान गलत हाथों में चलता गया। नतीजन पिछले दो सौ-ढाई सौ वर्षों में जो कुछ विध्वंस, विनाश, शोषण हुआ वह ज्ञान के दुरुपयोग के कारण हुआ। अयोग्य पढ़े-लिखे हाथों में ज्ञान के आने से जान का दुरुपयोग होता चला गया और शोषण, निर्बलों का दमन, गरीबी, भुखमरी, सामाजिक और आर्थिक असमानता की खाई बढ़ती गई। अतः यह आवश्यक है कि ज्ञान का सदुपयोग हो। आज चारों ओर शिक्षा का बोलबाला है लेकिन वह शिक्षा मात्र व्यवहारिक है जो व्यक्ति को इस भव में रोजगार या जीवन यापन का माध्यम प्रदान करती है। लेकिन धर्म की शिक्षा यानी सम्यक् ज्ञान की घोर उपेक्षा हो रही है जो अत्यंत चिंताजनक विषय है। सम्यक् ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सम्यक् ज्ञान व्यक्ति को न सिर्फ वर्तमान जीवन में सही दशा प्रदान करता है बल्कि वह परलोक में भी उसे सुखी बनाता है। आज धर्म के शिक्षण के अभाव में धर्म के सिद्धांतों के रहस्यों और गहराईयों को जानने व समझने की बौद्धिक क्षमता धीरे धीरे घटती जा रही है। नतीजन संघों का सर्वांगी स्वर उतरता जा रहा है। अतः जरूरत है जागृत होकर इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं और सम्यक् जान का प्रकाश पुनः ज्वलंत बनाया जाएं।

दीपावली स्नेह मिलन में छात्रों का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गौड़ ब्राह्मण संघ कर्नाटक के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन हसरगट्टा रोड़ स्थित राजस्थानी ढाणी रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। दिनेश उपाध्याय द्वारा गणेश वंदना गायत्री मंत्र के उच्चारण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। संघ के सदस्यों ने एक दूसरे को दीपावली नव वर्ष की शुभकामनाएं दी।

समाज के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में सभी ने समाज को आगे बढ़ाने की प्रेरणा ली। इसके बाद में प्रतिभावान छात्र छात्रों में पुरस्कार वितरित किया गया। शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। जगदीश चंद्र शर्मा, सुभाष शर्मा, विनोद शर्मा, सुनील शर्मा, मुरारी लाल शर्मा, अरुण जोशी, महावीर प्रसाद, शशिकांत शर्मा सहित सभी सदस्यों ने अपने विचारों से समाज को अवगत कराया।

गौड़ ब्राह्मण संघ महिला समिति की हंसा शर्मा ने अपनी पूरी टीम के साथ सभी आने वाले संघ के सदस्यों का सम्मान किया। गौड़ ब्राह्मण संघ अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिय ने सभी का आभार व्यक्त किया। सचिव अनिल शर्मा ने सभी को धन्यवाद देकर कार्यक्रम का समापन किया।

मानव सभी, पर आचरण अलग अलग: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि मनुष्य सभी है लेकिन उनमें भी बहुत अंतर है। कोई मानव है तो कोई भगवान है। कोई हीरा है तो कोई इंसान है।

सभी का आचरण अलग अलग होता है। कोई मानव है तो कोई दानव होता है। जो दानव होता है वह किसी का सगा नहीं होता है। दूसरा मानव होता है। ऐसा ना किसी को परेशान करता है। न ही खुद परेशान होने का काम करता है। तीसरा मानव देवता के समान होता है। जो मिला उसमें मस्त रहता है। मिला तो भी ठीक नहीं मिला तो भी ठीक। ऐसा मनुष्य हर परिस्थिति में मस्त रहता है। चौथा मानव भगवान के जैसा होता है। चलता फिरता भगवान ही होता है। ऐसे मानव के सामने अप्सरा रहे या कोई और उनका मन बिल्कुल विचलित नहीं होता है। ऐसे महापुरुष साक्षात भगवान के ही सामान होते हैं। जो मानव सभी को एक समान समझे वह भगवान होता है। खुद की खुदाई से जो जुदा हो गया खुदा की कसम वह खुदा हो गया। ऐसे मनुष्य को भगवान कहते है। ऐसे ही गुरु गणेशीलाल जी महाराज थे। उनका जीवन बहुत ही सादा और सरल था।

दुनिया में बहुत लोग आते है और जाते हैं। लेकिन सभी को याद नहीं किया जाता है। याद मनुष्य को नहीं बल्कि उसके गुणों को किया जाता है। गणेशीलाल जी का जन्म राजस्थान के बिलाड़ा कस्बा में हुआ था। बिलाड़ा राजस्थान का कश्मीर है। वे बहुत ही गुणी और ज्ञानी थे। 15 साल के होने के बाद उनके मां का देवलोक गमन हो गया। मां के जाने के बाद संसार सुना हो जाता है। मां की ममता जैसा कोई नहीं हो सकता है। मां के जाने के बाद गणेशीलाल के पिता भी चले गए। उसके बाद गणेशीलाल जी ने हिसाब किताब का काम शुरू किया। सेठ ने कुछ गलत किया तो उन्होंने काम छोड़ दिया। फिर दुकान खोला। इसी बीच भाई भी गुजर गया। जिसका उनके मन पर बड़ा असर हुआ। जिसके बाद उन्होंने दीक्षा लेने का विचार किया। 38 साल की उम्र में नासिक जिला में दीक्षा ली और मोक्ष के मार्ग पर बढ़ गए। उसी दिन आनंद ऋषि जी महाराज ने भी दीक्षा ली। गणेशीलाल जी खूब तपस्या करते थे। किसी से बिना मतलब नहीं बोलते है। धर्म ध्यान और त्याग तपस्या ही उनका जीवन था। इस प्रकार वे भक्तों के भगवान बन गए थे। ऐसे महापुरुष के बताए मार्ग पर चल कर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

छठ घाट बनाने के दौरान गंगा में डूबे चार मासूम, गांव में छाया मातम

भागलपुर (एजेंसियां)।
लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों के बीच भागलपुर से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। नवगछिया अनुमंडल के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के नवटोलिया गांव में छठ घाट बनाने के दौरान गंगा नदी में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार की दोपहर गांव के कुछ बच्चे गंगा किनारे छठ घाट तैयार करने पहुंचे थे। घाट की सफाई और सजावट के बाद चारों बच्चे नदी में स्नान करने लगे।

इस दौरान एक बच्चा अचानक गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बाकी तीनों बच्चे भी नदी में उतर गए, लेकिन वे सभी तेज धारा में बह गए और देखते ही देखते पानी में समा गए।

स्थानीय लोगों ने शोर सुनकर गोताखोरों की मदद से सभी को किसी तरह बाहर निकाला और आनन-फानन में इस्माइलपुर अस्पताल ले जाया गया। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान नवटोलिया गांव निवासी मिथिलेश कुमार का पुत्र प्रिंस कुमार (11) और किशोरी मंडल का पुत्र नंदन कुमार (10) के रूप में हुई है। अन्य दो बच्चे पास के छठ्ठु टोला के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही इस्माइलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। वहीं, गोपालपुर के निर्दलीय प्रत्याशी गोपाल मंडल भी अस्पताल पहुंचे और शोक संतप्त परिवारों से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

मृतकों के घरों में कोहराम मचा हुआ है। माताएं अपने बच्चों के शवों से लिपटकर बिलखती रहीं। छठ की खुशियां मातम में बदल गई और पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

पारीक समाज कर्नाटक ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पारीक समाज कर्नाटक के तत्वावधान में रविवार को होटल देसी मसाला राजराजेश्वरी नगर में दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम पाराशर जी के चित्र के समक्ष पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित किया। काव्य जोशी ने ईश वंदना, धनक पारीक ने स्वागत गीत नृत्य पेश किया। अध्यक्ष पृथ्वीराज पारीक ने अध्यक्षीय संबोधन में सभी का स्वागत कर दिवाली की शुभकामनाएं दी। सुरेश पारीक (मेडास) व रामकिशोर तिवाड़ी के निर्देशन में आयोजन हुआ। इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक गजानन्द पारीक, ललित व्यास एवं वरिष्ठ सदस्य चंपालाल एव महावीर पारीक का सम्मान किया गया। प्रतिभाशाली छात्रों व सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया तीज महिला समिति की महिलाओं का सम्मान किया गया। समाज के बच्चों ने राम दरबार की झांकी और निकिता, वन्दना व रशमी ने राम आयेंगे भजन पर नृत्य से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। पदमा जोशी के निर्देशन में उम्मीदों का बाजार पर सामाजिक लघु नाटक पेश किया गया। जिसमें संतोष, रश्मि, वंदना, संतोषी, निकिता व हर्षिता ने बहुत ही शानदार अभिनय किया। आयोजन में कार्य समिति के पदाधिकारी गण रामावतार जोशी, राधेश्यामज जोशी, विष्णु पारीक, प्रकाश पारीक, रमेश पारीक एवं पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण त्रिवेदी, एसएल जोशी, पुखराज तिवाड़ी, मनोज पारीक, गणमान्य सदस्य महेंद्र व्यास, माणकचंद जोशी, यशपाल जोशी, रामनिवास पांण्डिया, पवन तिवारी, जगदीश पारीक, मुरलीधर पारीक व मदनलाल पारीक आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

बिना अनुमति सभा पर बवाल

महागठबंधन प्रत्याशी पर आचार संहिता उल्लंघन का केस

बांका (एजेंसियां)।
बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान अमरपुर में महागठबंधन के प्रत्याशी जितेंद्र सिंह पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, अमरपुर की अंचलाधिकारी रजनी कुमारी ने अमरपुर थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत की है कि प्रत्याशी जितेंद्र सिंह ने हरि किशुन भगत कॉलेज परिसर में बिना प्रशासनिक अनुमति के चुनावी सभा का आयोजन किया।

अंचलाधिकारी ने बताया कि किसी भी सार्वजनिक स्थान पर बिना अनुमति सभा करना निर्वाचन आयोग की आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। शिकायत के आधार पर अमरपुर थाना पुलिस ने प्रत्याशी जितेंद्र सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद स्थानीय राजनीतिक माहौल में हलचल मच गई है। वहीं, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

अस्वस्थ सीएम के हाथों में 13 करोड़ जनता का भविष्य नहीं सौंपा जा सकता : मुकेश सहनी

दरभंगा (एजेंसियां)।
वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने रविवार देर रात दरभंगा पहुंचकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अब पूरी तरह अस्वस्थ हो चुके हैं। ऐसे में बिहार के 13 करोड़ लोगों का भविष्य एक अस्वस्थ व्यक्ति के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता। सहनी ने कहा कि यह कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं है। 70 वर्ष की उम्र में कोई भी व्यक्ति अस्वस्थ हो सकता है, लेकिन बिहार जैसे राज्य का नेतृत्व अब युवा हाथों में होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि 2005 में नीतीश कुमार जब पहली बार मुख्यमंत्री बने तो जनता ने उन्हें अवसर दिया। 2010 तक उन्होंने कुछ विकास भी दिखाया, लेकिन 2015 में वे लालू प्रसाद यादव की 'बैसाखी' पर सवार होकर फिर सत्ता में लौटे। वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव में महज 42 विधायकों के साथ वे भाजपा और वीआईपी के समर्थन से किसी तरह मुख्यमंत्री बने।

सहनी ने भाजपा सांसद मनोज तिवारी के उस बयान पर भी पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि हमारे पास 56 इंच का सीना है। इस पर सहनी ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के पास 56 नहीं बल्कि 112 इंच की जुबान है। 2014 में उन्होंने देश को आर्थिक विकास का सपना दिखाया, लेकिन आज देश की जनता 5 किलो अनाज पर निर्भर है। वादों की हकीकत अब सबके सामने है।

वीआईपी प्रमुख ने बिहार के युवाओं से अपील की कि अब समय आ गया है जब बदलाव की राजनीति को आगे लाया जाए। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब जाग चुकी है। राज्य को नई सोच और नए नेतृत्व की जरूरत है, ताकि आने वाली पीढ़ी को बेहतर भविष्य मिल सके।

अपराधियों ने गोली मारकर की युवक की हत्या

वैशाली (एजेंसियां)।
वैशाली जिले के बलिगांव थाना क्षेत्र के पहाड़पुर स्कूल के पास रविवार की देर शाम बाइक सवार अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से परिजन उसे इलाज के लिए पातेपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही बलिगांव और पातेपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है तथा आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मृतक की पहचान हनुमाननगर गांव निवासी राजेश महतो के 37 वर्षीय पुत्र रविंद्र कुमार उर्फ बिल्ला के रूप में हुई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार शाम रविंद्र अपने रिश्ते के भाई के साथ पातेपुर बाजार से छठ पर्व का सामान खरीदकर बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान पहाड़पुर स्कूल के पास पहले से घात लगाए दो अपराधियों ने उनकी बाइक को रोक लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com